हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 31 मई 2026

तरकश

संजय के दीक्षित

दामाद बाबू कामयाब

94 बैच के आईएफएस अरुण पाण्डेय हेड ऑफ फॉरेस्ट बनने में कामयाब हो गए। सरकार ने उन्हें दो सीनियर अफसरों को सुपरसीड कर वन बल प्रमुख बनाया है। जाहिर है, कौशलेंद्र कुमार और अनिल साहू उनसे वरिष्ठ थे। अलबत्ता, इस मुकाम तक पहुंचने में अरुण पाण्डेय की राह आसान नहीं रही। उनके विरोधियों ने चुटिया बांध ली थी। सरकार को गलत सूचना देकर 7 मई को हॉफ की डीपीसी रुकवा दी गई कि ओपी यादव का नाम शामिल नहीं किया गया है। जबकि, ओपी लेवल 15 में हैं, लिहाजा वे एलिजिलबल नहीं थे। मगर सरगुजा वाले पाण्डेयजी कमजोर थोड़े ही हैं। लंबे समय तक जशपुर के डीएफओ रहे हैं। सरकार ने भी बड़ा मैसेज देने के लिए श्रीनिवास राव के रिटायर होने के चार दिन पहले नए हेड ऑफ फॉरेस्ट का आदेश निकाल दिया। छत्तीसगढ़ के इतिहास में सीएस, डीजीपी और हॉफ का आदेश इतना जल्दी नहीं निकला। आमतौर पर एक दिन पहले या रिटायरमेंट के दिन ही आर्डर होते थे। मगर इस बार का मामला जुदा रहा। बहरहाल, अरुण 13 महीने याने जून 2027 तक इस पद पर रहेंगे। बता दें, उनके ससुर वासुदेव दुबे छत्तीसगढ़ में आईपीएस अधिकारी रहे। लंबे समय तक वे डीजी जेल रहे मगर डीजी पुलिस नहीं बन पाए। रमन सिंह सरकार की पहली पारी में उन्हें सुपरसीड कर विश्वरंजन को डीजीपी बनाया गया था। चलिए, ससुर न सही...दामाद बाबू स्टेट के टॉप थ्री पोस्ट में पहुंच गए हैं।

हॉफ के पावर

अबकी पहला दफा हुआ कि हेड ऑफ फॉरेस्ट की नियुक्ति को लेकर मीडिया में खूब खबरें चली। कुछ चली, कुछ चलवाई गई। इस पोस्ट की टीआरपी बढ़ी तो उसके बारे में जानना भी चाहिए। स्टेट में 225000 के सुपरस्केल वाले गिने-चुने पद होते हैं। चीफ सिकरेट्री, एसीएस, डीजीपी और हेड ऑफ फॉरेस्ट याने हॉफ। इनमें सीएस और डीजीपी का जलवा जरूर रहता है। मगर फायनेंसियल पावर में हॉफ का कोई मुकाबला नहीं। फॉरेस्ट एक्ट में सारा बजट वन मुख्यालय को ट्रांसफर हो जाता है। लगभग 23-24 हजार करोड़ के वन विभाग के बजट के कुबेर होते हैं हॉफ। हालांकि, वन मंत्री अगर तेज हैं तो फिर हॉफ का प्रभाव थोड़ा प्रभावित होता है। फिर भी हेड ऑफ फॉरेस्ट का वन विभाग में रुतबा रहता है। किस डिवीजन और सर्किल को कितना बजट मिलना है, ये हॉफ तय करते हैं। ट्रांसफर, पोस्टिंग में भी हॉफ की राय अहमियत रखती है...इसमें वे कम-से-कम 20 फीसदी अपनी चला ही लेते हैं।

आईपीएस पत्नी के सितारे

नवनियुक्त हेड ऑफ फॉरेस्ट अरुण पाण्डेय अगले साल जून में रिटायर हो जाएंगे। इसके बाद इस पद के लिए सबसे मजबूत दावेदार कोई है तो वो हैं संगीता गुप्ता। संगीता 95 बैच की आईएफएस अधिकारी हैं। उन्हें इसलिए वन बल प्रमुख बनना तय माना जा रहा, क्योंकि, तब कोई कंपीटिटर नहीं रहेगा। संगीता का कार्यकाल भी काफी लंबा होगा। 2031 में उनका रिटायरमेंट है। याने लगभग चार साल। संगीता सीनियर आईपीएस हिमांशु गुप्ता की पत्नी हैं। यूपीएससी द्वारा डीजीपी के लिए बनाए गए पेनल में अरुणदेव गौतम के साथ हिमांशु गुप्ता का भी नाम था। मगर ग्रह-नक्षत्र ने उनका साथ नहीं दिया। सरकार ने काफी आगे-पीछे होने के बाद अरुणदेव गौतम के नाम पर मुहर लगा दी। बहरहाल, हिमांशु गुप्ता की पत्नी संगीता के साथ ऐसा नहीं होगा। निश्चित तौर पर छत्तीसगढ़ की वे पहली हेड ऑफ फॉरेस्ट बनेंगी। दरअसल, इस महीने श्रीनिवास राव और तपेश झा और जुलाई में अनिल साहू और प्रेम कुमार के रिटायर होने के बाद पूरा मैदान खाली हो जाएगा। ओपी यादव अगले साल फरवरी में, उसके बाद अमरनाथ भी रिटायर हो जाएंगे। जिस तरह आईएएस में प्रमुख सचिव लेवल पर बड़ा वैक्यूम है, उसी तरह आईएफएस में पीसीसीएफ स्तर पर कई साल तक यही स्थिति रहनी है।

ब्यूरोक्रेसी का दिमाग

उपर में पे-स्केल लेवल 17 का जिक्र हुआ तो फिर ब्यूरोक्रेसी के ब्रेन की चर्चा लाजिमी है। दरअसल, स्टेट में शीर्ष स्केल के पद तीन ही होते थे। मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और हेड ऑफ फॉरेस्ट। तब 80 हजार के स्केल होते थे। मगर दिल्ली में बैठी ब्यूरोक्रेसी ने चकरी चला दी। आईएएस में प्रमुख सचिव के बाद एसीएस प्रमोट होते ही लेवल 17 का वेतनमान फिक्स कर दिया। याने चीफ सिकरेट्री के समकक्ष एडिशनल चीफ सिकरेट्री का वेतन। मगर पुलिस और वन विभाग में डंडी मार दी। पुलिस में एडीजी से डीजीपी एक ग्रेड उपर होते हैं तो वन विभाग में पीसीसीएफ और हेड ऑफ फॉरेस्ट में भी इसी तरह का अंतर। अर्थात पुलिस और वन महकमे में लेवल 17 के एक-एक पद होते हैं लेकिन ब्यूरोक्रेसी में सीएस के साथ सभी एसीएस भी।

छत्तीसगढ़ में रिसोर्ट माफिया

20 मई को राजनांदगांव के डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने मनगटा जंगल सफारी के पास 150 एकड़ में बन रहे निर्माणाधीन रिसोर्टों को बुलडोजर चलाकर तोड़ दिया। मगर, इससे भी बड़ा न्यूज ये है कि इस कार्रवाई से भूमाफियाओं, अफसरों और नेताओं का ऐसा नेक्सस उजागर हुआ, जो लंबे समय से रिसोर्टों में अपनी काली कमाई को निवेश कर रहा था। आपको ये जानकार हैरानी होगी कि राजनांदगांव देश का शायद पहला जिला होगा, जहां एक किमी के सराउंडिंग 190 रिसोर्ट हैं और सभी चालू हालत में। इसके अलावा 130 निर्माणाधीन। अधिकांश रिसोटर्स बेजा कब्जा, या फिर रेरा के नियमों को ताक पर रख बना डाले। सफेदपोशों ने वहां ऐसा फुलप्रूफ सिस्टम बना लिया था कि कोई छोटा मुलाजिम उधर देख नहीं सकता था, और बड़ों को मुंहमांगी कीमत मिल जाती थी या फिर जंगल में मंगल मनाने का मौका। उपर से एक रिसोर्ट भी टिका दिया जाता था। टिकाने का मतलब ये कि रिसोर्ट माफिया पहुंच जाते थे...साहेब, आप एक रिसोर्ट ले लीजिए, आपको सस्ते में मिल जाएगा, आप इंवेस्ट कर दो, बाकी रिसोर्ट हम चला लेंगे, आपको किराया मिलता रहेगा और मूल संपत्ति भी बनी रहेगी। तभी 20 मई को जब जिला प्रशासन का डंडा चला तो छत्तीसगढ़ ही नहीं, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र तक हिल गया। जाहिर है, ये दोनों राजनांदगांव से लगे पड़ोसी राज्य हैं। छत्तीसगढ़ के ब्यूरोक्रेट्स, नेताओं और भूमाफियाओं के साथ एमपी और महाराष्ट्र के भी कई अफसरों और नेताओं के वहां रिसोर्ट हैं। सभी जगहों से फोन घनघनाने लगे। सबको एक ही डर सता रहा था, मेरा वाला तो बच जाएगा न। जिला प्रशासन के अफसरों पर कम प्रेशर नहीं आया। बड़े स्तर पर, बड़ी मात्रा में खुशामद करने के प्रयास हुए। मगर सब धान बाइस पसेरी नहीं होते।

ऐय्याशी का अड्डा

आपके मन में सहसा यह प्रश्न उठेगा कि राजनांदगांव जिले में ऐसा क्या है कि एक जगह पर सैकड़ों रिसोर्ट बन गए। तो पहले उस जगह की थोड़ी ज्योग्राफी बता देते हैं। राजनांदगांव जिला मुख्यालय से सिर्फ 19 किमी दूरी पर मनगटा जंगल सफारी है। और उसी के पास ये रिसोर्ट बने हैं। मनगटा सफारी आम लोगों में बहुत प्रचलित नहीं है। इसलिए आम आदमी कम ही जाता है। इसलिए, रायपुर से लेकर भिलाई, दुर्ग, राजनांदगांव और एमपी, महाराष्ट्रा के सफेदपोशों, अफसरों और नेताओं के लिए मौज-मस्ती और ऐय्याशी का सुरक्षित केंद्र बन गया है। रायपुर तक के अफसर वीकेंड में मनगटा पहुंच जाते हैं। कई जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बारे में ये भी पता चला है कि घर में बोलकर जाते हैं, वे मीटिंग में दिल्ली जा रहे मगर उनकी गाड़ी घूम जाती है...मनगटा के रिसोर्ट की ओर। बड़े लोगों के संरक्षण का ही नतीजा है कि भिलाई-दुर्ग और रायपुर के भूमाफियाओं ने मनगटा के 54 एकड़ सरकारी जमीन पर भी रिसोर्ट का निर्माण प्रारंभ कर दिया था। वो गनीमत रहा कि जिला प्रशासन की नजर में आ गया। और ढांचा धराशायी हो गया।

पूर्व सीएस और हमारी चूक

पिछले तरकश स्तंभ में, क्योंकि वे आईएएस थे...एक आयटम था। उसमें पूर्व आईएएस राधाकृष्णन द्वारा माध्यमिक शिक्षा मंडल के चेयरमैन रहते बोर्ड के एकाउंट से साढ़े आठ करोड़ रुपए अपने प्रायवेट खाते में ट्रांसफर करा लेने का जिक्र किया गया था। खबर में यह भी लिखा था कि आईएएस द्वारा डाका डालने के बाद भी पूर्व मुख्य सचिव पी. जॉय उम्मेन, सुनिल कुमार, विवेक ढांड, अजय सिंह, आरपी मंडल और अमिताभ जैन ने आईएएस के खिलाफ कार्रवाई कर रिकवरी निकालने की बजाए आंख मूंद लिया था। इस खबर के पब्लिश होने के बाद पूर्व मुख्य सचिव सुनिल कुमार ने स्तंभकार को व्हाट्सएप मैसेज भेज बताया कि वे फरवरी 2014 में रिटायर हो गए थे। उसके बाद भी राधाकृष्णन माध्यमिक शिक्षा मंडल में चेयरमैन कंटिन्यू कर रहे थे। फिर उस गड़बड़ी के लिए पी. जॉय उम्मेन और सुनिल कुमार दोषी कैसे हुए। वाकई, स्तंभकार से डेट का फैक्ट चेक करने में चूक हुई, इसके लिए खेद है...और, वर्तमान मुख्य सचिव विकास शील से संज्ञान लेने की अपेक्षा भी। विकासशील दिल्ली द्वारा भेजे फर्स्ट सीएस हैं। पिछले स्तंभ में लिखा गया था कि अगर कोई कर्मचारी इस तरह का कृत्य किया होता तो जेल तो जाता ही, रिकवरी भी निकाला जाता। मगर वे आईएएस थे, इसलिए सिस्टम मौन हो गया।

मजबूरी या सम्मान!

इस महीने राज्य सरकार ने 42 आईएएस अधिकारियों को ट्रांसफर किया, उनमें रायपुर संभाग के कमिश्नर महादेव कांवड़े का तबादला लोगों को काफी चौंकाया। वो इसलिए कि कावड़े का इसी महीने रिटायरमेंट है। और उसके 24 दिन पहले उन्हें हटाकर रजिस्ट्रार सहकारिता बना दिया गया। इसके पीछे की वजह यह है कि अगर कावड़े के रिटायरमेंट के लिए 31 मई तक वेट करते तो पूरा ट्रांसफर महीना भर के लिए लटक जाता। वो इसलिए कि, कावड़े की जगह श्याम धावड़े को कमिश्नर बनाना था। और धावड़े के ग्रामोद्योग में किसी और को बिठाना था। हालांकि, पहले योजना यह थी कि कावड़े को महीने भर के लिए बिना विभाग के सचिव बनाकर मंत्रालय में पोस्ट किया जाए। मगर विचार निकलकर आया, रिटायरमेंट से चंद दिनों पहले ऐसा करने से कावड़े अपमानित महसूस करते। लिहाजा, सीआर प्रसन्ना से रजिस्ट्रार सहकारिता का पद महादेव कांवड़े को दिया गया। चूकि 30 और 31 मई को छुट्टी है। इसलिए, कांवड़े 29 मई को रिटायर हो गए। इसके बाद सरकार रजिस्ट्रार की कुर्सी किसी और आईएएस को सौंपेगी। क्योंकि, रजिस्ट्रार कैडर पोस्ट है, इसे खाली नहीं रखा जा सकता। बता दें, महादेव कांवड़े सभी सरकारों में चलने वाले गिने-चुने अफसरों में शामिल थे।

संदेह के घेरे में आईपीएस

इंदौर हनीट्रेप कांड में छत्तीसगढ़ के एक डीआईजी की संलिप्तता की खबर घूम रही है। इस घटना के बाद कई पुलिस उपमहानिरीक्षकों के घरों में कलह शुरू हो गई है। पत्नियां बात-बात पर ताने दे रही। दरअसल, जब तक नाम सामने नहीं आएगा, तब तक सभी डीआईजी लोगों के घरों में यही हालात रहने वाला है। हालांकि, शक के घेरे में आईजी भी हो सकते हैं। क्योंकि, घटना कुछ साल पहले की है, इसलिए हो सकता है हनी ट्रेप के खिलाड़ी प्रमोट होकर आईजी बन गए हों। याने हो कुछ भी सकता है। मगर कब तक? जब तक एमपी पुलिस नाम जाहिर नहीं करती।

हफ्ते का कोट

'जीवन में कुछ बनना है, तो विनम्र रहना सीखें, क्योंकि एक छोटे से बीज को भी जमीन में दबना पड़ता है पेड़ बनने के लिए' और 'जीवन में परवरिश तथा संस्कार भी बहुत मायने रखते हैं, सिर्फ पढ़-लिखकर कोई इंसान नहीं बनता।'

अंत में दो सवाल आपसे?

1. सरकारी अस्पतालों में दवाइयों का संकट होने के बाद भी सीजीएमएससी दवाओं का टेंडर फायनल क्यों नहीं कर पा रहा?
2. क्या ये सही है कि कई मंत्रियों के अनुभवहीन, कमजोर धनलोलुप होने से करप्शन का लेवल बढ़ गया है?

सीएमडीसी अफसर के बाद एक और अन्य के साथ हुई है चोरी के साथ ठगी की घटना

राजधानी में मोबाइल चोरी कर यूपीआई से रकम निकालने वाला गिरोह सक्रिय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी में मोबाइल चोरी कर यूपीआई पिन जनरेट कर रुपए निकालने वालों का गिरोह एक बार पुनः सक्रिय हो गया है। गिरोह ने तेलीबांधा के साथ गोलबाजार में सब्जी खरीदने गए एक व्यक्ति का मोबाइल चोरी कर उसके अकाउंट से यूपीआई पिन जनरेट कर 79 हजार रुपए आहरण कर ठगी का शिकार बनाया है।

■ 10 माह पूर्व इंटर स्टेट गिरोह के आधा दर्जन जालसाज पकड़े जा चुके

शेख निजामुद्दीन ने अज्ञात के खिलाफ मोबाइल चोरी कर यूपीआई जनरेट कर रुपए निकालने की शिकायत दर्ज कराई है। शेख निजामुद्दीन ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि वह 20 दिन पूर्व शास्त्री बाजार में अपनी पत्नी तथा बेटे के साथ सब्जी खरीदने गया था। इस दौरान किसी अज्ञात ने शेख निजामुद्दीन की जेब से मोबाइल चोरी कर रुपए आहरण कर लिया। मोबाइल चोरी होने के तत्काल बाद निजामुद्दीन ने संबंधित मोबाइल कंपनी के सर्विस सेंटर जाकर अपना सिम ब्लाक कराया। इसके बाद नया सिम अलाट कराने के बाद शेख निजामुद्दीन ने मोबाइल चालू किया। उसके तीन दिन बाद जालसाज ने रकम आहरण कर ठगी का शिकार बनाया।

पूर्व में हाईटेक गिरोह पकड़ा जा चुका है

मोबाइल चोरी कर यूपीआई से रकम उड़ाने वाला झारखंड-बंगाल के हाईटेक गिरोह के आधा दर्जन जालसाजों को पुलिस ने 10 माह पूर्व गिरफ्तार किया था। गिरोह से जुड़े लोग सब्जी बाजार, भीड़ वाले इलाकों से मोबाइल चोरी करते थे। इसके बाद तकनीकी विशेषज्ञों की मदद से पासवर्ड क्रैक करता था और यूपीआई के जरिए रकम अपने खातों में ट्रांसफर कर लेता था। गिरोह 3 लेयर में काम करता था, पहला ग्रुप चोरी करता था, दूसरा पैसे ट्रांसफर करता था और तीसरा एटीएम से पैसे निकालता था। पुलिस पड़ताल में खुलासा हुआ था कि गिरोह का सरगना बेरोजगार युवाओं को 25,000 रुपए प्रति माह की सैलरी पर मोबाइल चोरी के लिए ट्रेनिंग देता था।

सिम ब्लाक होने के बाद भी यूपीआई चालू रहता है

पुलिस के साइबर एक्सपर्ट के अनुसार सिम ब्लाक होने के बाद भी यूपीआई एक्टिवेट रहता है। सामने वाला जैसे ही नया सिम अलॉट कराता है। सिम चोरी करने वाला चोरी के मोबाइल से यूपीआई का नया पिन जनरेट कर लेता है और चोरी के मोबाइल के सिम से अपने अकाउंट में रकम ट्रांसफर कर लेता है। इस स्थिति में नया सिम अलॉट कराने के बाद मोबाइल होल्डर को सबसे पहले अपने यूपीआई पिन बदलना चाहिए, इससे वह ठगी का शिकार होने से बच सकता है। इसके साथ ही यूपीआई खोलने संबंधित सुरक्षा फीचर्स अपनाना चाहिए। इससे लोग ठगी का शिकार होने से बच सकते हैं। इसके साथ ही सिम ब्लॉक कराने के बाद अपने बैंक को भी सूचना दें, ताकि वे आपकी यूपीआई सेवाओं को अस्थायी रूप से रोक सके।

रायपुर से संचालित होने वाले विमानों में होगी कटौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

युद्ध के हालात और ईंधन के बढ़ते दामों की वजह से विमानन कंपनियों की फ्लाइट संख्या घटाने का असर रायपुर में भी पड़ने वाला है। आने वाले दिनों में एयर इंडिया अपनी दिल्ली-रायपुर की एक उड़ान कम कर सकती है। वहीं इंडिगो के लखनऊ-रायपुर-भुवनेश्वर और पुणे-रायपुर-चन्नई के फेरे के दिनों की संख्या कम हो सकती है।

■ इंडिगो लखनऊ-रायपुर-भुवनेश्वर, पुणे-रायपुर-चेन्नई की उड़ान घटाएगा

ईंधन के बढ़ते दामों की वजह से विमानन कंपनियों ने कुछ समय पहले अपने शुल्क में इजाफा किया था। हालात सुधरते नहीं दिखने पर उनके द्वारा उड़ानों की संख्या में भी कटौती जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। इंडिगो, एयर इंडिया के उड़ानों में होने वाली कटौती का असर आने वाले दिनों में रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से संचालित होने वाले विमानों पर भी होने के आसार हैं। सूत्रों के मुताबिक वर्तमान में दिल्ली-रायपुर-दिल्ली के बीच एयर इंडिया की तीन उड़ानों का संचालन किया जाता है। इनमें से दोपहर में आवाजाही करने वाली फ्लाइट बंद होने की संभावना है। इंडिगो भी इस सेक्टर की एक उड़ान घटा सकता है। इसी तरह अभी लखनऊ-रायपुर-भुवनेश्वर को जोड़ने वाली नियमित यानी सातों दिन संचालित होने वाली फ्लाइट 4 दिन आवाजाही करेगी। इंडिगो पुणे-रायपुर-चेन्नई के बीच भी सातों दिन आवाजाही करने वाली फ्लाइट का संचालन तीन दिन करेगी। इसी तरह आने वाले दिनों में क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत संचालित होने वाली रायपुर-जगदलपुर-हैदराबाद फ्लाइट पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

एयर इंडिया की दिल्ली की एक उड़ान कम होगी

बिस्किट फैक्ट्री में भीषण आग रावाभांठा इलाके में दहशत

रायपुर। रावाभांठा स्थित भारती फूड्स फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात भीषण आग लग गई। खबर लिखे जाने तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। हालांकि संबंधित अधिकारियों का कहना है कि स्थिति नियंत्रित है।

जानकारी के अनुसार, खम्तराई थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रावाभांठा स्थित भारती फूड्स में बिस्किट का निर्माण होता है। यहां शुक्रवार देर रात एक हिस्से में आग लग गई। देखते-देखते आग अन्य हिस्सों में भी पहुंच गई। फायर बिग्रेड और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाने की कोशिश करती रही। आग के भीषण होने के कारण कई घंटों की मशक्कत के बाद भी इसे पूरी तरह बुझाया नहीं जा सका।

चार करोड़ की क्षति

मेटन पार्क स्थित यह फूड फैक्ट्री भारती कोडवानी की बताई जा रही है। फैक्ट्री में बिस्किट निर्माण होता है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। आग की भीषणता को देखते हुए लगभग 4 करोड़ की हानि का अंदाजा लगाया जा रहा है। इनमें खाक हुई लगभग 1.5 करोड़ की मशीन शामिल है। करीब 2 करोड़ की बिस्किट खाक होने की भी बात कही जा रही है। मामले की जानकारी होते ही उरला थाना पुलिस समेत आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। किसी तरह की जनहानि की सूचना खबर लिखे जाने तक नहीं है।

जन्मदिन पर दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया युवक एनीकट में डूबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुजगहन थाना क्षेत्र के सातपाखर एनीकट में दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया एक युवक तैरते वक्त डूब गया। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पुलिस, गोताखोरों की टीम के साथ एनीकट में डूबे युवक की तलाश करने पहुंची। शाम को अंधेरा होने की वजह से गोताखोरों की टीम मौके से लौट आई। दूसरे दिन गोताखोरों की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन चलाएगी।

पुलिस के अनुसार गुढ़ियारी शुक्रवारी बाजार निवासी रूपेश कुमार देवांगन अपने अन्य पांच साथियों के साथ पिकनिक मनाने गया था। एनीकट में डूबे युवक के एक दोस्त के अनुसार दोपहर में जब सभी खाना खाने बैठे थे, इस दौरान रूपेश एनीकट में नहाने के लिए चला गया। मौके पर उपस्थित दोस्तों ने रूपेश को एनीकट में जाने से मना किया। दोस्तों की समझाइश को नजर अंदाज करते हुए रूपेश पानी की गहराई में तैरते हुए एनीकट की बाउंड्री छूने पहुंच गया।

जन्मदिन पर ले गया था पिकनिक मनाने

शुक्रवार को रूपेश का 19वां जन्मदिन था। अपने जन्मदिन पर वह अपने दोस्तों को पिकनिक मनाने सातपाखर ले गया था। रूपेश दो भाई बहनों में बड़ा था। रूपेश एक दोना-पत्तल बनाने वाले फैक्ट्री में काम करता था। घर की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उसने पढ़ाई करने के बजाय घर की आर्थिक स्थिति सुधारने काम करने लगा था। बताया जा रहा है, तीन-चार माह पूर्व से ही वह दोना-पत्तल बनाने वाली फैक्ट्री में काम करने जाने लगा था।

जंगल सफारी का सफर महंगा चुकानी होगी दोगुनी कीमत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नंदनवन जंगल सफारी जाने के लिए अब पहले से दोगुनी राशि खर्च करनी होगी। छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने जंगल सफारी के टिकट की कीमतों में वृद्धि की है। एंट्री टिकट के साथ सफारी राइड और दूसरी सुविधाएं भी महंगी हो गई हैं। जंगल सफारी के डायरेक्टर थेजस शेखर ने बढ़ी हुई कीमतों की पुष्टि की है। वन विभाग के अफसर का कहना है कि नई कीमतों से जंगल सफारी और जू की सुविधाओं को बेहतर बनाने और रखरखाव में मदद मिलेगी। कीमतों में वृद्धि के बाद पर्यटक सुविधाओं को भी बेहतर किया जाएगा। गौरतलब है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने जंगल सफारी का किराया कम किया था।

पहले जू का पैकेज जंगल सफारी टिकट में शामिल रहता था, जिसे बाद में पृथक किया गया। सीनियर सिटीजन और दिव्यांगजन को राहत दी गई है। 60 साल से ज्यादा उम्र के वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांगजनों की एंट्री पहले की तरह निःशुल्क रहेगी। इस छूट का लाभ उठाने के लिए उन्हें अपना वैध पहचान पत्र दिखाना होगा। हालांकि वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांगजनों को मिलने वाली निःशुल्क एंट्री की सुविधा वीकेंड, सार्वजनिक अवकाश और सरकारी छुट्टियों पर लागू नहीं होगी।

बस किराए की नई दर

6 से 12 साल तक के बच्चों के लिए साधारण बस के 100 रुपए, एसी बस के 150 रुपए और इलेक्ट्रिक बस के 175 रुपए चुकाने होंगे। वहीं 12 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों को साधारण बस के 150 रुपए, एसी बस के 200 रुपए और इलेक्ट्रिक बस के 250 रुपए देने होंगे। वहीं विदेशी पर्यटकों को साधारण बस के लिए 750 रुपए, एसी बस के लिए 1000 रुपए तथा इलेक्ट्रिक बस के लिए 1250 रुपए देने होंगे।

संबंधित बैच के उपयोग पर लगाई गई रोक, पैरासिटामाल मिसब्रांड

प्रसव पीड़ा बढ़ाने वाला ऑक्सीटोन इंजेक्शन सहित सर्दी-बुखार की चार दवाएं अमानक

रायपुर। गर्भवती महिलाओं का लेबर पेन बढ़ाने में उपयोग किए जाने वाले ऑक्सीटोन इंजेक्शन समेत सर्दी-बुखार की चार दवाएं जांच में अमानक पाई गई हैं। रिपोर्ट मिलने के बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने इन दवाओं के संबंधित बैच के उपयोग पर रोक लगा दी है।

ऑक्सीटोन इंजेक्शन का साइड इफेक्ट कोटा राजस्थान में हुआ था, वहीं पैरासिटामाल समेत अन्य दवाएं कालीबाड़ी लैब में जांच के दौरान मिसब्रांड पाई गईं। कोटा राजस्थान में पिछले दिनों पांच प्रसुताओं की मौत के बाद ऑक्सीटोन इंजेक्शन को जांच दायरे में लाया गया था। बाजार में उपलब्ध इस इंजेक्शन की एक बैच की जांच कराई गई और उसे गंभीर रूप से अमानक पाया गया था। इस आधार पर बैच नंबर आई-7881 के इंजेक्शन के उपयोग पर रोक लगाने का निर्देश जारी हुआ था। इस दौरान खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने समय-समय पर संदेह के आधार पर बाजार से जांच के लिए सर्दी-बुखार में उपयोग होने वाले पैरासिटामाल सहित कॉम्बिनेशन की दवा के सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजा था।

■ ऑक्सीटोन इंजेक्शन का राजस्थान में हुआ था प्रसूताओं को साइड इफेक्ट

संदिग्ध दवाओं के भंडारण पर विशेष नजर

खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक दीपक अग्रवाल ने सभी जिला औषधि नियंत्रण अधिकारियों को सतर्कता, निगरानी एवं त्वरित कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि संदिग्ध दवाओं के भंडारण, वितरण एवं विक्रय पर विशेष नजर रखी जाए और यदि उपलब्ध स्टॉक पाया जाए, तो तत्काल नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। औषधि विक्रेताओं, थोक वितरकों एवं चिकित्सालयों से अपील है कि वे उपरोक्त बैच संख्याओं की दवाओं की तत्काल जांच करें, उनका विक्रय एवं उपयोग रोकें तथा संबंधित जिला औषधि नियंत्रण कार्यालय को सूचित करें।

यह दवा अमानक

1. आक्सीटोसिन इंजेक्शन- गंभीर रूप से अमानक डीसीजीआई ने अमानक माना
2. नाक्पेन-पी टेबलेट- असेक्लोफेनेक एवं पैरासीटामाल बैच एमटी-250777 (उत्तराखंड)
3. फ्लामो स्टार-एपी टेबलेट्स- असेक्लोफेनेक एवं पैरासीटामाल टेबलेट्स बैच एसएआई-25029 (राजस्थान)
4. एसीएचई-पी टेबलेट्स- असेक्लोफेनेक एवं पैरासीटामाल टेबलेट्स बैच एलवी25डीटी-066बी (हिमाचल)
5. कोल्डजिया टेबलेट्स- बैच नंबर जीटी-25294ए (हिमाचल प्रदेश)

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

- रायपुर, बिलासपुर, धमतरी और राजिम के मंदिरों में विशेष व्यवस्था
- विशेष अनुष्ठान, प्रतिमाओं का ठंडे और गुलाब जल से अभिषेक

बिलासपुर

रायपुर

नवतपा का असरः भगवान के लिए लगे एसी-कूलर पहनाए जा रहे सूती वस्त्र, भोग-प्रसाद बदले गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर-लवकुश शुक्ला/बिलासपुर-तारणी शुक्ला/ धमतरी-यशवंत साहू/राजिम-श्याम किशोर शर्मा

नवतपा के चलते इन दिनों छत्तीसगढ़ में गर्मी पूरे शबाब पर है। भीषण गर्मी और तपा देने वाली धूप और उमस से न केवल आम जनमानस और पशु-पक्षी बेहाल हैं, बल्कि मंदिरों में भगवान को भी गर्मी से राहत दिलाने के लिए विशेष जतन किए जा रहे हैं। राजधानी रायपुर, बिलासपुर, धमतरी और राजिम के प्रमुख मंदिरों के गर्भगृह में एसी और कूलर लगाए गए हैं। वहीं, भगवान के पारंपरिक पहनावे से लेकर उनके भोग-प्रसाद में भी बड़े बदलाव किए गए हैं। अब प्रभु को रसदार शीतल फल और ठंडे पेय पदार्थों का नैवेद्य अर्पित किया जा रहा है। सूती वस्त्रों की पोषाक पहनायी जा रही है। मंदिर समिति के सदस्यों का कहना है कि मंदिर में भगवान को शीतलता प्रदान करने के लिए पूरी व्यवस्था ▶▶| शेष पेज 6 पर

धमतरी

धमतरीः देवालयों में एसी-कूलर

धमतरी के प्रसिद्ध बिलाईमाता मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष आनंद पवार ने बताया कि मंदिर में माता जी के समक्ष कूलर लगाया गया है, ताकि गर्मी के दिनों में शीतल वातावरण बना रहे। मठ मंदिर में हनुमान जी, राम-जानकी, दुर्गा माता एवं श्रीराम दरबार के समक्ष एसी की व्यवस्था ▶▶| शेष पेज 6 पर

भगवान श्री राजीव लोचन मंदिर में एसी-कूलर, दोपहर में नींबू-पुदीने का शरबत

राजिम। छत्तीसगढ़ का प्रयागराज कहलाने वाला पावन तीर्थ क्षेत्र राजिम इन दिनों भीषण गर्मी में भगवान को शीतलता पहुंचाने के लिए एसी और कूलर चल रहे हैं। भगवान के लिए दोपहर के समय विशेष शीतल भोग लगाया जाता है। दोपहर दो से तीन बजे के बीच भगवान को घसा जल जिसे नींबू ,पुदीना और शक्कर से तैयार शरबत बनाकर अर्पित किया जाता है। साथ ही भगवान सूती का वस्त्र का धारण कर रहे हैं। मंदिर के पुजारी राजेंद्र मनु ने बताया कि गर्मी को देखते हुए भगवान को मौसम के अनुरूप सेवा और भोग अर्पित करना सनातन परंपरा का हिस्सा है और इसी भावना के साथ यह व्यवस्था की गई है। मंदिर का पट प्रतिदिन सुबह ▶▶| शेष पेज 6 पर

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट* (75.00%) = ₹114621/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) = ₹139990/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) = ₹152813/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
aNaND Jewels
Pandri, Raipur

वक्त-वक्त की बात है... अभिषेक का 'राज' खत्म, तो पब्लिक ने कर दी पिटाई

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सोनारपुर इलाके में चुनाव बाद हिंसा के पीड़ितों के परिवारों से मिलने पहुंचे तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के साथ शनिवार को कथित तौर पर स्थानीय लोगों ने दुर्व्यवहार किया और उन पर अंडे, जूते तथा पत्थर फेंके गए। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद पर अज्ञात लोगों ने पत्थर, जूते और अंडे फेंके तथा उनको लात-घूंसे मारने की कोशिश भी की। इस दौरान उन्होंने 'चोर-चोर' के नारे भी लगाए। टेलीविजन पर प्रसारित वीडियो में बनर्जी को पुलिस की सुरक्षा में इलाके से बाहर ले जाते हुए देखा गया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा के लिए हेलमेट पहना हुआ था और उनकी कमीज फटी हुई थी। चुनाव बाद हुई हिंसा में जान गंवाने वाले एक व्यक्ति के परिवार से मुलाकात के दौरान बनर्जी ने कहा, ▶▶| शेष पेज 6 पर

- ममता के भतीजे को हेलमेट पहनाकर निकालना पड़ा

भाजपा ने किया किनारा

इस बीच, भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि यह घटना वर्षों से 'उत्पीड़न' झेल रहे स्थानीय लोगों के गुस्से का नतीजा हो सकती है। भट्टाचार्य ने पत्रकारों से कहा, 'भाजपा ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं है। लोकतंत्र में ऐसी घटना की उम्मीद नहीं की जा सकती।' उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं बता सकता कि पुलिस वहां क्यों नहीं थी, यह प्रशासन का मामला है। मैं पार्टी से हूं।

इधर, सीआईडी ने जारी किया अभिषेक को नोटिस

इधर, पश्चिम बंगाल के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी करके जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा है। यह नोटिस उन्हें विधानसभा सचिवालय को सौंपे गए उस पत्र में पार्टी विधायकों के जाली हस्ताक्षरों के कथित इस्तेमाल की जांच के सिलसिले में दिया गया है, जिसमें शोभनदेब चट्टोपाध्याय को नेता प्रतिपक्ष के रूप में समर्थन दिया गया था। सीआईडी सूत्रों के अनुसार, यह नोटिस उन्हें सोमवार दोपहर एजेंसी के भवानी भवन मुख्यालय में पूछताछ के लिए पेश होने का निर्देश देने वाला समन है।

गुटखा, खैनी, और गुड़ाखू का उपयोग बहुत ज्यादा, शहरों में सिगरेट के दीवाने अधिक

छत्तीसगढ़ में हर दूसरा पुरुष और हर चौथी महिला कर रही तंबाकू का सेवन

छत्तीसगढ़ में तंबाकू का नशा लोगों की सेहत को तेजी से खोखला कर रहा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण और ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे के आंकड़े बेहद चौंकाने वाले हैं। आंकड़ों के मुताबिक, छत्तीसगढ़ तंबाकू सेवन के मामले में देश के शीर्ष राज्यों में शुमार है।

छत्तीसगढ़ में 39 .1 फीसदी वयस्क तंबाकू का सेवन करते हैं, राष्ट्रीय औसत, 28 .4%

देश के औसत से बहुत ज्यादा

जिया कुरैशी/विकास शर्मा/ ललित राठोड़ ▶▶| रायपुर

राज्य में हर दूसरा पुरुष और हर चौथी महिला किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रही है। देश में कुल तंबाकू सेवन के मामले में छत्तीसगढ़ पुरुषों के मामले में छठवां और महिलाओं के मामले में सातवें पायदान पर है। महिलाओं के मामले में देश में सबसे गंभीर स्थिति है। आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ में जहां 53.7 प्रतिशत पुरुष तंबाकू के आदी हैं, वहीं 24.6 फीसदी महिलाएं भी इसका सेवन करती हैं। वहीं हमारे पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश में केवल 4.8 प्रतिशत महिलाएं ही तंबाकू का उपयोग करती हैं। वहीं उत्तर प्रदेश 6.7 फीसदी, बिहार में केवल 5 फीसदी महिलाएं तंबाकू का उपयोग कर रही हैं। छत्तीसगढ़ की महिलाओं में तंबाकू का सेवन 4 से 5 गुना अधिक है। राज्य में सिगरेट या बीड़ी के मुकाबले धुआंरहित तंबाकू ,जैसे गुटका, खैनी और दांत-मसूड़ों पर मला ▶▶| शेष पेज 6 पर

विश्व तंबाकू निषेध दिवस विशेष

इन राज्यों की महिलाएं-पुरुष खाती हैं सर्वाधिक तंबाकू

महिलाएं	पुरुषों
मिजोरम- 61.6 फीसदी	मिजोरम - 72.9 फीसदी
त्रिपुरा - 50.4 फीसदी	अंडमान और निकोबार - 58.7 फीसदी
मणिपुर - 43.1 फीसदी	मणिपुर - 58.1 फीसदी
अंडमान और निकोबार - 31.3 फीसदी	मेघालय - 57.7 फीसदी
मेघालय - 28.2 फीसदी	त्रिपुरा - 56.9 फीसदी
ओडिशा - 26 फीसदी	छत्तीसगढ़ - 53.7 फीसदी
छत्तीसगढ़ - 24.6	असम - 51.8 फीसदी

छत्तीसगढ़ में हर साल 20 हजार को कैंसर, 40 फीसदी की वजह सिर्फ तंबाकू-गुड़ाखू

छत्तीसगढ़ में हर साल लगभग 20 हजार से 25 हजार नए कैंसर मरीज सामने आते हैं। इनमें से मुंह और गले के कैंसर वाले मरीज सबसे ज्यादा हैं। छत्तीसगढ़ में पुरुषों में होने वाले कुल कैंसर में से लगभग 35 फीसदी से 40 फीसदी मामले केवल ओरल कैंसर यानी मुंह, जीभ और गले के कैंसर के होते हैं। इसका सीधा संबंध गुटका, खैनी और विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में 'गुड़ाखू' के अंधाधुंध इस्तेमाल से है। महिलाओं में मुंह के कैंसर के मामले तेजी से बढ़े हैं। पंडित जेएनएम मेडिकल कालेज के क्षेत्रीय कैंसर ▶▶| शेष पेज 6 पर

होता है और भी खतरा...

तंबाकू के सेवन से कैंसर के अलावा हृदय, फेफड़ों की गंभीर बीमारियां, रक्त वाहिकाओं का सिकुड़ना, स्ट्रोक, दांत व मसूड़ों की सड़न, पाचन तंत्र की समस्याएं और ▶▶| शेष पेज 6 पर

खैनी खाने वालों की संख्या में 30 फीसदी का इजाफा

दुकानदारों के आंकड़ों के मुताबिक हर साल खैनी खाने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। गुढ़ियारी स्थित एक दुकानदार ने बताया कि दो साल पहले तक महीने में लगभग 10 किलो खैनी की बिक्री होती थी, जो अब बढ़कर 40 किलो तक पहुंच गई है। रोजाना और थोक में खैनी खरीदने वालों की संख्या में बीते कुछ समय में 30 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

दुकानदारों पर नहीं होती कठोर कार्रवाई, छूट जाते हैं मामूली जुर्माने में

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड एक्ट 2006 के तहत प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदार को 6 महीने की सजा और 5 लाख रुपए तक के जुर्माने का कड़ा प्रावधान है। लेकिन राजधानी में प्रशासन की कार्रवाई सिर्फ मामूली जुर्माना वसूलने तक सीमित है। जेल की सजा या दुकान सील करने जैसी कोई सख्त कार्रवाई नहीं होने के कारण दुकानदारों के हौसले बुलंद हैं और शहर में खुलेआम इसकी अवैध बिक्री जारी है।

100 से अधिक पैकेट की बिक्री

दुकानदार ने बताया कि दिनभर में 100 से अधिक पैकेट आसानी से बिक जाते हैं। 10 ग्राम खैनी की पुड़िया की कीमत 20 से 50 रुपए तक वसूली जा रही है। शाम के वक्त स्टेशन रोड पर गोगो की बिक्री भी काफी बढ़ जाती है। इसके अलावा राजेंद्र नगर, कांदूल और गुढ़ियारी जैसे इलाकों में भी दुकानदार खुद बिहार की खैनी के पैकेट बनाकर 10 से 30 रुपए में बेच रहे हैं।

कार्रवाई के अभाव में बेखौफ बिक रहे प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद

ठेलों में धड़ल्ले से बिक रहा 'कैंसर' शहर में खैनी-गुटखे का कारोबार

खैनी, गुटखा और अन्य तंबाकू उत्पाद कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के मुख्य कारणों में शामिल हैं। इसी वजह से इनकी खुले बाजार में बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध है, लेकिन राजधानी में यह प्रतिबंध सिर्फ कागजों तक सीमित है। सख्त कार्रवाई के अभाव में गलियों की छोटी दुकानों से लेकर ▶▶| शेष पेज 6 पर

नियमों की उड़ रही धज्जियां नदारद हैं चेतावनी बोर्ड

नियमानुसार तंबाकू उत्पाद बेचने वाली दुकानों पर तंबाकू से कैंसर होता है की चेतावनी वाला बोर्ड लगाना अनिवार्य है। लेकिन शहर के 90 प्रतिशत ▶▶| शेष पेज 6 पर

आंधी-बारिश से गिरे पेड़ के नीचे दबने से तीन बच्चों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

जिले के पाली ब्लाक अंतर्गत आने वाले ग्राम सपलवा के आश्रित गांव टोडगाडांड में शाम 5 बजे तेज आंधी बारिश से पेड़ के नीचे खड़े तीन बच्चों की मौत पेड़ गिरने से हो गई। मामले की जानकारी राजस्व विभाग को दी गई है। मौसम में दोपहर 3 बजे के बाद आए अचानक बदलाव का असर जिले के शहर व ग्रामीण अंचलों में व्यापक रूप में नजर आया। शहर व ग्रामीण अंचलों में जमकर बारिश हुई। तेज आंधी व बारिश की वजह से कई स्थानों में पेड़ के गिरने व बिजली के तार टूटने की घटना के साथ पाली ब्लाक अंतर्गत 3 बच्चों की ▶▶| शेष पेज 6 पर

- पाली ब्लाक के ग्राम सपलवा के आश्रित गांव टोडगाडांड की घटना

इनकी हुई मौत

- कमलेश उम्र 17 साल पिता समर साय
- शिव टेकाम उम्र 15 साल पिता ओसामर सिंह,
- इदरिस तिर्की उम्र 17 साल पिता ओमप्रकाश

आईपीएल फाइनल आज

पांच वर्षों में तीसरी बार फाइनल का टिकट पक्का किया टाइटंस ने

आक्रामक आरसीबी का लक्ष्य लगातार दूसरी ट्रॉफी, गुजरात टाइटंस से टक्कर

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का फाइनल मैच रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। फैंस इस मुकाबले को लेकर काफी उत्सुक हैं।

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच रविवार को अहमदाबाद में आईपीएल 2026 का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। दोनों ही टीमें दूसरी बार आईपीएल की ट्रॉफी को अपने नाम करने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी। फाइनल मुकाबला शाम 7.30 बजे से शुरू होगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के सपने को पूरा करने के लिए रविवार को मैदान में उतरेगी तो उसके सामने गुजरात टाइटंस की कड़ी चुनौती होगी, जिससे इस मुकाबले में दो अलग-अलग खेल शैलियों की टक्कर देखने को मिलेगी। आरसीबी ने अपने आक्रामक और बेखौफ अंदाज से टूर्नामेंट में दबदबा कायम किया है, तो वहीं टाइटंस ने धैर्य और संयमित खेल से प्रभावित करते हुए पांच वर्षों में तीसरी बार फाइनल का टिकट पक्का किया है। कागजों पर ▶▶| शेष पेज 6 पर

अहमदाबाद में खेला जाएगा फाइनल

आईपीएल 2026 का फाइनल मैच 31 मई 2026, रविवार को खेला जाएगा. यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा, जो गुजरात टाइटंस का होम ग्राउंड भी है।

6 बजे शुरू होगा समारोह

आईपीएल फाइनल मैच से पहले क्लोजिंग सेरेमनी होगी। समापन समारोह शाम को 6 बजे से शुरू हो सकता है। रजत पाटीदार और शुभमन गिल टॉस के लिए 6:55 पर आएंगे, टॉस शाम 7 बजे होगा। आरसीबी वर्सेस जीटी फाइनल मैच शाम को 7:30 बजे से शुरू होगा।

इधर, विमान किराया 35 हजार तक महंगा, होटल एक रात का 36 हजार

आईपीएल का फाइनल मैच रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच अहमदाबाद में खेला जाएगा। मुकाबला शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। अगर आप भी इस मैच को देखने के लिए फ्लाइट से अहमदाबाद जाना चाहते हैं, तो आपको 17,000 से 35,000 रुपए तक किराया ज्यादा चुकाना होगा। वहीं अहमदाबाद में बड़े होटलों का एक रात का किराया भी 36,000 रुपए तक पहुंच गया है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दोनों टीमों के पास दूसरी बार टाइटल जीतने का मौका है। बेंगलुरु ने पिछले साल पहला खिताब जीता था।

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN
SAAT-2026
Empowering students for a brighter future
MANAGEMENT PROGRAMMES
- BBA
- MBA
- Integrated MBA
- MBA (Hospital Administration)
- MBA (Artificial Intelligence and Data Science)
APPROVAL & RECOGNITIONS
- Approved by UGC and AICTE
- Re-accredited by NAAC with A++ Grade
- Granted with Category-1 Graded Autonomy by UGC
- NBA Accredited Programmes
NIRF INDIA RANKINGS 2025
- 15th Best in University Category
- 66th Best in Management Category
INTERNATIONAL RANKINGS 2026
- Ranked in QS World Rankings 2026
- Ranked in Times World Rankings 2026
To apply for admission through SAAT, Please visit: www.soa.ac.in

अल नीनो एक मौसमी घटना है जो प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के गर्म होने से उत्पन्न होती है यह आमतौर पर भारतीय मानसून को कमजोर करती है, जिससे बारिश कम होने की आशंका बनी रहती है। दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं कमजोर होने से भयानक सूखा आता है। स्वाभाविक ही खरीफ की फसलों जैसे धान, सोयाबीन, मक्का आदि को भारी नुकसान होता है। इस कारण खाद्यान्न की कमी और इसके साथ सब्जियां, फल आदि महंगे होते हैं। अर्थशास्त्र में इसे खाद्य मुद्रास्फीति का बढ़ना कहा जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में अन्य मौसमी कारकों (जैसे 'इंडियन ओशन डायपोल') की सक्रियता के कारण भारत पर अल नीनो का सीधा और विनाशकारी प्रभाव कम हो गया है। फिर भी हमें इसके दुष्प्रभावों के प्रति सचेत रहना होगा। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज़्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना होगा। जल संरक्षण, पौधरोपण और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

अल नीनो : भारत पर प्रभाव की आशंका कम

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

हमारे देश में अल-नीनो प्रभाव की आशंकाएं पैदा हुई है। पश्चिम एशिया तनाव के कारण पहले से ही समस्या है और अल नीनो आ गया तो कृषि पर दोहरी मार पड़ सकती है। मौसम वैज्ञानिक इसका विश्लेषण इस तरह करते हैं कि अल-नीनो से पूरब में ऊपर उठती और पश्चिम में नीचे बैठती हवा की प्रक्रिया से भारत पर निचला दबाव बढ़ता है। इससे बादल नहीं बन पाते, लेकिन जब इसकी दिशा दक्षिण-पूर्व की ओर हो जाए तो भारत पर प्रभाव ज्यादा नहीं होता। वैसे भी वायुमंडल की गर्मी के कारण मौसम की स्थितियां बदल रही हैं और यह कब कहां क्या रूप लेगा इसकी सटीक भविष्यवाणी पहले से ज्यादा कठिन हो गई है, लेकिन इस तरह हवा पानी की धारा में परिवर्तन और उनसे गर्मी और ठंड क्यों उत्पन्न होती है, इसका विश्लेषण कोई नहीं करता।

फिर एक बार हमारे देश में अल-नीनो प्रभाव की आशंकाएं पैदा हुई है। पश्चिम एशिया तनाव के कारण पहले से ही समस्या है और अल नीनो आ गया तो कृषि पर दोहरी मार पड़ सकती है। हालांकि जैसा कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अभी मौसम विभाग का अंतिम अनुमान नहीं आया है, लेकिन अल नीनो से फसलों पर कोई बुरा असर न पड़े, इसको लेकर पूरी तैयारी की जा रही है। इसके अनुसार हम बीज की व्यवस्था कर रहे हैं। यानी जिस राज्य की जैसी आवश्यकता होगी, जो स्थिति होगी, उनके अनुसार काम किया जाएगा। कृषि मंत्री के आश्वासन से निश्चित रूप से देश को थोड़ी राहत मिली है। किंतु मनुष्य की कोई भी व्यवस्था प्रकृति के प्रकोप के समक्ष कमजोर होती है, इसलिए सबकी कामना होगी कि भारत अल नीनो के नकारात्मक प्रभाव से मुक्त रहे।

पहले समझें कि अल नीनो है क्या? अल नीनो स्पेनिश भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है, छोटा बच्चा। इसके अर्थ पर मत जाइए। सामान्य भाषा में कहें तो अल-नीनो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय क्षेत्र पर फैली गर्मी के कारण होता है। यानी प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी भाग या पेरू के निकट समुद्री तट और पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। यानि समान तापमान से चार-पांच डिग्री अधिक। यही अल नीनो है।

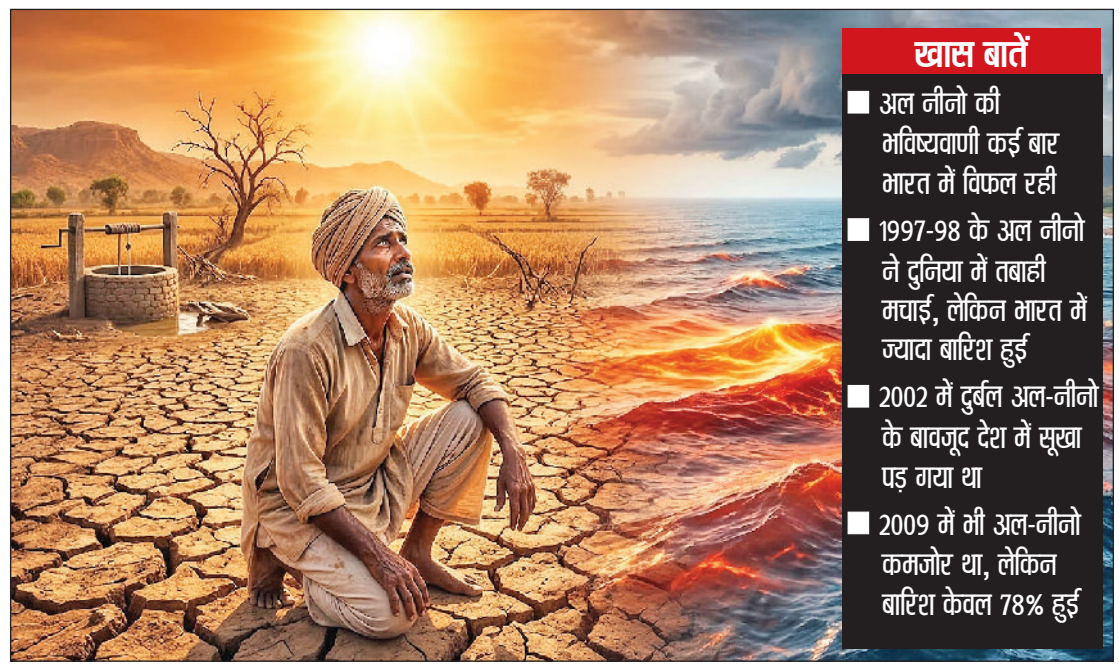

खास बातें

- अल नीनो की भविष्यवाणी कई बार भारत में विफल रही
- 1997-98 के अल नीनो ने दुनिया में तबाही मचाई, लेकिन भारत में ज्यादा बारिश हुई
- 2002 में दुर्बल अल-नीनो के बावजूद देश में सूखा पड़ गया था
- 2009 में भी अल-नीनो कमजोर था, लेकिन बारिश केवल 78% हुई

मौसम प्रणालियों का संतुलन

इस गर्मी से समुद्र में चल रही हवाओं के रास्ते और रफ्तार में बदलाव आता है और विश्व भर की मौसम प्रणालियों का संतुलन बिगड़ जाता है। इससे भारत में मानसून कमजोर होने, कम बारिश और भीषण गर्मी की स्थिति उत्पन्न होती है। हम न भूलें कि वैज्ञानिक को जो कुछ उस दौरान अध्ययनों से दिखाई देता है, केवल उसे सामने लाते हैं। प्रकृति के संपूर्ण रहस्य को न कोई समझ पाया और न समझ सकता है। इसीलिए विश्व में अब नास्तिकों और अनिश्वरवादियों की संख्या कम हो चुकी है। सभी प्राकृतिक घटनाओं के पीछे केवल वैज्ञानिक कारण देखने की जगह अधिकांश ब्रह्मांड के नियंता के प्रभाव के रूप में देखते-समझते हैं। वर्तमान मानव सभ्यता के सच्चे इतिहास को देखते हुए यही दिशा उचित है। अल नीनो कैसे प्रभाव डालता है? वस्तुतः व्यापारिक हवाएं समान्यतः पूर्व से पश्चिम की ओर चलती हैं और गर्म पानी को ऑस्ट्रेलिया और एशिया की तरफ ले जाती रहती है। अल नीनो के समय ये हवाएं या तो कमजोर हो जाती हैं या उल्टी दिशा में बहने के कारण, गर्म पानी वापस अमेरिका और पेरू के तटों की ओर जाती हैं। इस कारण पूर्वी प्रशांत महासागर का तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है। प्रशांत महासागर के तापमान से वैश्विक मौसम प्रभावित होता है।

खरीफ फसलों को नुकसान

इससे गर्मी बढ़ने और उसके परिणामस्वरूप कहीं भयंकर सूखा तो कहीं अत्यधिक बारिश और बाढ़ होती है। ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, और भारत सहित दक्षिणी एशिया के कुछ क्षेत्रों में वर्षा कम होती है और सूखे की स्थिति बनती है। दूसरी ओर दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र के तटीय इलाके यानी पेरू जैसे देश में अत्यधिक बारिश और बाढ़ जैसी स्थितियां पैदा हो जाती हैं। भारत की दृष्टि से विचार करें तो अल नीनो के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं कमजोर हो जाने से भयानक सूखा आता है। स्वाभाविक ही खरीफ की फसलों जैसे धान, सोयाबीन, मक्का आदि को भारी नुकसान होता है। इस कारण खाद्यान्न की कमी और इसके साथ सब्जियां, फल आदि महंगे होते हैं। अर्थशास्त्र में इसे खाद्य मुद्रास्फीति का बढ़ना कहा जाता है। गर्मी के समय तापमान बढ़ जाए तो फिर इसकी चपेट में मनुष्य, पशु-पक्षी और वनस्पति सब आते हैं। अल नीनो के विपरीत भी स्थिति होती है जिसे ला नीना कहा जाता है। इसमें प्रशांत महासागर का जल सामान्य से अधिक ठंडा हो जाता है और भारत में जबरदस्त बारिश की स्थिति बनती है। भारत में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून ही अर्थव्यवस्था और कृषि का आधार है। 1951 से 2022 के बीच के आंकड़े बताते हैं कि अपवादों को छोड़ अल नीनो वाले वर्षों में बारिश औसत से 60% तक कम हुई।

कई बार विफल रहीं भविष्यवाणी

1871 के बाद से जब-जब भयंकर सूखा पड़ा, अल नीनो उसके साथ जुड़ा था। हालांकि कई बार सशक्त अल नीनो के बावजूद हमारे देश में सामान्य या औसत से अधिक बारिश भी हुई। वास्तव में अल नीनो की भविष्यवाणी कई बार भारत में विफल रही। कम से कम 1997-98, 1983 और 1994 में मजबूत अल-नीनो होने के बावजूद मौसम को लेकर वैज्ञानिकों की भविष्यवाणी सही साबित नहीं हुई। 1997-98 के अल नीनो ने दुनिया भर में तबाही मचाई, लेकिन हमारे यहां मानसून में औसत से ज्यादा बारिश हुई।

मौसम वैज्ञानिक इसका कारण सकारात्मक हिन्द महासागर द्विध्रुव या पॉजिटिव इंडियन ओशन डिपोल आईओडी बताते। इसमें पश्चिमी हिंद महासागर गर्म और पूर्वी भाग ठंडा होता है, तो यह अल-नीनो के नकारात्मक प्रभाव को कम कर देता है। यही हुआ। इसके पहले 1983 में भी अल-नीनो ने विश्व के लिए समस्याएं पैदा की लेकिन भारत में औसत से अधिक बारिश हुई। यही स्थिति 1994 और 2006 में हुई। हालांकि 2006 में अल-नीनो काफी दुर्बल था। इस मामले में भी विपरीत स्थितियां हुई। उदाहरण के लिए 2002 में दुर्बल अल-नीनो के बावजूद सूखा पड़ गया। 2009 में भी अल-नीनो कमजोर था, लेकिन बारिश केवल 78% हुई और सूखा पड़ा।

हमें रहना होगा अलर्ट

कारण वही, जिसकी हमने ऊपर चर्चा की। यानी प्रशांत महासागर का पूर्वी हिस्सा ठंडा होने और अन्य मौसमी स्थितियों ने मानसून को ताकत दी। पिछले सात दशकों में 17 प्रमुख अल-नीनो में से 5 में भारत में सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा हुई। सभी अल नीनो में सूखे की भविष्यवाणी की गई थी। मौसम वैज्ञानिक कहते हैं कि अल-नीनो से पूरब में ऊपर उठती और पश्चिम में नीचे बैठती हवा की प्रक्रिया से भारत पर निचला दबाव बढ़ता है। इससे बादल नहीं बन पाते, लेकिन जब इसकी दिशा दक्षिण-पूर्व की ओर हो जाए तो भारत पर प्रभाव ज्यादा नहीं होता। हमारे सामने अल नीनो के बीच सामान्य बारिश होने और बेहतर फसल का रिकॉर्ड है तो कुछ सूखे का भी। सूखे का रिकॉर्ड हमारा कम है। बावजूद निश्चयात्मक रूप से नहीं कह सकते कि अल नीनो आया तो क्या होगा? सरकार के साथ सेवा क्षेत्र में काम करने वाले संगठन समूह भी अपनी तैयारी रखें।

ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सिंचाई व्यवस्था जरूरी

चुनौती

उमेश चतुर्वेदी

स्वतंत्र पत्रकार

साल 2026 में प्रशांत महासागर में सक्रिय 'अल नीनो' का साया भारत के कृषि क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अपने संशोधित पूर्वानुमान के अनुसार, इस वर्ष मानसून सामान्य से कम रहने की आशंका जताई है। नए पूर्वानुमान के अनुसार, इस साल औसत से करीब दस फ़ीसद कम बारिश होने की आशंका है। भारत में, जहां कृषि अभी- भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है, उसके लिए मानसूनी बारिश की कमी और भीषण सूखा एक तरह से विपत्ति का ही द्योतक है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सिंचाई का भी प्रबंधन किया जाए। भारत की करीब साठ प्रतिशत आबादी अब भी सीधे तौर पर खेती-किसानी पर निर्भर है। सूखे की मार की वजह से इस बड़ी आबादी के सामने सहज तरीके से रोजी-रोटी का संकट उठ खड़ा होगा। इससे बचाव के लिए जरूरी होगा कि सिंचाई के ऐसे साधनों और तकनीक को अपनाया जाए, जिनके जरिए पानी को बचाया जा सके और तुलनात्मक रूप से ज़्यादा पैदावार ली जा सके।

भारत में भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम

अल नीनो का दूसरा अर्थ है, कम वर्षा और भीषण सूखा। इस परिस्थिति में भारत में सिंचाई साधनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, जिनसे न केवल फसलों का बचाव हो सके, बल्कि खाद्य सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जा सके। जहां तक भारत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह भूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूंकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। वर्षा की कमी के कारण भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम होता है, जिससे भूजल स्तर और नीचे चला जाता है। वैसे भी उत्तर भारत के कई हिस्सों में पहले से ही भूजल स्तर काफ़ी नीचे चला गया है। इसलिए सूखे की स्थिति विशेषकर उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के लिए बहुत खतरनाक है। अल नीनो के चलते इस साल वर्षों पहले बने बांधों और जलाशयों में पानी का भंडारण सामान्य से कम होने की आशंका है। इस पानी का इस्तेमाल ज्यादातर रबी फसलों के लिए होता है।

जहां तक भारत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह भूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूंकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है।

पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय

जब पानी कम होगा तो रबी फसलों की सिंचाई के लिए कम उपलब्ध होगा। अल नीनो के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों के सूखे की चपेट में आना स्वाभाविक है। इसकी वजह से पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय है। इससे फसलों की बुवाई में देरी हो सकती है और फसलों की बुआई के लिए अतिरिक्त सिंचाई की आवश्यकता पड़ेगी। इसके लिए भूजल की आवश्यकता होगी और उसे चूंकि ट्यूबवेल से निकाला जाएगा, लिहाजा बिजली की मांग बढ़ेगी। इसके लिए सिंचाई के दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है। इसके लिए जरूरी हो जाता है कि किसानों को कम पानी की जरूरत वाली फसलों, जैसे बाजरा, मूँग, अरहर, मक्का आदि को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपाय को अपनाने की बात भी की है। सरकार की ओर से इस संबंध में किसानों को तैयार भी किया जा रहा है। इसके तहत मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए पौधों की जड़ों के आसपास सूखी पत्तियों या प्लास्टिक की शीट की परत बिछाने का सुझाव दिया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, देशी पौधों को आमतौर पर बढ़ने के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है या वे अन्य प्रकार की घासों, पेड़ों और झाड़ियों की तुलना में उपलब्ध पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि किसान और बागवानी करने वाले लोग अपने बगीचों या यहां तक कि अपने व्यवसायों के सामने भी पत्थरों या अन्य प्रकार के भू-आवरण का उपयोग करके रचनात्मक तरीके से पानी को बचा सकते हैं ।

रासायनिक खाद के उपयोग वाली फसलों से बचें

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार शुष्क बागवानी के मूल सिद्धांत हैं कि पौधों की आवश्यकता के अनुसार ही पानी का उपयोग किया जाए और ऐसी बागवानी डिजाइन और पौधों का चयन किया जाए जो उपलब्ध वर्षा जल का उपयोग कर सकें। इसके साथ ही ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई व्यवस्था को भी अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे पानी की खपत को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही खेत के तालाबों और जल संचयन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो सूखे की हालत में सिंचाई की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। किसानों को जरूरत के हिसाब से खेत के उन क्षेत्रों में सिंचाई किया जाना होगा, जिसे पानी की जरूरत ज़्यादा हो। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज़्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

जलसंरक्षण और पौधरोपण पर दें ध्यान

व्यवस्था

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

कल्पना कीजिए, मानसून आया ही नहीं। खेत सूखे पड़े हैं, किसान चिंतित हैं और बाजार में सब्जियों-अनाज के दाम आसमान छू रहे हैं। यह कोई फिल्मी सीन नहीं, बल्कि अल नीनो के दौरान भारत में कई बार हो चुकी सच्चाई है। अल नीनो एक प्राकृतिक घटना है। इसमें प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र का पानी अचानक गर्म हो जाता है। भारत में इसका सबसे ज्यादा असर दक्षिण-पश्चिम मानसून पर पड़ता है। बारिश कम होती है, सूखा पड़ता है, फसलें बर्बाद होती हैं और गर्मी और बढ़ जाती है। 2015-16 में जब मजबूत अल नीनो आया था, तब देश के कई राज्यों में भारी सूखा पड़ा। किसानों की फसलें सूख गईं, पानी की किल्लत हुई और खाद्य सुरक्षा पर संकट आ गया। अब जलवायु परिवर्तन के कारण अल नीनो और भी ताकतवर हो सकता है। ऐसे में सवाल यह है कि इसके असर को कैसे कम किया जाए?

चेतावनी पहले, नुकसान बाद में

सबसे जरूरी है सही समय पर चेतावनी मिलना। भारतीय मौसम विभाग अमेरिका के राष्ट्रीय समुद्री एवं वायुमंडलीय प्रशासन के साथ मिलकर अल नीनो की निगरानी करता है। सैटेलाइट, समुद्र में लगे बुओय और कंप्यूटर मॉडल की मदद से कई महीने पहले पता चल जाता है कि अल नीनो आ रहा है या नहीं। बुओय समुद्र में तैरने वाला एक विशेष उपकरण होता है। यह एक प्रकार की 'तैरती निगरानी मशीन' है जो महासागर के बीच में लगाई जाती है। अगर किसान को पहले पता चल जाए कि इस साल बारिश कम होगी, तो वह अपनी फसल की योजना बदल सकता है।

भारत में आधी से ज्यादा आबादी अभी भी खेती पर निर्भर है। इसलिए कृषि को अल नीनो की मार से बचाना सबसे बड़ा चुनौती है। किसान सूखा सहन करने वाली फसलें बो सकते हैं। जैसे बाजरा, रागी, ज्वार और कुछ खास किस्मों के चावल व गेहूं। एक ही फसल पर निर्भर रहने की बजाय कई तरह की फसलें उगानी चाहिए। ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई से पानी की बचत 40 से 60 प्रतिशत तक हो सकती है। खेतों में वर्षा जल संचयन, चेक डैम और फार्म पॉन्ड बनाकर पानी को रोकना और भूजल बढ़ाना चाहिए। अल नीनो सूखे का सबसे बड़ा कारण बनता है। इसलिए जल प्रबंधन को लेकर अब गंभीर कदम उठाने पड़ेंगे। नदियों के पूरे क्षेत्र में पानी का बेहतर प्रबंधन, भूजल का संरक्षण और गंदे पानी का दोबारा इस्तेमाल जरूरी है। शहरों में वर्षा जल संचयन को कानून से अनिवार्य बनाना चाहिए। वन और पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि पेड़ लगाना अल नीनो से लड़ने का सबसे सस्ता और असरदार तरीका है। पेड़ हवा में नमी बढ़ाते हैं, स्थानीय बारिश को बढ़ावा देते हैं और मिट्टी को कटने से बचाते हैं।

किसान सूखा सहन करने वाली फसलें बो सकते हैं। जैसे बाजरा, रागी, ज्वार और कुछ खास किस्मों के चावल व गेहूं। एक ही फसल पर निर्भर रहने की बजाय कई तरह की फसलें उगानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई से पानी की बचत 40 से 60 प्रतिशत तक हो सकती है।

आपदा से पहले तैयारी जरूरी

अल नीनो सिर्फ सूखा नहीं लाता, बल्कि कभी-कभी भारी बारिश, बाढ़, जंगल की आग और बीमारियां (मलेरिया, डेंगू) भी बढ़ा देता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को और मजबूत बनाने की जरूरत है। गांव-गांव में समुदाय आधारित प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली होनी चाहिए। हर गांव में सूखा प्रबंधन योजना, फसल बीमा और आपात अनाज भंडारण तैयार रखना चाहिए। सरकार को लंबी अवधि की नीतियां बनानी होंगी। कृषि, जल संसाधन और विज्ञान मंत्रालयों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) और विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) जैसे मंचों पर सहयोग बढ़ाना चाहिए।विकसित देशों से बेहतर तकनीक और फंडिंग भी लानी होगी। छोटे किसानों को सब्सिडी, सस्ता कर्ज और प्रशिक्षण देना जरूरी है। मनरेगा को जल संरक्षण के कामों से जोड़ें। महिलाओं और आदिवासी समुदायों को खास ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि वे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिग डेटा और स्मार्ट सेंसर वाली खेती भविष्य की राह हो सकती है।

पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनें

अल नीनो को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, लेकिन इसके असर को निश्चित रूप से कम किया जा सकता है। एक बात जाने लें कि हर नागरिक को पानी बचाने, पेड़ लगाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। अगर आज हम सही कदम उठाएंगे, तो कल हमारे बच्चे अल नीनो जैसी चुनौतियों से कम डरेंगे।

आधुनिक कृषि तकनीकों से बढ़ेगी पैदावार

उत्पादन

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

भीषण गर्मी के लंबे दौर के बाद देश के कुछ हिस्सों में भले ही छिटपुट बारिश शुरू हो गई हो, लेकिन लगातार बढ़ते तापमान ने कृषि क्षेत्र की चिंताओं को कम नहीं किया है। कई राज्यों में जमीन की नमी तेजी से घट रही है और कुछ क्षेत्रों में सूखे जैसी परिस्थितियां बनने लगी हैं। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि यही स्थिति आगे भी बनी रही, तो इसका सीधा असर खेती-किसानी, जल संसाधनों और प्राकृतिक हरियाली पर पड़ सकता है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहता। यहां अल नीनो का संबंध अक्सर कमजोर मानसून और कम वर्षा से जोड़ा जाता है। यही वजह है कि जब भी अल नीनो सक्रिय होता है, किसानों और कृषि विशेषज्ञों की चिंता बढ़ जाती है। भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां आज भी करोड़ों लोगों की आजीविका खेती पर निर्भर है। हालांकि सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ है, लेकिन देश का एक बड़ा कृषि क्षेत्र अब भी मानसून की बारिश पर ही निर्भर है।

अच्छी बरसात पर निर्भर फसलें

ऐसे में मानसून का सामान्य रहना किसानों के लिए जीवन-रेखा के समान है। यदि समय पर पर्याप्त वर्षा हो जाए तो फसलों की पैदावार अच्छी होती है, लेकिन बारिश कम होने पर उत्पादन प्रभावित होना तय है। भारत में सामान्य रूप से जून से सितंबर के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय रहता है और इसी अवधि में देश की अधिकांश वार्षिक वर्षा होती है। धान, मक्का, सोयाबीन, कपास, गन्ना और विभिन्न प्रकार की दालें जैसी प्रमुख फसलें मानसूनी बारिश पर काफी हद तक निर्भर करती हैं। यदि मानसून कमजोर पड़ जाए या बारिश का वितरण असमान हो, तो फसलों की वृद्धि प्रभावित होती है और उत्पादन में गिरावट आने लगती है। इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ता है। अल नीनो को आसान भाषा में समझें तो मान लीजिए आपके घर में एक बड़ा पानी का टैंक है। यदि उसका पानी अचानक सामान्य से अधिक गर्म हो जाए, तो उसके आसपास का वातावरण भी प्रभावित होने लगेगा। ठीक इसी तरह जब समुद्र का पानी गर्म होता है, तो हवा, बादलों और वर्षा के तौर-तरीके में बदलाव आने लगता है।

फलस्वरूप, कई क्षेत्रों में बारिश कम हो जाती है और तापमान बढ़ जाता है। यही स्थिति मानसून को कमजोर कर सकती है। इसका प्रभाव केवल खेतों तक सीमित नहीं रहता। यदि किसी क्षेत्र में सामान्य वर्षों की तुलना में कम बारिश होती है, तो मिट्टी में नमी की कमी हो जाती है। किसानों को बुवाई में देरी करनी पड़ सकती है या कई बार दोबारा बुवाई करनी पड़ती है। इससे उनकी लागत बढ़ती है और जोखिम भी। जलाशयों, तालाबों और भूजल स्तर पर भी इसका असर दिखाई देता है।

मौसम और जलवायु विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज वैज्ञानिक और मौसम विभाग अल-नीनो की संभावित स्थिति का पहले से अनुमान लगाने में काफी हद तक सक्षम हैं। निस्संदेह भारत की कृषि व्यवस्था आज भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है।

कृषि उत्पादन में कमी

कई इलाकों में पशुपालन और पेयजल व्यवस्था तक प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अल नीनो वाले वर्षों में कृषि उत्पादन में कमी आने की आशंका बढ़ जाती है। जब पैदावार घटती है तो खाद्यान्न की उपलब्धता भी प्रभावित होती है। इसका असर बाजार पर पड़ता है और खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ने लगती हैं। महंगाई बढ़ने से आम उपभोक्ता प्रभावित होते हैं, जबकि गरीब और ग्रामीण परिवारों पर इसका प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक पड़ता है। इस प्रकार अल-नीनो का असर केवल किसानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था और समाज पर दिखाई देता है। हालांकि राहत की बात यह है कि मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज वैज्ञानिक और मौसम विभाग अल-नीनो की संभावित स्थिति का पहले से अनुमान लगाने में काफी हद तक सक्षम हैं। इससे सरकारों, कृषि विभागों और किसानों को आवश्यक तैयारियां करने का अवसर मिलता है। निस्संदेह भारत की कृषि व्यवस्था आज भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है।

वैकल्पिक संसाधनों का विकास

यदि इस वर्ष अल-नीनो का प्रभाव अपेक्षा से अधिक रहा, तो कृषि उत्पादन पर इसका असर दिखाई दे सकता है। इसलिए समय की मांग है कि हम केवल अच्छी बारिश की प्रतीक्षा करने के बजाय जल प्रबंधन, आधुनिक कृषि तकनीकों और वैकल्पिक संसाधनों के विकास पर गंभीरता से काम करें।

बिलासपुर
रविवार 31 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा
वर्ष : 26, अंक : 70
12+6 = 18 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 40.8
न्यून. 28.8

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

संभाग में लक्ष्य से आधा भंडारण, होगी मारामारी

बिलासपुर। आगामी खरीफ सीजन में खेती कार्य के लिए खाद को लेकर किसान चिंतित हैं। खाद का भंडारण व वितरण चालू हो गया है, फिर भी खाद को लेकर मारामारी की स्थिति है। बिलासपुर संभाग के बिलासपुर सहित जीपीएम, मुंगेली, जांजगीर-चांपा, सक्ती, कोरबा 6 जिलों में 1 लाख 62 हजार 780 मिट्रिक टन खाद की आवश्यकता है, जिसमें से 92 हजार 424 मिट्रिक टन खाद का भंडारण और 19 हजार 77 मिट्रिक टन खाद वितरण हो चुका है तथा 73 हजार 347 मिट्रिक टन खाद शेष है।
इस तरह से आवश्यकता के ▶▶| शेष पेज 6 पर

प्रशासन की सख्ती, 30 को नोटिस, 9 केंद्रों पर बिक्री प्रतिबंध

रायगढ़ जिले में किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने और कालाबाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रशासन ने उर्वरक विक्रय केंद्रों पर निगरानी बढ़ा दी है। जिला एवं विकासखंड स्तरीय निगरानी दल लगातार निजी और सहकारी उर्वरक केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 अप्रैल 2026 से 28 मई 2026 तक जिले के कुल 53 उर्वरक ▶▶| शेष पेज 6 पर

सरकार की सख्ती : कालाबाजारी रोकने लगातार कार्रवाई, दर्जनों केंद्रों को नोटिस, कुछ दुकानें सील

खाद का भंडारण लक्ष्य से आधा भी नहीं, हो रही ब्लैक मार्केटिंग

बिलासपुर से अंजनी तिवारी, जांजगीर चांपा से अभिषेक शुक्ला और रायगढ़ से स्वतंत्र महंत की रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हरिभूमि लगातार

बिलासपुर संभाग में खाद संकट की स्थिति है। कृषि प्रधान जांजगीर चांपा जिले में खरीफ फसल के लिए निर्धारित लक्ष्य से आधे खाद का भी भंडारण नहीं हो पाया है, दूसरी ओर खाद की कमी और ▶▶| शेष पेज 6 पर

उर्वरक विक्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण

बिलासपुर जिले में अब तक 91 से अधिक निजी एवं सहकारी उर्वरक विक्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया जा चुका है। विकासखंड बिल्हा के ग्राम सेंदरी में कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने मेसर्स बंसल फर्टिलाइजर के सेंदरी एवं लोफंदी स्थित प्रतिष्ठान तथा गोदामों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान 368 बोरी उर्वरक ऐसे स्थान पर भंडारित ▶▶| शेष पेज 6 पर

ये है रायगढ़ जिले में खाद का टारगेट

खाद	टारगेट	भंडारण
यूरिया	17500	9274
डीएपी	7800	1782
एनपीके	2500	2572
पोटाश	1600	606
एसएसपी	3000	1115

खाद दुकानों में दबिश गड़बड़ी पाए जाने पर 52 को नोटिस

जांजगीर चांपा जिले भर में सहकारी समितियों और निजी खाद दुकानों की लगातार जांच की जा रही है। जिले के 102 सहकारी समितियों और 160 निजी उर्वरक बिक्री केंद्र की विभाग की टीम ने औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई दुकानों में रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक में अंतर पाया गया। कहीं स्टॉक रजिस्टर अपडेट नहीं मिला तो कहीं खाद का भंडारण रिकॉर्ड से ज्यादा पाया गया।उर्वरक विक्रय केन्द्रों में अनियमितता पाये जाने पर उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश 1985 के तहत 52 उर्वरक विक्रय केन्द्रो को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। वहीं 3 उर्वरक विक्रय केन्द्रो की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से छह की मौत, 40 घायल

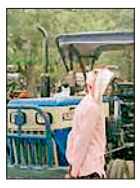

अनूपपुर। मप्र के अनूपपुर मेंट्रैक्टर-ट्रॉली के अनियंत्रित होकर पलट जाने से छह लोगों की मौत हो गई जबकि 40 से अधिक लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना कर्णपाथर पुलिस थानाक्षेत्र के बिजजौरा गांव के पास हुई। ट्रॉली में करीब 50 लोग सवार थे और चालक के वाहन पर से नियंत्रण खो देने के कारण यह दुर्घटना हुई।

निजी बस और बाइक की टक्कर, चार की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के परभणी जिले में एक निजी बस और मोटरसाइकिल की टक्कर हो जाने से दोपहिया वाहन पर सवार चार लोगों की मौत हो गई। पुणे जा रही निजी बस की विपरीत दिशा से आ रही मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई जिससे दोपहिया वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में शुभम अप्पाराव दाहे, विष्णु गोरे (28), प्रह्लाद अशोकराव कुटे (29) और नवनाथ शामराव जाधव (38) की मौके पर ही मौत हो गई।

गोदाम से 5,929 किग्रा मेथनॉल जब्त

मुंबई। महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने ठाणे जिले के उस गोदाम से 5,929 किलोग्राम विषाक्त मेथनॉल जब्त किया है, जहां से पिंपरी चिंचवड और पुणे शहर में संदिग्ध जहरीली शराब की आपूर्ति करने वाले अवैध शराब कारोबारियों को इस रसायन की कथित तौर पर आपूर्ति की गई थी।

रिश्वत मामले में आयकर अधिकारी को किया बरी

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सीबीआई की एक विशेष अदालत ने एक कारोबारी से 2.75 लाख रुपए की रिश्वत मांगने के मामले में एक आयकर अधिकारी को बरी करते हुए कहा कि अवैध मांग के सबूत के बिना केवल धन की बरामदगी से अपराध साबित नहीं होता। विशेष न्यायाधीश डी एस देशमुख ने 2006 के एक मामले में आयकर अधिकारी अनिल रत्नाकर मल्लेल (44) को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत लगाए गए।

पूर्व कांग्रेस सांसद के पी धनपालन का निधन

कोच्चि। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. पी. धनपालन का शनिवार को यहां परवूर के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 76 वर्ष के थे। धनपालन को बेचैनी महसूस होने पर सुबह अस्पताल ले जाया गया लेकिन उपचार के दौरान उनका निधन हो गया।

ओमान और ईरान के बीच मौजूद है यह संकरा जलमार्ग

होर्मुज से 13 जहाजों को निकालने भारत ने शुरू किया सीक्रेट ऑपरेशन

ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जंग के चलते छाया है वैश्विक संकट

दुनिया के 20 प्रतिशत तेल-प्राकृतिक गैस की सप्लाई होती है यहां से

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओमान और ईरान के बीच मौजूद इस संकरे मार्ग से दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और प्राकृतिक गैस की सप्लाई होती है। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के शिपिंग निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने एक हालिया ब्रीफिंग में बताया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज क्षेत्र में फिलहाल 13 भारतीय जहाज मौजूद हैं।

इनमें एक एलपीजी टैंकर, पांच कच्चे तेल के टैंकर, एक केमिकल टैंकर, तीन कंटेनर जहाज, दो बल्क कैरियर और एक ड्रेजर शामिल हैं। भारत सरकार की प्राथमिकता इन सभी जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने की है।

ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध के बाद से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे संवेदनशील और क्रिटिकल समुद्री रास्तों में से एक बन गया है। 9 अप्रैल को सीजफायर लागू होने के बावजूद, इस रास्ते पर जहाजों की आवाजाही अब भी काफी हद तक बंद है। ऊर्जा बाजारों में मची इस उथल-पुथल और भारी संकट के बीच, भारत अपने फंसे 13 जहाजों को वहां से सुरक्षित निकालने के लिए एक खास 'सीक्रेट' रणनीति पर काम कर रहा है।

क्या है सरकार की सीक्रेट रणनीति?

जब मंत्रालय के अधिकारी से पूछा गया कि भारत सरकार ईरान के साथ किस तरह तालमेल बिठा रही है, तो उन्होंने स्पष्ट कारणों से इसकी पूरी प्रक्रिया बताने से इनकार कर दिया। ऐसा माना जा रहा है कि भारत किसी सीक्रेट प्लान के तहत अपने जहाजों को निकाल रहा है। ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि पूरा समन्वय विदेश मंत्रालय (**MEA**) के जरिए हो रहा है। कौन सा जहाज पहले निकलेगा, इसकी प्राथमिकता पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (**MOPNG**) और उर्वरक मंत्रालय के साथ मिलकर तय की जा रही है।

14 जहाज आ चुके हैं भारत

सरकार के इस समन्वित प्रयास का असर भी दिखने लगा है। ताजा अपडेट्स के मुताबिक, 25-26 मई की रात करीब 2,70,000 मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर आ रहा 'निसोस केरोस' नामक क्रूड ऑयल टैंकर सफलतापूर्वक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पार कर गया। इसके 3 जून 2026 तक विशाखापत्तनम पहुंचने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने भी पुष्टि की है कि 14 जहाज होर्मुज को सुरक्षित पार करके भारत पहुंच चुके हैं, जबकि 13 जहाज अभी भी फारस की खाड़ी क्षेत्र में हैं।

पब्लिक शिप ट्रैकिंग डेटा

पब्लिक डोमेन में मौजूद शिप ट्रैकिंग डेटा से जहाजों की सुरक्षा को होने वाले खतरे के सवाल पर अधिकारी ने कहा कि ये कमर्शियल ऐप्स हैं, जिनका कोई भी सब्सक्रिप्शन ले सकता है। सार्वजनिक रूप से मौजूद डेटा का इस्तेमाल कैसे होगा, यह इस्तेमाल करने वाले की नीयत पर निर्भर करता है। हालांकि, अधिकारी ने स्पष्ट किया कि फिलहाल यह डेटा सरकार को जहाजों को ट्रैक करने में मदद ही कर रहा है।

भारत का समुद्री व्यापार

गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के हमलों के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई में जहाजों को निशाना बनाना शुरू कर दिया था। ईरान की भौगोलिक स्थिति इस स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर उसे एक बड़ी सामरिक बढ़त देती है। इसी डर से दुनिया की कई बड़ी शिपिंग कंपनियों ने इस रूट से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी है। इसके बावजूद भारत ने इस रूट से अपना समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति जारी रखी है। खतरे के बावजूद 'शिवालिक', 'नंदा देवी', 'जग लाडकी', 'पाइन गैस', 'जग वसंत', 'बीडब्ल्यू टायर' और 'ग्रीन सान्वी' जैसे कई भारतीय जहाजों ने इस तनावपूर्ण जलमार्ग को पार किया है।

घेराबंदी कर सिंघोड़ा पुलिस ने पकड़ा

ओडिशा से महाराष्ट्र ले जाते तीन करोड़ का गांजा जब्त, बुजुर्ग गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

पुलिस ने नाकेबंदी कर 3 करोड़ रुपए का गांजा तस्करी करते हुए एक बुजुर्ग को गिरफ्तार किया है। वह माजदा वाहन में मशीनरी के बीच छिपाकर करीब 6 क्विंटल गांजा ले जा रहा था। यह गांजा ओडिशा से नागपुर ले जाया जा रहा था। मामले में पुलिस ने 65 वर्षीय बुजुर्ग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रेहटीखोल के पास नाकेबंदी कर तस्करी में प्रयुक्त वाहन, एक मोबाइल व 10 हजार रुपए भी जब्त करते हुए आरोपी के खिलाफ नारकोटिक एक्ट 20(ब) के तहत कार्रवाई की है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक लाल रंग की टाटा माजदा क्रमांक एमएच 46 सी यू 6060 मे ओडिशा से गांजा लेकर छत्तीसगढ़ की ओर आ रहा है।

नाकेबंदी कर पकड़ा

सूचना पर पुलिस टीम ने एनएच 53 रेहटीखोल में नाकेबंदी की। कुछ देर बाद संदिग्ध वाहन ओडिशा की ओर से आता दिखा, जिसे रोका गया, वाहन में में सवार एक व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम-पता कोलेख कुरलावाली चौल पास साईबाबा मंदिर संजय नगर अम्बरनाथ थाना अम्बरनाथ जिला थाणे महाराष्ट्र निवासी महबूब बादशाह शेख (65) बताया। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो डाला में बोरियों के अंदर गांजा बरामद हुआ।

एशियाई खेल चयन में नहीं मिली सफलता

विनेश का वापसी का सपना ट्रायल में हार के साथ टूटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

तालियों की गूंज, नाटकीयता से भरे घटनाक्रम और जज्बात के सैलाब के बीच परीकथा सरीखी वापसी की विनेश फोगाट की उम्मीदों पर पानी फिर गया जब शनिवार को एशियाई खेल चयन ट्रायल के 53 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में उन्हें मीनाक्षी गोयत ने 6.4 से हरा दिया। पेरिस ओलंपिक 2024 के बाद राष्ट्रीय टीम में लौटने से विनेश दो जीत पीछे रह गई।

दो वर्षों के लिए मैदान में उतरी : विनेश

ट्रायल की तैयारी के दौरान मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में विनेश ने कहा कि वह अभी कम से कम दो वर्षों तक प्रतिस्पर्धी कुश्ती जारी रखने के इरादे से मैदान में उतरी हैं। उन्होंने कहा था, मैं यहां कम से कम दो साल तक रहूंगी। इससे पेरिस में मिले जख्मों के बावजूद कुश्ती में वापसी की उनकी मानसिक दृढ़ता का पता चलता है। ट्रायल में भागीदारी को लेकर डब्ल्यूएफआई से लंबी कानूनी लड़ाई के बाद वह मैट पर उतरी थीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति पूरी तरह स्वस्थ

ट्रंप की उमर 79 की और दिल 56 का

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चिकित्सक ने कहा है कि 'वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर' में राष्ट्रपति की चिकित्सकीय जांच कराई गई, जिसके मुताबिक उनका 'स्वास्थ्य बेहतर' स्थिति में है। ट्रंप की उम्र भले ही 79 की है लेकिन उनका दिल उनके उम्र से 14 साल छोटा है।

पिछले साल से बेहतर सेहत

पिछले साल व्हाइट हाउस ने बताया था कि ट्रंप 'क्रोनिक वीनस इनसफिशिएंसी' से पीड़ित हैं, जिससे उनके पैरों में खून जमा हो जाता है। उनकी हालिया जांच रिपोर्ट में पैरों के निचले हिस्से में हल्की सूजन का जिक्र है, लेकिन साथ ही कहा गया है कि पिछले साल के मुकाबले उनकी स्थिति में सुधार हुआ है।

शिवकुमार चुने गए नए नेता, तीन जून को लेंगे कर्नाटक सीएम पद की शपथ

राज्यपाल गहलोत ने दिया न्योता

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डी के शिवकुमार को शनिवार को पार्टी विधायक दल का नेता चुन लिया गया। इसके बाद शिवकुमार ने यहां लोक भवन में राज्यपाल से मुलाकात करके राज्य में नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया। शिवकुमार के साथ पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और प्रदेश के अन्य वरिष्ठ नेता थे। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कांग्रेस विधायक दल के नवनिर्वाचित नेता डी. के. शिवकुमार को तीन जून को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए शनिवार को आमंत्रित किया।

डीके शिवकुमार कर्नाटक के 24वें सीएम

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार अब राज्य के 24वें मुख्यमंत्री बनेंगे। कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि 3 जून की शाम डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। बैठक में बाद शिवुकमार ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक सीएम के साथ-साथ कैबिनेट भी बदलेगी। मौजूदा कैबिनेट से 10 मंत्री हटाए जा सकते हैं।

सिद्धरमैया ने रखा प्रस्ताव

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को विधान सौध में हुई बैठक के दौरान विधायक दल के नये नेता के रूप में शिवकुमार के नाम का प्रस्ताव रखा। यह बैठक कांग्रेस महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल और पार्टी के कर्नाटक मामलों के प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला की मौजूदगी में हुई। हालांकि, नये नेता के चयन के लिए विधायक दल की बैठक के दौरान 10 मिनट का विराम लिया गया और सिद्धरमैया, वेणुगोपाल और सुरजेवाला सहित शीर्ष नेता विचार-विमर्श के लिए अलग कमरे में चले गए। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई ने कहा कि सिद्धरमैया ने शिवकुमार का नाम शीर्ष पद के लिए प्रस्तावित किया।

पांच घंटे बाद आग पर पाया गया काबू

बिल्डिंग की तीसरी मंजिल स्थित गोदाम में लगी भीषण आग, डेढ़ करोड़ का तेल जला

हरिभूमि न्यूज : बिलासपुर

शनिवार की सुबह व्यापार विहार स्थित एक बिल्डिंग की तीसरी मंजिल स्थित तेल गोदाम में आग लगने से हड़कंप मच गया। गोदाम में तेल भरा होने से आग ने भीषण रूप ले लिया। आसपास के इलाके में धुंए के गुबार से अंधेरा छा गया। देखते ही देखते दमकलों की लाइन लग गई। 5 घण्टे मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया है। पुलिस के अनुसार आग लगने से गोदाम में रखा लगभग डेढ़ करोड़ रुपए का तेल जल गया है। व्यापार ▶▶| शेष पेज 6 पर

पूरे इलाके में धुंए का गुबार

मामले की कराई जा रही है जांच

व्यापार विहार में लगे आग की पूरी जांच कराई जा रही है। व्यापारी द्वारा बनाए गए गोदाम और यहां माल पैकेजिंग की अनुमति ली गई थी कि नहीं, इसकी भी जांच के आदेश दिए गए हैं।

- प्रकाश कुमार सर्वे, निगम आयुक्त

सुबह आग लगी दोपहर तक काबू

सुबह 8.30 बजे तेल गोदाम में आग लगी थी। दोपहर 2 बजे तक आग पर काबू पाया गया है। आग से 1.50 करोड़ रुपए के नुकसान होने की बात कही जा रही है। आग कैसे लगा इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। मामले की जांच की जा रही है।
रामनरेश यादव, तारबाहर थाना प्रभारी

विशेषः विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

यह चिंताजनक बात है कि प्रकृति की निकटता का महत्व समझते हुए भी आज के समय में अधिकांश लोग उससे दूर होकर दिन के कई घंटे विभिन्न डिजिटल स्क्रीन के साथ बिताते हैं। इससे कई समस्याएं पैदा होती हैं। इनसे बचने के लिए हमें प्रकृति के सान्निध्य में रहना चाहिए। साथ ही उसे स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने का संकल्प भी हमें लेना चाहिए।

प्रकृति से जुड़ाव सुधारेगा स्वास्थ्य
बेहतर होगा पर्यावरण

कवर स्टोरी / स्नेहा सिंह

आज हम सब तकनीक के उन्नत दौर में जी रहे हैं। स्मार्टफोन, लैपटाप, टैबलेट और टेलीविजन जैसे उपकरणों ने हमारे जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, लेकिन इसी सुविधा ने हमें धीरे-धीरे प्रकृति से दूर भी कर दिया है। सुबह आंख खुलते ही हाथ मोबाइल तक पहुंचता है और रात में नींद आने तक स्क्रीन हमारी आंखों के सामने रहती है। ऐसा लगता है मानो आधुनिक जीवन का हर पल किसी न किसी डिजिटल उपकरण से जुड़ गया हो।

तकनीक का नकारात्मक प्रभावः तकनीक ने संचार, शिक्षा, व्यापार और मनोरंजन के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन कर दिया है, लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी उतना ही गंभीर है। लगातार स्क्रीन के सामने रहने की आदत ने हमारे शरीर और मन दोनों पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। यही कारण है कि आज पूरी दुनिया में डिजिटल डिटॉक्स की अवधारणा तेजी से बढ़ रही है। इसका सीधा अर्थ है, कुछ समय के लिए डिजिटल उपकरणों से दूरी बनाकर प्रकृति के करीब जाना जरूरी है।

बहुत कारगर है नेचर हीलरः आज विज्ञान भी यह स्वीकार कर चुका है कि प्रकृति केवल सौंदर्य निहारने का माध्यम नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली चिकित्सक की तरह भी होती है। पेड़, हरियाली, खुला आकाश, मिट्टी और ताजी हवा हमारे शरीर और मानसिक स्वास्थ्य के लिए किसी औषधि से कम नहीं होते हैं। जब कोई व्यक्ति प्रकृति के बीच समय बिताता है, तब उसके शरीर में कई सकारात्मक जैव-रासायनिक परिवर्तन शुरू हो जाते हैं। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बगीचे में घास पर नंगे पैर चलना अत्यंत लाभदायक है। इस प्रक्रिया को अर्थिंग या ग्राउंडिंग कहा जाता है। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य का पृथ्वी से सीधा संपर्क लगभग समाप्त कर दिया है। डामर की सड़कें, सीमेंट के फर्श और रबर के जूते हमें प्रकृति से अलग कर चुके हैं। जबकि हमारे पैरों के तलवों में शरीर के विभिन्न अंगों से जुड़े तंत्रिका बिंदु होते हैं। घास और मिट्टी पर चलने से इन बिंदुओं पर प्राकृतिक दबाव पड़ता है, जिससे रक्त संचार बेहतर होता है और शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

प्रकृति केवल मानसिक शांति ही नहीं देती, बल्कि शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाती है। पेड़-पौधे वातावरण में फाइटोनसाइड्स नामक जैविक रसायन छोड़ते हैं। ये तत्व मनुष्य के शरीर में जाकर श्वेत रक्त कोशिकाओं की सक्रियता बढ़ाते हैं, जिससे रोगों से लड़ने की क्षमता मजबूत होती है। नीम, पीपल, बरगद और अन्य विशाल वृक्ष केवल छाया देने का काम नहीं करते, बल्कि वे वातावरण को शुद्ध बनाकर हमारे स्वास्थ्य की रक्षा भी करते हैं। यही कारण है कि गांवों और हरियाली वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का मानसिक संतुलन और शारीरिक स्वास्थ्य अकसर बेहतर पाया जाता है।

स्क्रीन की लत से बिगड़ता स्वास्थ्यः अगर आप वर्किंग हैं तो ऑफिस का ज्यादातर काम कंप्यूटर पर होता है, खाली समय मोबाइल पर स्क्रॉल करते बीतता है और मनोरंजन टेलीविजन या ओटीटी प्लेटफॉर्म के जरिए होता है। परिणामस्वरूप शरीर लगातार कृत्रिम रोशनी के संपर्क में रहता है। मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट आंखों पर सबसे अधिक दुष्प्रभाव डालती है। इससे आंखों में जलन, सूखापन और धुंधलापन बढ़ने लगता है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से सिरदर्द, गर्दन और कंधों में दर्द तथा मांसपेशियों में जकड़न जैसी समस्याएं होने लगती हैं। बच्चे हों या बड़े, लगभग हर आयु वर्ग इसके दुष्प्रभावों का सामना कर रहा है।

सबसे गंभीर प्रभाव हमारी नींद पर पड़ता है। रात में देर तक मोबाइल देखने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का उत्पादन बाधित होता है, जो नींद को नियंत्रित करता है। परिणामस्वरूप अनिद्रा, बेचैनी और मानसिक थकान बढ़ने लगती है। धीरे-धीरे यह स्थिति तनाव, अवसाद और चिड़चिड़ेपन का कारण बन जाती है।

आंखों-मस्तिष्क को मिले आरामः लगातार स्क्रीन देखने से आंखों की मांसपेशियां थक जाती हैं। हमारा ध्यान केवल

नजदीकी वस्तुओं पर केंद्रित रहता है, जिससे आंखों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसके विपरीत जब व्यक्ति हरियाली और दूर तक फैले प्राकृतिक दृश्यों को देखता है, तो आंखों को आराम मिलता है।

हरा रंग आंखों के लिए सबसे आरामदायक माना जाता है। प्रकृति की हरियाली आंखों की थकान कम करती है और मानसिक तनाव को भी घटाती है। यही कारण है कि पार्क में कुछ समय बिताने के बाद व्यक्ति स्वयं को अधिक शांत और ताजगी से भरा महसूस करता है।

पौधों के संग बिताएं समयः आज के दौर में लोग अधिकांश समय डिजिटल दुनिया से जुड़े रहते हैं। आधुनिक जीवन की भाग-दौड़ में यदि हम प्रतिदिन कुछ समय प्रकृति के साथ बिताएं तो अपने शरीर और मस्तिष्क को पुनः ऊर्जावान बना सकते हैं। इसके लिए हम रोज कुछ समय अपने गार्डन में या बालकनी के गमलों में लगे पौधों की देखभाल कर सकते हैं। सुबह-शाम उनको पानी दे सकते हैं। उनकी मिट्टी की गुड़ाई कर सकते हैं, उसकी सफाई कर सकते हैं। इससे आपको पेड़-पौधों के करीब रहने का अवसर मिलेगा। यही नहीं आप रोज सुबह-शाम अपने आस-पास के किसी पार्क में वॉक करने जा सकते हैं। कुछ देर वहां की ताजी हवा में सांस ले सकते हैं। पेड़ों के झुरमुट में पक्षियों के कलरव को सुन सकते हैं। यकीन मानिए, पूरे दिन में से प्रकृति के करीब बिताए गए कुछ मिनट आपको न केवल ताजगी से भर देंगे, आपको प्रकृति की महत्ता का अहसास भी कराएंगे। जाहिर है, इससे आप प्रकृति के प्रति, अपने आस-पास के वातावरण के प्रति संवेदनशील बनेंगे। आप उसको स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए भी प्रेरित होंगे। *

विशेषः विश्व साइकिल दिवस 3 जून

साइकिलिंग का डबल फायदा
स्वस्थ शरीर-शुद्ध वातावरण

भले ही आज की फास्ट लाइफ में साइकिल चलाना कम ही लोग पसंद करते हैं। लेकिन इसे चलाने से न केवल स्वास्थ्य संबंधी अनेक फायदे मिलते हैं, पर्यावरण को शुद्ध रखने में भी यह मददगार है। इससे होने वाले तमाम फायदों पर एक नजर।

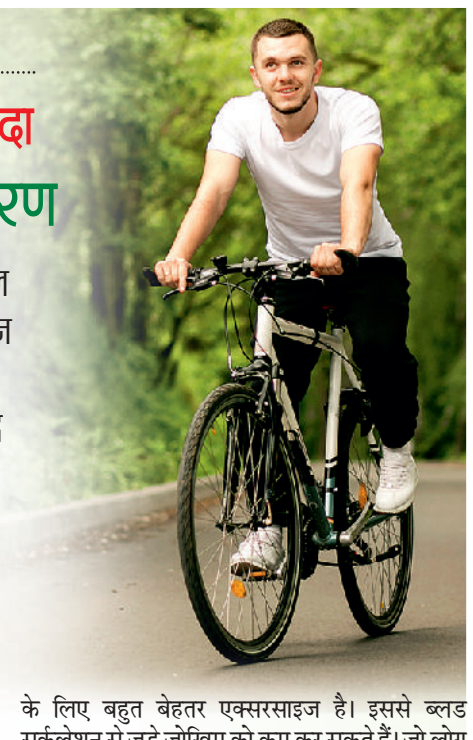

अवेयरनेस / नम्रता नदीम

आज के दौर में खान-पान में होने वाले बदलाव, निष्क्रिय जीवनशैली और जीवन में बढ़ते तनाव के कारण कम उम्र में ही लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इसीलिए डॉक्टर्स स्वस्थ रहने के लिए फिजिकल एक्टिविटी को बेहद जरूरी मानते हैं। इन एक्टिविटीज में साइकिलिंग को बहुत कारगर माना जाता है, जिसे करके हम न केवल वजन घटा सकते हैं, कई बीमारियों के जोखिम को कम कर सकते हैं, साथ ही अपने आस-पास के वातावरण को भी प्रदूषणमुक्त रखने में अपना योगदान दे सकते हैं।

वातावरण को लाभः साइकिल में पेट्रोल, डीजल या किसी अन्य प्रकार का ईंधन इस्तेमाल नहीं होता है। इसलिए इससे वायु प्रदूषण बिल्कुल नहीं होता है। इसमें बिजली का भी यूज नहीं होता, इस तरह एनर्जी की बचत होती है। इसमें तेज आवाज वाले हॉर्न नहीं होते हैं, इससे ध्वनि प्रदूषण भी नहीं होता है। इसका आकार छोटा होता है, इससे ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं होती है।

उपयुक्त समय-स्थानः साइकिल चलाने के लिए सुबह का समय सबसे उपयुक्त होता है, क्योंकि खाली पेट साइकिल चलाने से बॉडी फैट जल्दी बर्न होता है। शुरुआती दौर में सीधी सपाट रोड पर साइकिलिंग और बाद में ज्यादा कैलोरीज बर्न करने के लिए, वजन घटाने के लिए चढ़ाई पर भी साइकिलिंग की जा सकती है। जिस समय साइकिल चला रहे हों, अपने पोस्चर पर फोकस करें। साइकिल चलाते समय एक ही पोस्चर में न रहकर उसमें बदलाव करते रहें ताकि शरीर के दूसरे हिस्सों पर भी जोर पड़े।

पैडलिंगः साइकिलिंग के रुटीन को शुरू करने से पहले कहां से पैडलिंग करनी है और कहां आराम से राइड करना है, यह ध्यान रखना जरूरी है। पैरों की मदद से जब पैडलिंग की जाती है तो पैर ऊपर से नीचे की तरफ एक्टिविटी करते हैं। इससे पैरों की मसल्स से लेकर शरीर के निचले हिस्से और ऊपर के हिस्से की मसल्स मजबूत होती हैं और शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है।

होने वाले स्वास्थ्य लाभः साइकिलिंग दिल के स्वास्थ्य के लिए बहुत बेहतर एक्सरसाइज है। इससे ब्लड सर्कुलेशन से जुड़े जोखिम को कम कर सकते हैं। जो लोग ऑफिस या किसी दूसरे स्थान पर दिन भर बैठकर काम करते हैं, उनके लिए साइकिलिंग इसलिए भी बेहतरीन एक्सरसाइज है, क्योंकि इससे डायबिटीज का खतरा कम होता है। साइकिल चलाने से इंसुलिन लेवल कम होता है। प्रतिदिन एक घंटे अगर साइकिलिंग की जाए तो 500 कैलोरी बर्न होती है और इससे वजन भी जल्दी कम होता है। विभिन्न शोध इस बात की ओर इशारा करते हैं कि पुरुषों ही नहीं महिलाओं के लिए भी साइकिलिंग एक फायदेमंद एक्सरसाइज है। यह उनमें ब्रेस्ट कैंसर के जोखिम को कम करती है। जोड़ों से जुड़ी समस्याओं की रोकथाम करने के लिए भी साइकिलिंग काफी फायदेमंद होती है। अर्थराइटिस में भी यह एक अच्छी एक्सरसाइज है। इससे मसल्स मजबूत होती हैं और एनर्जी लेवल भी बढ़ता है। साइकिलिंग से हमें डिप्रेशन और टेंशन कम होता है।

बुजुर्गों के लिए फायदेमंदः जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारी हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, जिसके कारण व्यायाम करना मुश्किल होता है। लेकिन उम्र बढ़ने के बावजूद साइकिल चलाना एक ऐसा व्यायाम है, जो आसानी से हो सकता है और जिसके कई फायदे हैं। विभिन्न अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि साइकिल चलाने से उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी होती है। साइकिल चलाने से ओल्ड एज में भी निरोगता बढ़ती है। नियमित रूप से साइकिल चलाने वालों में कैंसर, हृदय रोग और समय पूर्व मृत्यु की आशंका कम होती है। साइकिलिंग से पहले अतिरिक्त कार्बोहाइड्रेट डाइट लें। इस दौरान आप स्नैक्स भी ले सकते हैं। साइकिलिंग करते समय हाइड्रेट रहें। जो लोग सामाजिक रूप से दूसरों से अलग रह रहे हैं, इस उम्र में उनमें अवसाद की आशंका रहती है। इसलिए फ्रेंड्स के साथ साइकिलिंग करने से न केवल आत्मविश्वास बढ़ता है बल्कि आप खुशमिजाज जीवन जी सकते हैं। *

प्रिकॉशन

लोकमित्र गौतम

विशेषः तंबाकू निषेध दिवस 31 मई

इसलिए नहीं छूटती तंबाकू की लत

किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन बेहद खतरनाक होता है। ऐसे में केवल एक दिन ही नहीं हर रोज अनेक स्तरों पर प्रयास करने, लोगों को जागरूक किए जाने की जरूरत है।

हर साल 31 मई को दुनिया भर में 'वर्ल्ड नो टोबेको-डे' यानी विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। लेकिन हैरानी की बात ये है कि यह दिवस जोर-शोर से मनाए जाने के बावजूद आखिरकार दुनिया तंबाकू की जानलेवा गिरफ्त से बाहर क्यों नहीं आ पा रही है?

चिंता बढ़ाते आंकड़ेः दुनिया भर में तंबाकू का सेवन लगातार बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक हर साल दुनिया में 70 लाख से ज्यादा लोग सीधे तंबाकू सेवन के कारण मौत का शिकार हो रहे हैं, जबकि 12 से 13 लाख लोग परोक्ष धूम्रपान यानी धूम्रपान करने वाले लोगों के साथ रहने के कारण अपनी जान गंवा रहे हैं।

कई बीमारियों की वजहः कुछ लोगों को लगता है कि तंबाकू केवल फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है, लेकिन सच्चाई यही नहीं है। सच यह है कि तंबाकू सबसे ज्यादा तरह के कैंसर होने का कारण है। तंबाकू के सेवन से फेफड़ों का कैंसर होता है, मुंह का कैंसर, गले और जीभ का कैंसर, स्वर यंत्र का कैंसर, अन्न नली, पेट और अग्नयाशय का कैंसर, ये सभी तरह के कैंसर विशेषकर भारत में गुटखा, खैनी और जर्दा खाने के कारण हो रहे हैं। इसके अलावा भी तंबाकू के सेवन से हार्ट अटैक, स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप और हृदय की धमनियों का संकुचन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। तंबाकू के लगातार सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर हो जाती है और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा भी बढ़ जाता है। घाव मुश्किल से भरते हैं। अगर गर्भवती महिलाएं तंबाकू का सेवन करती हैं, तो समय से पहले प्रसव की समस्या पैदा हो जाती है, पैदा होने वाले बच्चे का वजन बहुत कम रह जाता है, गर्भपात का खतरा 30 फीसदी ज्यादा बढ़ जाता है और नवजात की मृत्यु का जोखिम सामान्य से कई गुना ज्यादा हो जाता है। इस तरह देखें तो तंबाकू के सेवन से एक नहीं अनेक तरह के स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं।

युवाओं में बढ़ा ट्रेंडः दुनिया में तंबाकू का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। अगर विशेष तौर पर युवाओं की बात करें तो वे फिटनेस एप डाउनलोड कर रहे हैं, जिम जा रहे हैं, ऑर्गेनिक भोजन पर जोर दे रहे हैं, लेकिन सिगरेट, गुटखा और विभिन्न निकोटिन उत्पादनों की लत से निकल नहीं पा रहे। पहले जहां बीड़ी और सिगरेट ही युवाओं को गिरफ्त में लेने के दो बड़े तंबाकू उत्पाद थे, वहीं अब फ्लेवर्ड वेप, ई-सिगरेट, निकोटिन पाउच और न जाने कितने आकर्षक पैकेजिंग वाले तंबाकू उत्पाद बाजार में आ गए हैं, जिनके मोहजाल से युवा तो छोड़िए, किशोर भी नहीं छूट पा रहे। कंपनियां इन्हें कूल, स्टाइलिश और तनाव दूर करने वाला बताकर पेश करती हैं। सोशल मीडिया पर फिल्मों, वेब सीरीज और इंफ्लूएंसर संस्कृति ने भी धूम्रपान को एक नई तरह के ग्लैमर से जोड़ दिया है। इसलिए यंगस्टर्स इसकी गिरफ्त में बढ़ते जा रहे हैं।

कारगर नीति की है कमीः भारत की स्थिति तो विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े तंबाकू उपभोक्ता देशों में शामिल है। यहां धूम्रपान के अलावा चबाने वाले तंबाकू का भी एक भारी-भरकम बाजार है। गुटखा, खैनी, जर्दा, पान मसाला और सुगंधित निकोटिन उत्पाद, गांवों से लेकर महानगरों तक युवाओं की कमजोरी बनकर रह गए हैं। सरकार एक तरफ तो तंबाकू के सेवन पर बहुत चिंतित होती है, दूसरी तरफ हर तरह के तंबाकू उत्पाद गांवों से लेकर शहरों तक हर जगह इतनी आसानी और इफरात में उपलब्ध हैं कि जरा-सा इनकी तरफ कोई फिसला नहीं कि हमेशा के लिए इसके चक्रव्यूह में फंसकर रह जाता है।

हद तो यह है कि जैसे-जैसे विकास के नाम पर, आधुनिकीकरण के नाम पर, तेज रफ्तार लाइफस्टाइल के नाम पर, लोग स्मार्ट हो रहे हैं, वैसे-वैसे तंबाकू उत्पादन के सेवन को सामान्य आदत मानते जा रहे हैं। इसीलिए हर साल 'नो टोबेको-डे' की रस्म अदायगी के बावजूद तंबाकू का सेवन पूरी दुनिया में दिन दूनी, रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ रहा है। इसलिए विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल प्रतिबंध से बात नहीं बनने वाली बल्कि धूम्रपान के विरुद्ध एक जन सांस्कृतिक अभियान की जरूरत है, तब कुछ असर होगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

विडंबनाओं पर कटाक्ष

वरिष्ठ साहित्यकार ज्ञान चतुर्वेदी के व्यंग्यों का नया संग्रह 'बाराखड़ी' हाल में छपकर आया है। इसमें कुल 61 व्यंग्य संकलित हैं। पुस्तक की भूमिका में उन्होंने लिखा है कि पिछली सदी की तुलना में इस सदी के तेजी से बदलते दौर में व्यंग्य लेखन की शैली का बदलना भी जरूरी है। इस संग्रह के व्यंग्यों से गुजरते हुए, उनकी यह बात सही साबित होती है। विभिन्न प्रकार के संक्रमणों से ग्रस्त समाज की विडंबनाओं के नए-नए चेहरों को लेखक ने नए अंदाज में व्यंग्यों में अनावृत्त किया है। 'घोटालातुर' व्यंग्य में वे आम लोगों की मानसिकता पर सटीक कटाक्ष करते हुए कहते हैं, 'सभी कर रहे हैं, सब तरफ हो रहा है तो समय रहते मैं भी कर डालूं, यह सोचा है।' राजनीति किस तरह भोले-भाले इंसान के भरोसे के साथ खिलवाड़ करती है, और फिर वह हतप्रभ होकर अपना मार्ग बदल लेता है, इसे 'नारा रिपेयरिंग सेंटर' में पढ़ा जा सकता है। 'वह सालों तक खुशफहमी पाले रहा कि नारों पर अमल करके एक दिन यह देश बदल जाएगा, यहां क्रांति होगी।' पुस्तक के लगभग सभी व्यंग्य हमें झिंझोड़कर हमारी वह तस्वीर दिखाते हैं, जिन्हें देखने से हम बचना चाहते हैं। *

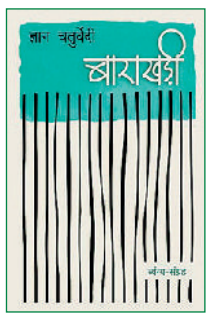

पुस्तकः बाराखड़ी (व्यंग्य-संग्रह), **लेखकः** ज्ञान चतुर्वेदी, **मूल्यः** 395 रुपए, **प्रकाशकः** राजपाल एंड संस, दिल्ली

कहानी / रश्मि वैभव गर्ग

मन का पर्यावरण

सोमेश जी को जब मालूम हुआ कि घर के नवीनीकरण के लिए उनका पुराना साथी नीम का पेड़ कटने वाला है तो वे बहुत बेचैन हो गए। अपनी मनोदशा उन्होंने अपने पौत्र से साझा की। फिर जो हुआ, वे सुखद एहसास से भर गए।

सोमेश जी का मन आज कुछ व्याकुल-सा था। आज सुबह, उनका पुत्र राहुल और उनकी पुत्रवधु, घर के नवीनीकरण का प्रस्ताव लेकर उनके पास आए थे। दोनों ही पति-पत्नी नवीनीकरण को लेकर काफी उत्साहित थे, तकरीबन सब कुछ तय करके ही आए थे। बस सोमेश जी की सहमति की मुहर लगवाना चाहते थे।

अपने बेटे-बहू का उत्साह देखकर सोमेश जी भी खुश थे, लेकिन एक बात जो उनके मन को कचोट रही थी, वह यह थी कि उनके कमरे के बाहर बगीचे में एक पुराना नीम का पेड़ था, उसके कटवाए जाने की बात की जा रही थी।

सोमेश जी के जीवन पर्यंत का साथी, नीम का पेड़, जिसकी टहनियां अकसर उनके कमरे की खिड़की से अंदर आ जाती थीं, जिससे उन्हें लगता था मानो वो उनसे गलबहियां करना चाहती हों। पत्नी सुधा के निधन के बाद, वो नीम ही उनके अकेलेपन का साथी था, जो उनके जीवन के हर सुख और दुःख का साक्षी था। कभी-कभी जीवन में ऐसे सान्निध्य मिल जाते हैं, जो न केवल हमारे दिल के करीब होते हैं, वरन् उनसे भावनात्मक जुड़ाव, खून के रिश्तों से भी गहन हो जाता है।

सोमेश जी कभी बच्चों की खुशी से खिला चेहरा देखते, जिसमें घर के नवीनीकरण की तस्वीर सज रही थी, तो कभी अपना नीम के साथ बिताया एकाकीपन। अपने पिता की स्मृति को वो यूं भी खोना नहीं चाहते थे। बचपन से उस नीम की छांव तले ही तो बड़े हुए थे वे।

सोमेश जी चाहते थे कि घर के नवीनीकरण में उनका पुरातन साथी नीम का पेड़ भी बना रहे, जिससे वो अपना सुख-दुःख बांट सकें।

सोमेश जी अपनी दुविधा अपने बेटे-बहू से कह नहीं पा रहे थे। शायद दुविधायुक्त मन अपने करीबी लोगों को ढूंढ़ ही लेता है, इसलिए, सोमेश जी को अपने पौत्र पलाश की याद आई। पलाश इसी वर्ष इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए दूसरे शहर में चला गया था। सोमेश जी ने पलाश को अपनी भावनाएं व्यक्त करने का सही साथी माना, लेकिन अपनी बात उन्हें फोन पर कहना उचित नहीं लगा। उन्होंने पलाश को एक पत्र लिखा।

प्रिय बेटा पलाश,

स्नेहाशीष

आशा है तुम कुशल होगे। शायद यह तुम्हारे जीवन का पहला खत होगा, आज की डिजिटल दुनिया में खतों का अस्तित्व मिट-सा गया है। लेकिन आज भी मुझे यह ही अभिव्यक्ति का सर्वोत्तम माध्यम लग रहा है, जिसमें मैं अपने आप को सहज महसूस कर रहा हूं। मेरे मन में एक कसक है, जिसको मैं तुमसे बांटना चाहता हूं। तुम्हारे माता-पिता घर का नवीनीकरण करवाना चाहते हैं, जिसमें वो नीम के पेड़ को कटवाना चाहते हैं। तुम जानते हो इस नीम से मुझे गहरा लगाव है, उसकी जड़ें मेरे जीवन की जड़ों से जुड़ी हैं। वो मेरे अकेलेपन का साथी है, साथ ही मेरे पिता द्वारा लगाया गया स्नेह भी है, जिसकी छाया में मैं बड़ा हुआ हूं। इस स्नेह को मैं भावी पीढ़ियों को भी हस्तांतरित करना चाहता हूं। मुझे उस पेड़ से भावनात्मक प्रेम है। आशा है तुम मेरे एहसास समझोगे बेटा और कोई उपयुक्त हल निकालोगे। यह पेड़ न केवल मेरी आत्मा से जुड़ा है वरन् हमारे घर के पर्यावरण और सकारात्मकता का प्रतिबिंब भी है।

असीम स्नेह के साथ

तुम्हारा दादा जी

सोमेश जी ने अपने मन के भाव खत में उकेर कर उसकी फोटो लेकर, पलाश को भेज दिया। सोमेश जी, बेसब्री से पलाश की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे थे। सृष्टि में एकाकी कोई नहीं, आज सोमेश जी को नीम का पेड़ अपने अकेलेपन का साथी लग रहा था, जिसके बचाव के लिए उन्होंने अपने दूसरे साथी पलाश को चुना। जीवन यात्रा में हर पड़ाव पर मन का साथी चाहिए।

कुछ समय पश्चात ही पलाश का व्हाट्सएप पर मैसेज आया, सोमेश जी ने तुरंत अपना फोन खोला और बेसब्री से उसे पढ़ना शुरू किया-

आदरणीय दादा जी

सादर अभिवादन

मैं कितना भाग्यशाली हूं कि जीवन में पहली चिट्ठी मुझे आपकी मिली, जिससे मुझे न केवल पत्रों का वजूद पता चला, बल्कि आपके स्नेहपूर्ण जज्बात भी पता चले। आप घर में सबसे बड़े हैं, आपकी भावनाएं घर के नवीनीकरण से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण हैं। नीम का पेड़ न केवल आपके जीवन का साक्षी है, बल्कि मेरे और मेरे पापा के जीवन का भी साक्षी है, तो ऐसे पेड़ को हम कैसे कटवा सकते हैं? साथ ही नीम रात्रि में ऑक्सीजन छोड़ने वाला पेड़ है, जो पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत लाभदायक भी है। मैं तीन दिन बाद घर आ रहा हूं। आकर मां, पापा से पेड़ को नहीं काटने की बात कर लूंगा, उन्हें कहूंगा कि मैं नहीं चाहता कि यह पेड़, जिसकी छांव में मैं बड़ा हुआ हूं, काटा जाए। उन्हें नीम का पर्यावरण में महत्त्व भी बताऊंगा। आप निश्चिंत रहें, और हां दादा जी, हम एक नया पौधा भी लगाएंगे, जिसके छांव तले हमारी भावी पीढ़ियां पल्लवित हों, ताकि उनसे मैं कह सकूं कि यह मेरे दादा जी की अमानत है, जो मेरे घर के पर्यावरण के साथ मेरे जीवन के सभी सुख-दुःख का भी साक्षी रहा है।

आपका सबसे छोटा दोस्त

पलाश

पलाश का ऐसा भावपूर्ण पत्र पढ़कर सोमेश जी की आंखें स्नेह से भर आईं। सोमेश जी सोच रहे थे कि जिस पेड़ की जड़ों में भावों का इतना अकूत खजाना हो, उसकी परवरिश कमतर कैसे हो सकती है। सोमेश जी का सीना गर्व से फूल गया कि पलाश आखिर इसी नीम की छांव में बड़ा जो हुआ है। यह सब सोचकर सोमेश जी मंद-मंद मुस्कुराते हुए सोच रहे थे। पेड़ न केवल पर्यावरण का संतुलन रखते हैं, वरन् मन के आंगन के पर्यावरण का भी भावनात्मक संतुलन बनाए रखते हैं। *

राजस्थान में आया तूफानः दोपहर 2 बजे ही जलानी पड़ीं गाड़ियों की लाइट

रेत का बवंडर...

100 फीट ऊंचा धूल का गुबार

80 किमी की रफ्तार

200 वर्ग किमी एरिया प्रभावित

एजेंसी ▶▶| जयपुर

राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में शनिवार दोपहर को प्रकृति का एक अद्भुत और डरावना रूप सामने आया। चूरू में दोपहर करीब 2 बजे और श्रीगंगानगर में अचानक मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया।

आसमान में धूल और रेत का इतना विशाल गुबार उठा कि उसने पूरे सूरज को ढक लिया। धूल का यह बवंडर इतना घना था कि देखते ही देखते दोपहर के समय ही चारों तरफ घनघोर अंधेरा छा गया और विजिबिलिटी (दृश्यता) घटकर शून्य के करीब पहुंच गई। सड़कों पर चल रहे वाहनों के पहिए जहां के तहां थम गए और वाहन चालकों को मजबूरन अपनी हेडलाइट्स जलानी पड़ीं ताकि वे कुछ मीटर की दूरी तक देख सकें।

इधर, आंधी तूफान से यूपी में 31 तो बिहार में 17 की मौत

मानसून की एंट्री और पश्चिमी विक्षोभ से मौसम ने करवट बदली। उत्तर-पश्चिम भारत के कई राज्यों में बीते दिन भयंकर आंधी-तूफान आया और भारी बारिश हुई, जिसने उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तराखंड में तबाही भी मचाई। पिछले 24 घंटे में उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान और बारिश के कारण हुए हादसों में 31 लोगों की मौत हुई। वहीं बिहार में 17 लोगों ने जान गंवाई है। पश्चिम बंगाल में भी 7 लोगों की मौत होने की खबर है।

70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार

मौसम विभाग और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह रेतीला चक्रवात मामूली आंधी नहीं था। इस बवंडर के दौरान हवाओं की रफ्तार लगभग 70 किलोमीटर प्रति घंटा मापी गई। रेत की यह विशालकाय दीवार आसमान में लगभग 30 मिनट तक लगातार आगे बढ़ती रही, जिससे लोग अपने घरों की खिड़कियां-दरवाजे बंद कर दुबकने को मजबूर हो गए। इस भयानक रेतीले तूफान के तुरंत बाद प्रकृति का दूसरा रूप देखने को मिला. धूल के शांत होते ही आसमान में घने बादल छा गए और कई इलाकों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश शुरू हो गई।

राबड़ी के बंगले में घुसी पुलिस! वे बोलीं- नहीं खाली करेंगे

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार के पटना के '10 सर्कुलर रोड' बंगले को खाली कराने के सरकारी आदेश के बाद प्रशासनिक हलचल बेहद तेज हो गई है। सचिवालय एसडीपीओ अनु कुमारी भारी पुलिस बल के साथ राबड़ी आवास पहुंचीं. उनके साथ पटना के एडीएम (लॉ एंड ऑर्डर) भी मौजूद थे। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने बंगले के भीतर जाकर बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी से काफी देर तक बातचीत की। अधिकारियों ने उन्हें भवन निर्माण विभाग की तरफ से जारी नोटिस और आवास खाली करने के कानूनी आदेशों की विस्तार से जानकारी दी। हालांकि, इस हाई-प्रोफाइल बातचीत के बाद जब एसडीपीओ अनु कुमारी बाहर निकलीं, तो वे मीडिया से बिना कोई बातचीत किए सीधे वहां से रवाना हो गईं।

भारी दलबल के साथ पहुंचे एडीएम और एसडीपीओ

'जितनी फोर्स बुलानी है बुला लें'

अपने पोते इराज का जन्मदिन मनाकर दिल्ली से पटना एयरपोर्ट लौटीं राबड़ी देवी का गुस्सा पत्रकारों के सवालों पर फूट पड़ा. उन्होंने बिहार सरकार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को सीधे तौर पर खुली चुनौती दे दी। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी ने कहा, 'सम्राट चौधरी जितना भी फोर्स बुलाकर मकान खाली करवाना चाहें, मैं मकान नहीं खाली करूंगी। हम किसी भी कीमत पर अपना आवास खाली नहीं करेंगे।'

ट्रंप प्रशासन का यू-टर्न, लाखों भारतीयों को बड़ी राहत

ग्रीन कार्ड अमेरिका छोड़ने की अब नहीं होगी आवश्यकता

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका में ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने वाले लाखों प्रवासियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। ट्रंप प्रशासन ने यू-टर्न लेते हुए कहा है कि अधिकांश आवेदकों को अमेरिका छोड़ने की आवश्यकता नहीं होगी।

स फैसले से अमेरिका में स्थायी निवासी बनने का सपना देख रहे लाखों भारतीयों सहित विदेशी नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने हाल ही में जारी उस निर्देश पर सफाई दी है, जिससे ग्रीन कार्ड आवेदकों, कंपनियों और इमिग्रेशन विशेषज्ञों के बीच चिंता बढ़ गई थी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अधिकांश ग्रीन कार्ड आवेदकों को उनकी स्थायी निवास की अर्जी पर फैसला होने तक अमेरिका छोड़ने की जरूरत नहीं होगी।

हजारों छात्रों, पेशेवरों में बन गई थी उलझन की स्थिति

ऐसे शुरू हुआ विवाद

विवाद तब शुरू हुआ जब यूएससीआईएस के प्रवक्ता जैक कहलर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी के संदर्भ में कहा था कि अब अस्थायी वीजा पर अमेरिका में मौजूद लोगों को ग्रीन कार्ड अप्लाई करने के लिए अपने देश वापस लौटना होगा, जब तक कि उनके मामले में कोई विशेष परिस्थिति न हो।

भारतीयों पर पड़ने वाला था सबसे ज्यादा असर

इस मुद्दे का सबसे ज्यादा असर भारतीय समुदाय पर पड़ने की आशंका जताई जा रही थी। इसकी वजह यह है कि अमेरिका में जारी होने वाले कुल एच-1**B** वीजा में करीब 70 प्रतिशत भारतीयों को मिलते हैं। बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर एच-1**B** वीजा पर अमेरिका में काम करते हैं और बाद में ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करते हैं। इसके अलावा **F**-1 छात्र वीजा और टूरिस्ट वीजा धारकों में भी चिंता फैल गई थी। उन्हें डर था कि यदि उनका ग्रीन कार्ड आवेदन लंबित है तो उन्हें अमेरिका छोड़ने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

मूल देश लौटने की जरूरत नहीं

दरअसल, एक सप्ताह पहले अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के एक बयान ने प्रवासी समुदाय में हलचल मचा दी थी। बयान में संकेत दिया गया था कि स्थायी निवास की मांग करने वाले लोगों को अपनी अर्जी पर फैसला होने तक अपने मूल देश लौटना पड़ सकता है, सिवाय कुछ असाधारण परिस्थितियों के इस बयान के बाद अमेरिका में रह रहे हजारों विदेशी छात्रों, पेशेवरों और ग्रीन कार्ड के इंतजार में बैठे लोगों के बीच डर और उलझन की स्थिति बन गई थी। अब डीएचएस ने कहा है कि नीति में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है।

आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ आईएसआई के 9 एजेंट दबोचे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राजधानी नई दिल्ली में पुलिस की स्पेशल सेल को एक बड़ी कामयाबी मिली है। टीम ने राजधानी को दहलाने की साजिश को नाकाम कर दिया है। शनिवार (30 मई, 2026) को किए गए इस ऑपरेशन में 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह सभी पाकिस्तान समर्थित नेटवर्क और मुंबई के अंडरवर्ल्ड से जुड़े थे और दिल्ली में सुरक्षाबलों और संवेदनशील जगहों को निशाना बनाने की तैयारी में थे। जांच में पता चला है कि आरोपियों का मकसद दिल्ली की कई अहम और संवेदनशील जगहों पर हमला करना था।

दिल्ली में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी

अपने हैंडलर्स के संपर्क में थे आतंकी

रिपोर्ट के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए लोग कथित तौर पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के संपर्क में थे। बताया जा रहा है कि इन्हें अलग-अलग टारगेट्स पर हमला करने की जिम्मेदारी दी गई थी और ये लोग नियमित रूप से अपने हैंडलर्स के संपर्क में थे। जांच में यह भी सामने आया है कि यह मॉड्यूल सिर्फ दिल्ली ही नहीं, बल्कि इसके तार देश के अन्य हिस्सों से भी जुड़े हो सकते हैं।

केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु में 19 जगहों पर एनआईए की छापेमारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को तीन राज्यों में 19 ठिकानों पर ताबड़तोड़ तलाशी अभियान चलाया। एनआईए की यह कार्रवाई केरल के मलप्पुरम जिले से अवैध विस्फोटकों की बरामदगी से जुड़ी जांच के सिलसिले में की गई है।

जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में 19 स्थानों पर तलाशी अभियान चला रही है। एनआईए ने केरल के तिरुआरंगडी में विस्फोटक सामग्री से भरे ट्रक की जांच के मामले में मलप्पुरम जिले में दो स्थानों पर छापेमारी की। तिरुरंगडी के एक गोदाम और पुथियाथुकुन्नू, वंदूर में ट्रक मालिक की पत्नी के घर पर तलाशी ली गई। मामले में आगे की जांच और पूछताछ जारी है।

अवैध विस्फोटक मामले में चलाया तलाशी अभियान

अफगानिस्तान में बड़ा सड़क हादसा, 22 शरणार्थियों की मौत

एजेंसी ▶▶| काबुल

पूर्वी अफगानिस्तान में शनिवार को पड़ोसी देश पाकिस्तान से लौट रहे अफगान शरणार्थियों से भरा एक ट्रक राजमार्ग पर पलट गया जिससे कम से कम 22 लोगों की जान चली गई और 36 अन्य घायल हो गए। हताहतों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता अब्दुल मलिक नियाज़ई ने बताया कि यह दुर्घटना लग़मान प्रांत में उस मुख्य राजमार्ग पर हुई, जो राजधानी काबुल को नंगरहार प्रांत से जोड़ता है। उन्होंने बताया कि मृतकों में 10 बच्चे और पांच महिलाएं शामिल हैं और घायलों को इलाज के लिए नंगरहार के अस्पतालों में ले जाया गया है। प्रांतीय जन स्वास्थ्य निदेशक अमीनउल्लाह शरीफ ने बताया कि इस दुर्घटना में 22 लोग मारे गए और लगभग 36 घायल हुए। उन्होंने कहा कि यह दुर्घटना तब हुई जब चालक को नींद आ गई और ट्रक खाई में गिर गया।

हिन्दी पत्रकारिता द्विशताब्दी पर जारी हुआ स्मारक डाक टिकट

पत्रकारिता का इतिहास, भारत का भी इतिहास : सिंधिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होने पर भारत सरकार ने हिन्दी के पहले समाचार पत्र 'उदन्त मार्त्तण्ड' और उसके सम्पादक युगल किशोर शुक्ल के सम्मान में एक स्मृति डाक टिकट और प्रथम दिवस आवरण जारी किया। संस्कृति मंत्रालय के स्वायत्त संस्थान इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) तथा माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में यहां आईजीएनसीए सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 'हिन्दी पत्रकारिता के 200 साल की महागाथा' ग्रंथ का विमोचन भी किया गया।

'महागाथा का विमोचन'

आयोजन में 'हिन्दी पत्रकारिता : 200 साल की महागाथा' का विमोचन भी हुआ। 'पद्म श्री' विजयदत्त श्रीधर और डॉ. सच्चिदानंद जोशी द्वारा संपादित यह ग्रंथ हिन्दी पत्रकारिता की दो शताब्दियों की व्यापक यात्रा का दस्तावेज है। कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए विजयदत्त श्रीधर ने कहा, हिन्दी पत्रकारिता की 200 वर्ष की यात्रा प्रतिरोध की यात्रा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

आउटसोर्सिंग कार्य हेतु निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना सं. 48-यांत्रिक-बिलासपुर-वेल्डिंग-सीआईसी, दिनांकः 23-05-2026

कार्य : खुली निविदा के आधार पर चार साल की अवधि के लिए सीआईसी सेक्शन के अंतर्गत विभिन्न साइडिंग एवं बिजुरी यार्ड में अनलोडेबल वेगन्स के वेल्डिंग व रिपेयर गतिविधियां की आउटसेर्सिंग। निविदा **मूल्यः** ₹ 10,68,24,434/–, (रूपये दस करोड अडसठ लाख चौबीस हजार चार सौ चौतीस मात्र समस्त खर्चों एवं जीएसटी सहित), **अमानत राशिः** ₹ 06,84,100/–,रूपये छः लाख चौरासी हजार एक सौ मात्र। **निविदा का खुलनाः दिनांक** 16.06.2026 को दोपहर 12:00 खोले जाएंगे। उपरोक्त ई–निविदा की विस्तृत जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई–निविदा के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।

वरि.मंडल यांत्रिक अभियंता (फ्रेट)
सीपीआर/10/151 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रण सूचना

रेल कार्गो के प्रबंधन हेतु अतिरिक्त टर्मिनलों के विकास में निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रेलवे बोर्ड द्वारा मास्टर परिपत्र–2026 "गति शक्ति बहु मोडल माल टर्मिनल (जीसीटी) तथा कार्गो संबंधी सुविधाओं (सीआरएफ) के विकास के माध्यम से रेल आधारित लॉजिस्टिक्स" दिनांक 14.02.2026 के माध्यम से नई गति शक्ति बहु मोडल माल टर्मिनल नीति लागू की गई है।

उक्त नीति के क्रियान्वयन हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा बिलासपुर मंडलधिकार क्षेत्र के अंतर्गत उपलब्ध उपयुक्त रेलवे भूमि पर पूर्णतः अथवा आंशिक रूप से गति शक्ति बहु–मोडल कार्गो टर्मिनल (GCT) स्थापित करने हेतु इच्छुक एवं पात्र एजेंसियों से रूचि अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रित की जाती है।

यह रूचि अभिव्यक्ति दस्तावेज बिलासपुर मंडल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षरा प्रकाशित किया जा रहा है। इस दस्तावेज का उद्देश्य इच्छुक एवं पात्र एजेंसियों को परियोजना से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना, परियोजना के दायरे से अवगत कराना तथा उनसे सुझाव एवं प्रतिक्रिया प्राप्त करना है। इच्छुक एजेंसियों को सलाह दी जाती है कि वे EOI सूचना के प्रत्युत्तर में अपने सुझाव एवं प्रतिक्रिया प्रस्तुत करने से पूर्व इस दस्तावेज का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लें। इस EOI दस्तावेज के अंतर्गत प्रतिभागियों से प्राप्त सुझाव एवं प्रतिक्रियाओं काउपयोग निकट भविष्य में प्रस्तावित परियोजना के लिए निविदा आमंत्रण प्रस्ताव (RFP/टेंडर) को अंतिम रूप देने में किया जा सकता है।

EOI प्रतिक्रिया प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	31.12.2026
EOI के लिए प्रस्ताव/प्रतिक्रिया प्रस्तुत करने का पता	प्रतिक्रिया की हार्ड कॉपी निम्न पते पर प्रस्तुत की जा सकती है। – वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वाणिज्य शाखा, कार्यालय परिसर, रेलवे कॉलोनी, बिलासपुर – 495004 (छ.ग.)
संबंधित शर्तें एवं नीति दस्तावेज	मास्टर परिपत्र–2026 "गति शक्ति बहु मोडल माल टर्मिनल (जीसीटी) तथा कार्गो संबंधि सुविधाओं (सीआरएफ) के विकास के माध्यम से रेल आधारित लॉजिस्टिक भारतीय रेल की आधिकारिक वेबसाइट https://indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।

CPR/10/FL/156
मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)
द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

रजिस्ट्री सं.डी.एल.-33004/99 REGD. No. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.डी.एल.-अ. - 23052026-272826
CG-CG-E-23052026-272826
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II - खण्ड 3 - उप-खण्ड (ii)
PART II — Section 3 — Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. -2524] नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 22, 2026/ज्येष्ठ 1, 1948
No.- 2524] NEW DELHI, FRIDAY, MAY 22, 2026/JYAISHTHA 1, 1948

रेल मंत्रालय (दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे)

अधिसूचना

बिलासपुर, 21 मई, 2026

रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 20 क के अंतर्गत सूचना

का.आ. 2616 (अ).- रेल अधिनियम, 1989 की धारा 20क की उपधारा (1) जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है, द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सार्वजनिक उद्देश्य के लिए संतुष्ट होने के बाद ऐसी भूमि का जिसका संक्षिप्त वर्णन संलग्न अनुसूची में दिया गया है, जो कि विशेष रेल परियोजना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर जिले में स्थित दगोरी बिल्हा के बीच रेल फ्लाई ओवर (8.18 कि.मी.) के परियोजना के निर्माण हेतु । छत्तीसगढ़ राज्य में निष्पादन के लिए आवश्यक है, एतद्वारा अधिग्रहण करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त, अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (1) के अधीन, पुर्वोतक प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के अर्जन एवं उपयोग के संबंध पर आक्षेप कर सकेगा ।

ऐसा प्रत्येक आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, यानी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बिल्हा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ को लिखित में किया जायेगा और उसके आधार उपवर्णित किये जायेंगे तथा सक्षम प्राधिकारी आक्षेपकर्ता को व्यक्तिगत रूप से विधि व्यवसायी के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और ऐसे सभी आक्षेपो की सुनवाई करने तथा ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, तो करने के पश्चात, जो सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझे, आदेश द्वारा, आक्षेपों को या तो अनुज्ञात या अनअनुज्ञात कर सकेगा ।

उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई भी आदेश अंतिम होगा, इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि या रेखांकन एवं अन्य ब्यौरे उपलब्ध है और हितबद्ध व्यक्ति द्वारा उनका निरीक्षण सक्षम प्राधिकारी के उपरोक्त कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर जिले में स्थित "दगोरी-बिल्हा के बीच रेल फ्लाई ओवर (8.18 कि.मी.)" परियोजना का निर्माण हेतु, बिलासपुर जिले के लिए अधिग्रहण किये जाने के लिए संरचना के सहित या उनके रहित भूमि का संक्षिप्त विवरण -

जिला का नाम - बिलासपुर ग्राम का नाम - दगोरी (राज्य-छत्तीसगढ़)

क्रम. संख्या	तहसील का नाम	गाँव का नाम	खसरा/प्लाट संख्या	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	निजी/शासकीय भूमि
1	बिल्हा	दगोरी	399/1	0.008	निजी
2			399/3	0.251	निजी
3			399/4	0.020	निजी
4			401/1	0.263	निजी
			401/2	0.045	निजी
5			402/1	0.006	निजी
			428	0.081	निजी
6			402/2	0.036	निजी
7			402/3	0.016	निजी
8			414	0.170	निजी
9			415	0.138	निजी
10			426	0.182	निजी
11			427/1	0.008	निजी
			427/2	0.170	निजी
12			434/1	0.093	निजी
13			434/2	0.020	निजी
14			435/1	0.041	निजी
15	बिल्हा	दगोरी	435/2	0.024	निजी
16			443/1	0.032	निजी
17			444/1	0.089	निजी
18			444/2	0.028	निजी
19			445/3	0.057	निजी
20			668/5	0.012	निजी
21			668/7	0.004	निजी
			योग	1.794 हेक्टेयर	

जिला का नाम - बिलासपुर ग्राम का नाम - गोढ़ी (राज्य-छत्तीसगढ़)

क्रम. संख्या	तहसील का नाम	गाँव का नाम	खसरा/प्लाट संख्या	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	निजी/शासकीय भूमि
1	बिल्हा	गोढ़ी	252/1	3.682	शासकीय भूमि
			योग	3.682 हेक्टेयर	

जिला का नाम - बिलासपुर ग्राम का नाम - गोढ़ी (राज्य-छत्तीसगढ़)

क्रम. संख्या	तहसील का नाम	गाँव का नाम	खसरा/प्लाट संख्या	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	निजी/शासकीय भूमि
1	बिल्हा	गोढ़ी	2/1	0.113	निजी भूमि
2			2/3	0.069	निजी भूमि
3			273/3	0.121	निजी भूमि
4			273/4	0.057	निजी भूमि
5			274/3	0.057	निजी भूमि
6			274/6	0.113	निजी भूमि
			274/17	0.008	निजी भूमि
			274/18	0.012	निजी भूमि
7			274/11	0.073	निजी भूमि
8			274/12	0.065	निजी भूमि
9			274/36	0.077	निजी भूमि
10			274/16	0.105	निजी भूमि
			274/37	0.153	निजी भूमि
11			274/19	0.113	निजी भूमि
			274/20	0.113	निजी भूमि
12			280/1	0.016	निजी भूमि
13			280/2	0.008	निजी भूमि
14			280/3	0.020	निजी भूमि
15			281	0.247	निजी भूमि
16			282	0.085	निजी भूमि
17			283	0.004	निजी भूमि
18			284/1	0.057	निजी भूमि
19			284/2	0.016	निजी भूमि
			284/3	0.073	निजी भूमि
20			284/4	0.024	निजी भूमि
21			284/5	0.004	निजी भूमि
			284/6	0.154	निजी भूमि
22			284/7	0.040	निजी भूमि
			योग	1.897 हेक्टेयर	

कुल योग - 7.373 हेक्टेयर

(फा.सं. डी.सी.ई-II / कॉन / आर / रेल फ्लाई ओवर / दगोरी-बिल्हा /20क/)

मुदित भटनागर,
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)

CPR/10/AM/158

निवेश : सहज पके सो मीठा होय, जल्दबाजी में घाटा

सुझाव | बिजनेस डेस्क

आज के समय में निवेश का सबसे लोकप्रिय तरीका एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान बन चुका है। छोटी-छोटी रकम से निवेश शुरू करने की सुविधा और लंबी अवधि में बड़ा फंड बनाने की क्षमता ने इसे आम लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय बना दिया है। खासकर नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग के लोग एसआईपी को भविष्य की आर्थिक सुरक्षा का मजबूत साधन मान रहे हैं। हालांकि, कई निवेशक बाजार में गिरावट आते ही घबरा जाते हैं और जल्दी पैसा निकाल लेते हैं। यही जल्दबाजी उन्हें नुकसान पहुंचाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि एसआईपी में असली मुनाफा धैर्य रखने वालों को मिलता है। हाल ही में सामने आई एक स्टडी भी यही साबित करती है कि जितनी लंबी अवधि तक निवेश जारी रखा जाए, जोखिम उतना कम होता जाता है और रिटर्न ज्यादा भरोसेमंद बनते हैं।

30 वर्ष की स्टडी में सामने आई बड़ी बात

एक स्टडी में अगस्त 1996 से अप्रैल 2024 तक के सेंसेक्स टीआरआई के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें मंथली एसआईपी निवेश के प्रदर्शन को अलग-अलग अवधियों में जांचा गया। स्टडी के मुताबिक कम समय के निवेश में रिटर्न काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा, जबकि लंबी अवधि में यह अंतर कम हो गया। यानी जो निवेशक थोड़े समय के लिए एसआईपी करते हैं, उन्हें कभी बड़ा मुनाफा तो कभी बड़ा नुकसान देखने को मिल सकता है। लेकिन जो लोग लंबे समय तक निवेश में बने रहते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत स्थिर और बेहतर रिटर्न मिलता है।

तीन साल की एसआईपी में बड़ा जोखिम

स्टडी के अनुसार, तीन साल की एसआईपी में रिटर्न का अंतर बहुत ज्यादा देखने को मिला। कुछ निवेशकों को जहां 55.6 प्रतिशत तक का शानदार मुनाफा मिला, वहीं कई मामलों में 24.6 प्रतिशत तक का नुकसान भी हुआ। यह आंकड़े बताते हैं कि कम समय में शेयर बाजार की अस्थिरता निवेश पर गहरा असर डालती है। यदि बाजार गिरावट के दौर में हो और निवेशक जल्दबाजी में पैसा निकाल ले, तो नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए विशेषज्ञ एसआईपी को शॉर्ट टर्म नहीं बल्कि लॉन्ग टर्म निवेश मानते हैं।

8 साल बाद घाटे की संभावना खत्म

स्टडी की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि जिन निवेशकों ने लगातार 8 साल या उससे ज्यादा समय तक एसआईपी जारी रखी, उन्हें किसी भी अवधि में नुकसान नहीं हुआ। यानी लंबे समय तक निवेश बनाए रखने पर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर धीरे-धीरे कम हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबी अवधि में बाजार की गिरावट अस्थायी साबित होती है और अर्थव्यवस्था की ग्रोथ के साथ निवेश का मूल्य बढ़ता है। यही कारण है एसआईपी में समय सबसे बड़ा हथियार माना जाता है।

10 साल बाद बढ़ जाती है भरोसेमंद कमाई

स्टडी के मुताबिक, तीन साल की एसआईपी में 10 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न मिलने की संभावना 67 प्रतिशत रही। लेकिन जैसे-जैसे निवेश की अवधि बढ़ी, यह संभावना भी मजबूत होती गई। 10 साल के निवेश में 10 प्रतिशत से अधिक रिटर्न मिलने की संभावना 95 प्रतिशत तक पहुंच गई। वहीं 12 से 15 साल की एसआईपी में यह आंकड़ा 98 प्रतिशत रहा। इसका मतलब है कि लंबे समय तक निवेश करने वालों के लिए बेहतर रिटर्न की संभावना बेहद मजबूत हो जाती है।

15 वर्ष की एसआईपी ने दिया स्थिर रिटर्न

यदि 15 साल की एसआईपी का प्रदर्शन देखें तो रिटर्न का दायरा 7.3 प्रतिशत से 18.2 प्रतिशत के बीच रहा। यह अंतर तीन साल की तुलना में काफी कम है। लंबी अवधि में निवेश ज्यादा स्थिर और भरोसेमंद बन जाता है। विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि बहुत लंबी अवधि में रिटर्न थोड़ा औसत या संतुलित हो सकता है। यानी शुरुआती वर्षों की तरह बहुत अधिक तेजी नहीं दिखती, लेकिन जोखिम भी काफी कम हो जाता है। एसआईपी को सुरक्षित और अनुशासित निवेश का तरीका माना जाता है।

लंबी अवधि ही सफलता की कुंजी

स्टडी संकेत देती है कि एसआईपी में जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है, जबकि धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर और स्थिर रिटर्न मिलता है। कम समय में जोखिम ज्यादा रहता है, लेकिन 8 से 10 साल के बाद घाटे की संभावना कम हो जाती है। एसआईपी का बड़ा फायदा कंपाउंडिंग होता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- कंपाउंडिंग की ताकत भविष्य बना सकती है आर्थिक रूप से मजबूत
- निवेश से पूरे हो सकते हैं घर, शिक्षा और रिटायरमेंट के सपने
- एसआईपी और म्यूचुअल फंड युवाओं की पहली पसंद बन रहे

समय पर निवेश ही बनाता है आर्थिक सुरक्षा की मजबूत नींव, छोटी बचत और लंबी अवधि से तैयार हो सकती है बड़ी पूंजी

आज का निवेश, कल की सुरक्षा पेड़ की तरह छाया देता है पैसा

बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना, रिटायरमेंट, मेडिकल सुरक्षा, विदेश यात्रा या आर्थिक स्वतंत्रता। जब लक्ष्य स्पष्ट होते हैं, तो निवेश की रणनीति बनाना आसान हो जाता है। इसके साथ ही निवेश में सबसे महत्वपूर्ण चीज है अनुशासन। बहुत से लोग शुरुआत तो कर देते हैं, लेकिन कुछ समय बाद निवेश बंद कर देते हैं। यह सबसे बड़ी गलती मानी जाती है। निवेश को नियमित आदत बनाना जरूरी है।

आज के दौर में आर्थिक सुरक्षा हर व्यक्ति की सबसे बड़ी जरूरत बन चुकी है। बढ़ती महंगाई, अनिश्चित नौकरियां, महंगी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं ने लोगों को भविष्य को लेकर अधिक गंभीर बना दिया है। ऐसे समय में निवेश केवल अमीर लोगों की आदत नहीं, बल्कि हर व्यक्ति की जरूरत बन गया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि निवेश एक पेड़ की तरह होता है। यदि आज इसके बीज बोए जाएं और समय-समय पर इसकी देखभाल की जाए, तो यही पेड़ भविष्य में छाया, फल और सुरक्षा प्रदान करता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार युवाओं को कम उम्र से ही निवेश की शुरुआत करने की सलाह देते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि निवेश का मतलब केवल शेयर बाजार में पैसा लगाना है, जबकि ऐसा नहीं है। निवेश का अर्थ है अपने पैसे को ऐसे साधनों में लगाना, जहां वह समय के साथ बढ़ सके और भविष्य में आर्थिक मजबूती दे सके। यह शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट, बॉन्ड, पीपीएफ, सोना, रियल एस्टेट या किसी व्यवसाय में निवेश के रूप में हो सकता है। हर निवेश का उद्देश्य भविष्य में बेहतर रिटर्न और आर्थिक सुरक्षा प्राप्त करना होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार निवेश की शुरुआत हमेशा स्पष्ट लक्ष्य के साथ करनी चाहिए। बिना लक्ष्य के किया गया निवेश अक्सर बीच रास्ते में रुक जाता है या सही दिशा नहीं पकड़ पाता। इसलिए पहले यह तय करना जरूरी है कि निवेश किस उद्देश्य से किया जा रहा है।

निवेश के प्रमुख प्रकार

निवेश मुख्य रूप से तीन प्रकार के होते हैं। पहला वित्तीय निवेश, जिसमें शेयर, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, एसआईपी और बैंकिंग योजनाएं शामिल हैं। दूसरा वास्तविक निवेश, जिसमें जमीन, मकान, सोना और अन्य भौतिक संपत्तियां आती हैं। तीसरा व्यवसायिक निवेश, जिसमें किसी कारोबार में पूंजी लगाई जाती है। आज युवाओं के बीच एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

कंपाउंडिंग की ताकत बदल सकती है भविष्य

निवेश की दुनिया में कंपाउंडिंग को सबसे बड़ा जादू माना जाता है। इसका अर्थ है कि निवेश पर मिलने वाला रिटर्न भी आगे चलकर कमाई करना शुरू कर देता है। यही कारण है कि छोटी-छोटी रकम भी लंबे समय में बड़ी पूंजी में बदल सकती हैं। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति 25 वर्ष की उम्र से हर महीने पांच हजार रुपये निवेश करना शुरू करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मिलता है, तो 60 वर्ष की उम्र तक वह करोड़ों रुपये का फंड तैयार कर सकता है। वहीं यदि यही निवेश 40 वर्ष की उम्र से शुरू किया जाए, तो अंतिम राशि काफी कम रह जाएगी।

निवेश क्यों जरूरी है

महंगाई धीरे-धीरे पैसे की कीमत कम करती रहती है। आज जो चीज 100 रुपये में मिलती है, वह कुछ वर्षों बाद 200 या 300 रुपये की हो सकती है। यदि पैसा केवल बचत खाते में पड़ा रहे, तो उसकी वास्तविक वैल्यू घटती जाती है। निवेश इस नुकसान से बचाने का माध्यम बनता है। सही निवेश न केवल पूंजी बढ़ाता है, बल्कि अतिरिक्त आय का जरिया भी बन सकता है। कुछ निवेश साधन टैक्स बचाने में भी मदद करते हैं। इसके अलावा निवेश आर्थिक आत्मनिर्भरता देता है, जिससे व्यक्ति भविष्य की जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहता।

जोखिम को समझना भी बेहद जरूरी

हर निवेश के साथ कुछ न कुछ जोखिम जुड़ा होता है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, आर्थिक मंदी, महंगाई और वैश्विक घटनाएं निवेश को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी जोखिम उठाने की क्षमता को समझना जरूरी है। यदि कोई व्यक्ति जोखिम कम लेना चाहता है, तो उसे सुरक्षित निवेश विकल्प चुनने चाहिए। वहीं युवा निवेशक लंबी अवधि के कारण थोड़ा अधिक जोखिम लेकर बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं। लेकिन किसी भी निवेश में बिना जानकारी और बिना रिसर्च के पैसा लगाना खतरनाक हो सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेश हमेशा विविध होना चाहिए। यानी सारा पैसा एक ही जगह नहीं लगाना चाहिए। यदि निवेश अलग-अलग क्षेत्रों में किया जाए, तो जोखिम कम हो जाता है। यही कारण है कि कहा जाता है कि "सभी अंडे एक टोकरी में नहीं रखने चाहिए।"

डिजिटल दौर में सावधानी भी जरूरी

आज ऑनलाइन निवेश तेजी से बढ़ रहा है। मोबाइल ऐप और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने निवेश को आसान बना दिया है। लेकिन इसके साथ साइबर ठगी और फर्जी निवेश सलाह का खतरा भी बढ़ा है। सोशल मीडिया पर कई लोग खुद को निवेश गुरु बताकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश हमेशा विश्वसनीय और रजिस्टर्ड प्लेटफॉर्म के जरिए ही करना चाहिए। किसी भी "गारंटीड रिटर्न" या "दोगुना पैसा" जैसी योजनाओं से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। निवेश से पहले पूरी जानकारी लेना बेहद जरूरी है।

ऐसे करें निवेश की शुरुआत

निवेश शुरू करने के लिए सबसे पहले अपनी आय और खर्च का आकलन करें। इसके बाद हर महीने एक निश्चित राशि निवेश के लिए अलग रखें। इमरजेंसी फंड तैयार करना भी जरूरी है, ताकि अचानक जरूरत पड़ने पर निवेश तोड़ना न पड़े। इसके अलावा बाजार और निवेश साधनों के बारे में लगातार सीखते रहना चाहिए। अखबार पढ़ना, वित्तीय किताबें समझना और विशेषज्ञों की सलाह लेना फायदेमंद हो सकता है।

संयम के साथ किया गया एसआईपी में निवेश बना सकता है करोड़पति

बिना लोन के भी पूरा हो सकता है कार और मकान का सपना

जानकारी | बिजनेस डेस्क

अगर आपको पूरी तरह से लार्ज-कैप इंडेक्स में ही निवेश करना है, तब तो आपके लिए सिर्फ निफ्टी 50 इंडेक्स फंड ही काफी है। या फिर आप निफ्टी 100 इंडेक्स फंड को भी देख सकते हैं, जिसका 85 फीसदी एलोकेशन निफ्टी 50 में और बाकी 15 फीसदी निफ्टी नेक्स्ट 50 में होता है, लेकिन अगर आप पैसिव फंड्स के जरिए मिड-कैप में निवेश करना चाहते और बेहतर रिटर्न की उम्मीद में ज्यादा रिस्क लेने को तैयार हैं, तो नेक्स्ट 50 और मिडकैप 150 इंडेक्स फंड के बीच किसी एक का चुनाव कर सकते हैं।

आज के समय में कार या मकान खरीदना हर व्यक्ति का सपना होता है। लेकिन बढ़ती कीमतों और महंगे लोन के कारण यह सपना कई लोगों के लिए बोझ बन जाता है। अधिकतर लोग घर या कार खरीदने के लिए बैंक से लोन लेते हैं और फिर वर्षों तक ईएमआई चुकाते रहते हैं। खासकर होम लोन में ब्याज इतना ज्यादा होता है कि कई बार व्यक्ति मूल रकम से लगभग दोगुनी राशि चुका देता है। ऐसे में यदि सही समय पर निवेश की योजना बना ली जाए तो बिना लोन लिए भी कार या मकान खरीदा जा सकता है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कोई व्यक्ति 10 से 15 साल पहले से योजना बनाकर म्यूचुअल फंड में एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान शुरू करे तो वह बड़ा फंड तैयार कर सकता है। यही फंड भविष्य में कार या मकान खरीदने में मदद कर सकता है। एसआईपी न केवल निवेश की आदत विकसित करती है बल्कि लंबे समय में कंपाउंडिंग का लाभ भी देती है। लोन लेने का सबसे बड़ा नुकसान ब्याज होता है। उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति 50 लाख रुपये का होम लोन लेता है तो 20 से 25 वर्षों में उसे लगभग 90 लाख से 1 करोड़ रुपये तक चुकाने पड़ सकते हैं। यानी आधे से ज्यादा पैसा केवल ब्याज के रूप में चला जाता है। कार लोन में भी स्थिति कुछ ऐसी ही रहती है। नई कार खरीदते समय डाउन पेमेंट के बाद कई वर्षों तक ईएमआई भरनी पड़ती है। इससे मासिक बजट पर दबाव बढ़ता है और बचत की क्षमता कम हो जाती है। इसलिए जो लोग भविष्य की योजना पहले से बनाते हैं, उनके लिए एसआईपी बेहतर विकल्प साबित हो सकती है।

एसआईपी कैसे करती है मदद

एसआईपी के जरिए हर महीने एक निश्चित रकम म्यूचुअल फंड में निवेश की जाती है। यह निवेश बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद नियमित रूप से जारी रहता है। लंबी अवधि में यही छोटी-छोटी रकम बड़ा फंड बन जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार इक्विटी म्यूचुअल फंड लंबे समय में औसतन 10 से 15 प्रतिशत तक रिटर्न दे सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति अनुशासन के साथ लगातार निवेश करता रहे तो 10 से 15 वर्षों में लाखों या करोड़ों रुपये का फंड तैयार हो सकता है।

20 हजार की एसआईपी से बन सकता है बड़ा फंड

यदि कोई व्यक्ति हर महीने 20 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मिलता है, तो 10 वर्षों में उसके पास लगभग 45 लाख रुपये का फंड तैयार हो सकता है। इसमें करीब 24 लाख रुपये उसका कुल निवेश होगा, जबकि लगभग 21 लाख रुपये केवल रिटर्न या ब्याज के रूप में मिलेंगे। इतनी रकम में व्यक्ति आसानी से एक अच्छी और प्रीमियम कार खरीद सकता है।

मकान खरीदने के लिए कितनी एसआईपी जरूरी?

अगर लक्ष्य मकान खरीदने का है तो निवेश की राशि बढ़ानी होगी। उदाहरण के तौर पर यदि कोई व्यक्ति हर महीने 30 हजार रुपये की एसआईपी करता है और उसे 12 प्रतिशत का औसत रिटर्न मिलता है, तो 10 वर्षों में करीब 67 लाख रुपये का फंड तैयार हो सकता है। इसमें लगभग 36 लाख रुपये का निवेश और 31 लाख रुपये का रिटर्न शामिल होगा। वहीं यदि निवेश की अवधि 15 वर्ष कर दी जाए तो यही फंड करीब 1.4 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इतनी रकम में व्यक्ति बिना लोन के घर खरीदने का सपना पूरा कर सकता है।

जल्दी शुरुआत करना क्यों जरूरी?

एसआईपी में सबसे बड़ा फायदा समय का होता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाता है, उतना ज्यादा फायदा कंपाउंडिंग का मिलता है। कंपाउंडिंग का मतलब है कि आपके निवेश पर मिलने वाला रिटर्न भी आगे रिटर्न कमाने लगता है। यदि कोई व्यक्ति 25 वर्ष की उम्र में निवेश शुरू करता है तो उसे कम रकम निवेश करनी पड़ेगी। वहीं 35 या 40 वर्ष की उम्र में वही लक्ष्य पाने के लिए अधिक निवेश करना होगा। इसलिए विशेषज्ञ हमेशा जल्दी शुरुआत करने की सलाह देते हैं।

मध्यप्रदेश आधारित पुष्प ब्रांड ने आईपीओ के लिए आवेदन किया

PUSHP BRAND

बिलासपुर। भारत की सबसे तेजी से बढ़ती पैकेज्ड मसाला कंपनियों में से एक पुष्प ब्रांड (इंडिया) लिमिटेड ने प्रस्तावित प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश आईपीओ के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल कर दिया है। इस इश्यू में सुरेंद्र कुमार सुराना और महेंद्र कुमार सुराना सहित मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 7,445,000 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। साथ ही ए 91 इमर्जिंग फंड आई एलएलपी और सिक्स्थ सेंस इंडिया अपॉर्चुनिटीज III (इन्वेस्टर सेलिंग शेयरधारक) भी शामिल हैं। ए 91 इमर्जिंग फंड आई एलएलपी ने 2020 में कंपनी में लगभग 125 करोड़ रुपए का निवेश किया था। इसकी कंपनी में 20.14% हिस्सेदारी है और वह इस ऑफर के माध्यम से अपनी हिस्सेदारी का केवल एक हिस्सा बेच रही है। इसी तरह सिक्स्थ सेंस इंडिया अपॉर्चुनिटीज III ने 2023 में लगभग 101 करोड़ रुपए का निवेश किया था।

इसकी 7.81% हिस्सेदारी है और वह भी इस ऑफर के तहत अपनी हिस्सेदारी का केवल एक हिस्सा बेच रही है। 1974 में मध्य प्रदेश के इंदौर में स्वर्गीय किशनलाल सुराना द्वारा मेसर्स मुनीमजी एंड संस के रूप में स्थापित यह कंपनी एक पारंपरिक क्षेत्रीय मसालों के व्यवसाय से विकसित होकर पुष्प और मुनीमजी ब्रांडों के तहत संचालित होने वाले एक बड़े पैकेज्ड मसालों और खाद्य पदार्थों के व्यवसाय के रूप में विकसित हुई है। वित्त वर्ष 2026 में मसालों की श्रेणी में इसकी पुनः खरीद 95% से अधिक और अन्य उत्पादों में 83% से अधिक रही। वित्त वर्ष 2025 में मूल्य के हिसाब से 20.7% बाजार हिस्सा था और राज्य में लगभग 58% बाजार हिस्से के साथ सबसे बड़ा पैकेटबंद हींग ब्रांड है। इसके मिश्रित मसालों की श्रेणी में गरम मसाला, अचार मसाला, शाही बिरयानी मसाला, सांभर मसाला, पाव भाजी मसाला और चाट मसाला जैसे उत्पाद शामिल हैं, जबकि मुनिमजी ब्रांड के अंतर्गत सोया चंक्स, ग्रेन्यूल्स और चाय जैसे उत्पाद भी उपलब्ध हैं। कंपनी वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में पुष्प ब्रांड के तहत "पुष्प कड़क चाय" लॉन्च करने की योजना बना रही है। 31 मार्च 2026 तक कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में शुद्ध मसाले, मिश्रित मसाले और अन्य उत्पाद श्रेणियों में 312 एसकेयू शामिल थे, जिनमें शुद्ध मसालों में 129 एसकेयू, मिश्रित मसालों में 173 एसकेयू और अन्य उत्पादों में 10 एसकेयू शामिल थे, जो पोर्टफोलियो के निरंतर विविधीकरण और श्रेणी विस्तार को दर्शाते हैं।

मंडल रेल प्रबंधक दिल्ली ने डीआरयूसीसी सदस्यों के साथ की बैठक

बिलासपुर। मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्यों ने रेल अधिकारियों के साथ बातचीत की। मंडल रेल प्रबंधक दिल्ली पुष्पेशरमण त्रिपाठी आज मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय नई दिल्ली में मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। इस अवसर पर दिल्ली मंडल के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।यह बैठक राष्ट्र को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए जन-सुविधा बढ़ाने रेलमंत्रालय द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप है। यात्रियों के लाभ के लिए त्वरित समाधान खोजने के लिए समिति के नामित सदस्यों के साथ दिल्ली मंडल के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में रेलवे संबंधी मुद्दों पर चर्चा की गई। मंडल रेल प्रबंधक दिल्ली पुष्पेशरमण त्रिपाठी ने डी.आर.यू.सी.सी. सदस्यों का स्वागत किया और उन्हें उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल के अधिकार क्षेत्र में आने वाले स्टेशनों और ट्रेनों में यात्री सुविधाओं, बुनियादी ढाँचे और यात्री सेवाओं से संबंधित विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों, नई पहलों और पूर्ण हो चुके, चल रहे एवं नियोजित कार्यों के बारे में जानकारी दी। मंडल रेल प्रबंधक श्री त्रिपाठी ने सदस्यों को आश्वसान दिया कि उत्तर रेलवे का दिल्ली मंडल सदस्यों द्वारा दिए गए विभिन्न सुझावों को लागू करने का प्रयास करेगा।

डिजिटल ठगी के जाल से रहें अलर्ट, वरना हो सकता है भारी नुकसान

फर्जी ट्रेडिंग टिप्स से मिनटों में खाली हो सकता है अकाउंट

सावधानी | बिनेस डेस्क

आज के दौर में शेयर बाजार में निवेश करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। मोबाइल ऐप और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने निवेश को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ ही ऑनलाइन ठगी और फर्जी निवेश सलाह का खतरा भी कई गुना बढ़ गया है। खासकर इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, व्हाट्सएप और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चल रहे ट्रेडिंग चैनल और टिप्स ग्रुप लाखों लोगों को आसान कमाई का सपना दिखाकर जाल में फंसा रहे हैं। कई लोग बिना रिसर्च किए इन प्लेटफॉर्म पर बताए गए शेयरों में पैसा लगा देते हैं और बाद में भारी नुकसान उठाते हैं। हाल ही में एनएसई और सेबी ने निवेशकों को ऐसे फर्जी सोशल मीडिया हैंडल्स और टेलीग्राम चैनलों से सावधान रहने की सलाह दी है। एक्सचेंजों ने स्पष्ट किया है कि कई लोग खुद को ट्रेडिंग एक्सपर्ट, मार्केट गुरु या निवेश सलाहकार बताकर निवेशकों के अकाउंट तक एक्सेस मांगते हैं और बाद में रकम गायब कर देते हैं। कई मामलों में 'डबल पैसा', 'गारंटीड प्रॉफिट', '100 प्रतिशत सटीक कॉल' और 'इंट्राडे में लाखों कमाएं' जैसे झूठे दावे किए जाते हैं।

सोशल मीडिया पर निवेश सलाह के नाम पर बढ़ रहा फ्रॉड

डब्बा ट्रेडिंग बना बड़ा खतरा

डिजिटल फ्रॉड के साथ-साथ डब्बा ट्रेडिंग का नेटवर्क भी तेजी से फैल रहा है। यह पूरी तरह अवैध ट्रेडिंग व्यवस्था है, जिसमें लेन-देन आधिकारिक स्टॉक एक्सचेंज के बाहर किया जाता है। इसमें निवेशकों का पैसा सीधे ठगों के हाथ में चला जाता है और किसी प्रकार की कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती। एनएसई ने कई ऐसे प्लेटफॉर्म और मोबाइल नंबरों के खिलाफ चेतावनी जारी की है जो फर्जी ट्रेडिंग सेवाएं चला रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, छोटे शहरों और नए निवेशकों को सबसे ज्यादा निशाना बनाया जा रहा है।

एनएसई और सेबी ने जारी की चेतावनी, निवेशक भी बरतें सावधानी

बदल रहा निवेश का तरीका

भारत आज दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन चुका है। करोड़ों नए निवेशक हर महीने बाजार से जुड़ रहे हैं। डिजिटल इंडिया और ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के विस्तार ने निवेश को घर-घर तक पहुंचा दिया है। लेकिन इसी का फायदा साइबर ठग भी उठा रहे हैं। अब ठगी केवल फोन कॉल तक सीमित नहीं रही, बल्कि एआई जनरेटेड वीडियो, फर्जी स्क्रीनशॉट, नकली प्रॉफिट रिपोर्ट और डीपफेक वीडियो के जरिए लोगों को भ्रमित किया जा रहा है।

पोंजी व पिरामिड स्कीम ऑनलाइन

पहले जहां पोंजी और पिरामिड योजनाएं ऑफलाइन चलाई जाती थीं, वहीं अब ये सोशल मीडिया और मोबाइल ऐप्स के जरिए फैल रही हैं। लोगों को कहा जाता है कि वे नए निवेशक जोड़ें और कमीशन कमाएं। शुरुआत में कुछ लोगों को लाभ देकर भरोसा पैदा किया जाता है, लेकिन बाद में पूरी योजना अचानक बंद हो जाती है और निवेशकों का पैसा डूब जाता है। पिछले कुछ वर्षों में देशभर में ऐसे कई ऑनलाइन निवेश घोटाले सामने आ चुके हैं।

क्रिप्टो व विदेशी निवेश के नाम पर ठगी

क्रिप्टोकरेंसी और विदेशी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म भी ठगों का नया हथियार बन चुके हैं। "एक महीने में पैसा दोगुना", "विदेशी बाजार से रोज कमाई" और "एआई ट्रेडिंग बॉट" जैसे ऑफर देकर लोगों को निवेश के लिए उकसाया जाता है। कई प्लेटफॉर्म बिना किसी रेगुलेशन के काम कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी निवेश योजना में अत्यधिक मुनाफे का दावा किया जा रहा है तो निवेशकों को तुरंत सतर्क हो जाना चाहिए।

कैसे बचें डिजिटल निवेश ठगी से

निवेश करने से पहले यह जरूर जांच लें कि सलाह देने वाला व्यक्ति या संस्था सेबी में रजिस्टर्ड है या नहीं। किसी भी अनजान टेलीग्राम चैनल या इंस्टाग्राम पेज पर भरोसा न करें। अपने ट्रेडिंग अकाउंट का पासवर्ड या ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। "गारंटीड रिटर्न" और "जोखिम मुक्त निवेश" जैसे दावों से दूरी बनाकर रखें। निवेश हमेशा अपनी समझ और रिसर्च के आधार पर करें। विशेषज्ञ मानते हैं कि शेयर बाजार लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का मजबूत माध्यम है, लेकिन बिना जानकारी और लालच में किया गया निवेश लोगों को आर्थिक संकट में भी डाल सकता है। इसलिए सोशल मीडिया के चमकदार विज्ञापनों और फर्जी ट्रेडिंग गुरुओं से सावधान रहना बेहद जरूरी है। समझदारी, धैर्य और सही जानकारी ही सुरक्षित निवेश की सबसे बड़ी कुंजी है।

खबर संक्षेप

हत्या के आरोप में पार्षद सहित चार गिरफ्तार

रायपुर। मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में 22 मई से गायब युवक की हत्या के आरोप में पुलिस ने मंदिर हसौद के पार्षद सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में पार्षद का मामा भी शामिल है, जिसने लाश दफनाने में आरोपियों की मदद की थी। भुवनेश्वर यादव की हत्या के आरोप में पुलिस ने पार्षद नोहर दास उर्फ गोलू रात्रे, अमित राजपूत, टेमचंद बंजारे तथा पार्षद के मामा महासमुंद निवासी श्रवण जांगड़े को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया है कि शराब पीने वे सभी कार में निकले थे। इस दौरान भुवनेश्वर ने शराब के नशे में पार्षद को एक थप्पड़ मार दिया और उसके साथ गाली-गलौज की। इससे नाराज पार्षद तथा उसके तीन साथियों ने भुवनेश्वर की बुरी तरह से पिटाई की। पिटाई के दौरान भुवनेश्वर की मौत हो गई। इसके बाद आरोपियों ने भुवनेश्वर की लाश को रेत घाट में दफना दिया था।

98 नशीले इंजेक्शन के साथ तस्कर गिरफ्तार

रायगढ़। चक्रधरनगर और साइबर थाना की संयुक्त टीम ने प्रतिबंधित नशीली इंजेक्शन को ओडिशा से लाकर रायगढ़ में खपाने की तैयारी कर रहे एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 98 नशीली इंजेक्शन बरामद किए हैं। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मरीन ड्राइव स्थित रोजगार कार्यालय के पास बड़ी मात्रा में नशीली इंजेक्शन लेकर बिक्री के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे युवक को पकड़ा। पुलिस को देखकर संदिग्ध युवक भागने लगाए लेकिन जवानों ने उसे घेरकर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मनीष डंडरिया 22 वर्ष निवासी गंगानगर, बृजराजनगर बताया। वर्तमान में वह रायगढ़ के किरोड़ीमलनगर क्षेत्र में रह रहा था। तलाशी के दौरान उसके पास से 98 नग प्रतिबंधित एनआरएक्स पेंटाजोसिन लैक्टेट, जोक्सीफिक्स इंजेक्शन बरामद किए गए, जिनकी कीमत करीब 5 हजार 953 रुपए आंकी गई है।

ऑनलाइन सट्टा सटोरिया गिरफ्तार

रायपुर। पुरानी बस्ती थाने की पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित करते एक सटोरिया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सट्टे की रकम 20 हजार रुपए जब्त की है। पुलिस ने कुशालपुर निवासी राजू देवांगन को सट्टा संचालित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। राजू कंकाली तालाब के पास स्कूटर में बैठकर अपने मोबाइल से आईपीएल में ऑनलाइन क्रिकेट पर सट्टा संचालित कर रहा था।

सूचना तंत्र की कमजोरी का फायदा उठा रहे तस्कर, कार्रवाई पर उठे सवाल

ट्रेन के बाथरूम की फॉल्स सीलिंग में मिला 10 किलो गांजा, जीआरपी ने किया जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

रेलवे स्टेशन में जीआरपी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हीराकुंड एक्सप्रेस से करीब 10.2 किलोग्राम गांजा बरामद तो कर लिया, लेकिन गांजा तस्कर को गिरफ्तार करने में नाकाम साबित हुए। ट्रेन की कोच में बाथरूम की फॉल सीलिंग के भीतर छिपाकर गांजा रखा गया था। मामले में अज्ञात तस्कर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध करते हुए जांच शुरू कर दी गई है। किंतु देखने वाली बात यह है कि अन्य मामालों की तरह यह मामला भी ठंडे बस्ते में चला जाता है या फिर शातिर गांजा तस्कर जीआरपी की गिरफ्त में आते हैं।

इस संबंध में जानकारी के अनुसार, जीआरपी को कमर्शियल कंट्रोल के माध्यम से सूचना मिली थी कि ट्रेन क्रमांक 20807 हीराकुंड एक्सप्रेस के एम-1 कोच में संदिग्ध पैकेट छिपाकर रखा गया है। सूचना मिलने के बाद जीआरपी की टीम ने हीराकुद एक्सप्रेस में रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद ट्रेन की तलाशी ली। इस तलाशी के दौरान कोच के बाथरूम के ऊपर लगी फॉल्स सीलिंग खुली हुई मिली और अंदर से खाकी रंग के सेलो टेप में लिपटे 10 पैकेट बरामद किए गए। इन पैकेट्स को बाहर निकालकर जांच करने पर उनमें गांजा पाया गया। इलेक्ट्रॉनिक तराजू से तौलने पर प्रत्येक पैकेट का वजन 1.020 किलोग्राम पाया गया। इस प्रकार कुल 10.200 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 5 लाख बताई जा रही है। जीआरपी ने मौके पर वीडियोग्राफी कराते हुए नारकोटिक्स एक्ट के प्रावधानों के तहत पूरी कार्रवाई की। बरामद गांजे को जब्त कर अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं जीआरपी अब यह पता लगाने में जुटी है कि गांजा किसने ट्रेन में रखा था और इसे कहां से लाकर कहां पहुंचाया जाना था। रेलवे के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से तस्करों की पहचान की कोशिश की जा रही है। ज्ञात हो कि इससे पहले भी कई मामलों में जीआरपी की जांच भगवान भरोसे चल रही हैं, चोरी सहित अन्य मामलो में महिने और साल बीतने के बाद भी न तो जांच पूरी हो सकी है और ना ही आरोपी गिरफ्त में आ सके हैं। ऐसे में इस मामले को भी लेकर सवाल उठना लाजमी है।

आरोपी को पकड़ने में जीआरपी असफल

यह पहला मौका नहीं है जब गांजे की तस्करी करने के लिए तस्करों ने ट्रेन का इस्तेमाल किया हो। इससे पहले ट्रेन में गांजा तस्करी करने वाले तस्करों का सहयोग करने और उनसे कमीशन लेने की पुष्टि होने पर जीआरपी के ही चार आरक्षकों के खिलाफ अपराध दर्ज करते हुए उन्हें बर्खास्त किया जा चुका है। इसमें ही एक आरक्षक सौरभ नागवंशी कुछ समय के लिए रायगढ़ में भी पदस्थ था। इस दौरान भी लगातार गांजे की तस्करी ट्रेनों से हो रही थी। जीआरपी के इन आरक्षकों की गिरफ्तारी के बाद कुछ समय के लिए ट्रेन में गांजा तस्करी पर ब्रेक जरूर लगा, लेकिन अब फिर यह सिलसिला शुरू हो चुका है।

ऑक्सीजोन की जमीन पर थाना निर्माण, छुट्टी के दिन खुला हाईकोर्ट पुलिस विभाग से किया सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

- निर्माण के दौरान पेड़ों को नुकसान नहीं पहुंचाने का निर्देश
- आने वाली पीढ़ियों के लिए इकोलॉजी और एनवायरनमेंट को बचाने की ज़रूरत

शंकर नगर रायपुर में ऑक्सीजोन में थाना बनाए जाने के खिलाफ पेश याचिका पर हाईकोर्ट में छुट्टी के दिन सुनवाई हुई। अवकाशकालीन कोर्ट ने पुलिस विभाग से पूछा कि पुलिस स्टेशन का कंस्ट्रक्शन कैसे करेंगे, जो आम लोगों की सुरक्षा के लिए भी ज़रूरी है। ज़मीन पर लगे दूसरे पेड़ों को भी बचाकर रखें और यह भी बताए कि राज्य द्वारा 36 पेड़ काटने के बदले वे मुआवज़े के तौर पर पेड़ कैसे लगाएंगे। साथ ही फॉरेस्ट डिपार्टमेंट से सलाह लेकर प्लांटेशन का प्लान भी बताएं ताकि कंस्ट्रक्शन के दौरान भी नए लगाए गए पेड़ सुरक्षित रहें।

याचिका के मुताबिक रायपुर नगर निगम के सुभाष चंद्र बोस नगर में ऑक्सीजोन की जमीन को कलेक्टर ने खम्हारडीह थाना निर्माण के लिए आवंटित किया है। सीमांकन के साथ ही यहां निर्माण कार्य प्रारंभ कर पेड़ों की कटाई प्रारंभ कर दी गई। इसके खिलाफ वार्ड वासी प्रमोद यादव एवं अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका पेश कर ऑक्सीजोन की जमीन में थाना निर्माण का विरोध किया है। हाईकोर्ट की जस्टिस नरेन्द्र कुमार व्यास की अवकाशकालीन कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। याचिकाकताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा ने कहा कि पुलिस स्टेशन के लिए जो ज़मीन दी गई थी, वह राज्य सरकार द्वारा घोषित एक ऑक्सीजन ज़ोन है। इसलिए वे पुलिस स्टेशन नहीं बना सकते क्योंकि इससे एनवायरनमेंट को नुकसान हो सकता है और पेड़ों को भी नुकसान होगा।

इकोलॉजी और एनवायरनमेंट को बचाने की जरूरत

राज्य के एडिशनल एडवोकेट जनरल ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि यह रायपुर शहर के मास्टर प्लान के तहत ग्रीन लैंड के तौर पर नोटिफाइड नहीं है, बल्कि यह राज्य सरकार द्वारा तैयार किया गया एक ऑक्सीजन ज़ोन है। उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ़ 36 पेड़ प्रभावित हुए हैं। इसके साथ ही 2022 में सरकार द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन के तहत ज़रूरी मुआवज़े के लिए जंगल लगाने के लिए राज्य सरकार द्वारा हरियाली कोष के लिए 50 हजार की राशि दी गई है। हाईकोर्ट ने इस पर कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए इकोलॉजी और एनवायरनमेंट को बचाने की ज़रूरत है। अगली सुनवाई 9 जुलाई को होगी।

जेम्स और ज्वेलरी पार्क के लिए 10 एकड़ जमीन मंजूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन की वर्षों की मांग और मेहनत रंग लाई

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन ने रायपुर पंडरी, कृषि उपज मंडी परिसर में 10 एकड़ जेम्स और ज्वेलरी को मंजूरी दी है ।

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी ने बताया कि इस कम्पोजिट कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में सराफा समाज के लिए मैन्युफैक्चरिंग, थोक व्यापार, कटिंग-पॉलिशिंग, रिफाइनिंग, मल्टी-स्टोरी कमर्शियल कॉम्प्लेक्स , मैरिज डेस्टिनेशन मॉल जैसा भव्य मार्केट, हजारों कारीगरों को रोजगार, स्किल ट्रेनिंग यह छत्तीसगढ़ को देश का सराफा हब बनाएगा। तथा वहाँ छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन का मुख्य कार्यालय एवं सभागृह प्रस्तावित रहेगा। छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन की ओर से राज्य सरकार का हार्दिक आभार जताया। उन्होंने बताया कि जून माह में महा सम्मेलन आयोजित कर सरकार का अभिनंदन किया जाएगा।

पुनर्मूल्यांकन तिथि आगे बढ़ी, अब आवेदन जून में

रायपुर। सीबीएसई बोर्ड ने कक्षा 12वीं के री-इवैल्यूएशन और वेरिफिकेशन प्रक्रिया को लेकर अपडेट जारी किया है। बोर्ड ने कहा है कि छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं के वेरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन के लिए पोस्ट-रिजल्ट एक्टिविटीज पोर्टल अब 1 जून से शुरू किया जाएगा। इससे पहले सीबीएसई ने कहा था कि आवेदन पोर्टल शुक्रवार, यानी 29 मई तक शुरू किए जाने की उम्मीद है। हालांकि अब बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि पारदर्शी और बिना तकनीकी दिक्कत वाली प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए पोर्टल को 1 जून से चालू किया जाएगा। सीबीएसई के अनुसार, यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि मूल्यांकन प्रक्रिया में उच्चतम मानकों और सभी जरूरी प्रोटोकॉल का पालन किया जा सके।

85 हजार शिक्षकों को दिलाना होगा टेट, कर्मचारी चयन बोर्ड के स्थान पर विभागीय परीक्षा की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार समय पर परीक्षा कराना अनिवार्य
- टेट अनुत्तीर्ण शिक्षकों की पदोन्नति-वेतनवृद्धि नहीं

प्रदेश के 85 हजार शिक्षकों को वेतनवृद्धि अथवा पदोन्नति के लिए टेट दिलानी होगी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा आदेश देते हुए सभी कार्यरत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है। अब तक व्यापम शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित करता आ रहा है।

व्यापम का स्थान अब कर्मचारी चयन बोर्ड लेगा। भविष्य में शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा किया जाएगा, लेकिन कार्यरत शिक्षकों के लिए परीक्षा विभागीय स्तर पर आयोजित करने की तैयारी है। इसके पूर्व लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा 13 मार्च 2026 को सभी संयुक्त संचालकों व जिला शिक्षा अधिकारियों से उन शिक्षकों की जानकारी मांगी गई थी, जो शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण नहीं हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रदेश में ऐसे शिक्षकों की संख्या लगभग 85 हजार है। टेट अनिवार्य करने के बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा 29 मई को दिए गए निर्णय के अनुसार, संबंधित राज्यों और सक्षम अधिकारियों को समय-समय पर टेट आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

समय-सीमा में वृद्धि

कोर्ट ने राहत देते हुए परीक्षा पास करने की समय-सीमा को 31 अगस्त 2027 से बढ़ाकर 31 अगस्त 2028 कर दिया है। लेकिन अन्य प्रावधानों में छूट नहीं दी गई है। सेवानिवृत्ति से जुड़े नियमजिन शिक्षकों की सेवानिवृत्ति में 5 वर्ष या उससे कम का समय बचा है, उन्हें इस परीक्षा से छूट दी गई है। जिन शिक्षकों की सेवा अवधि 5 वर्ष से अधिक शेष है, उनके लिए टेट पास करना पूर्णतया अनिवार्य है और ऐसा न करने पर उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी जा सकती है।

ऑफलाइन परीक्षा की मांग

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने जुलाई माह में विभागीय स्तर पर शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित करने का आग्रह किया है। शिक्षक संघ के अनुसार, 6 माह के अंतराल में यदि प्रत्येक वर्ष 2 बार शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन किया जाए तो योग्य शिक्षकों को कानूनी जरूरत को पूरा करने का सही मौका मिल सकेगा। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष संजय शर्मा ने, विभागीय सीमित टेट पात्रता परीक्षा के आयोजन से न्यायालय व शासन की जटिलताएं पूरी तरह दूर हो जाएंगी। एसोसिएशन ने शासन को सुझाव दिया है कि शिक्षकों की सुविधा के लिए प्रत्येक विकासखंड की 5-7 बड़ी शालाओं या संकुल शालाओं को परीक्षा केंद्र बनाया जाए, ताकि शिक्षक अपनी निकटस्थ शाला में आसानी से परीक्षा दे सकें। परीक्षा के अंतर्गत पेपर-I एवं पेपर-II दोनों आयोजित किए जाएं। शिक्षक पात्रता परीक्षा पूरी तरह ऑफलाइन आयोजित की जाए। चूंकि यह सेवाकालीन शिक्षकों के लिए आयोजित पात्रता परीक्षा है, इसलिए न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित किया जाए।

अमृतधारा जलप्रपात में युवक ने लगाई छलांग, मौत

मनेन्द्रगढ़। जिले के प्रसिद्ध अमृतधारा जलप्रपात में शनिवार शाम एक युवक की झरने से गिरने के कारण मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अमृतधारा निवासी रघुवर सिंह (35 वर्ष), पिता रूद्र सिंह पिछले करीब दो वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहा था। परिजनों द्वारा उसका उपचार भी कराया जा रहा था और बीच-बीच में उसकी स्थिति में सुधार भी हो जाता था, लेकिन बाद में फिर तबीयत बिगड़ जाती थी।

बताया जा रहा है कि शनिवार शाम लगभग 4 बजे रघुवर अमृतधारा जलप्रपात की ओर गया था। इसी दौरान उसने अचानक झरने से छलांग लगा दी। ऊंचाई से नीचे गिरने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं सूचना मिलने पर नागपुर चौकी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। इसके बाद शव को मर्चुरी में रखवाकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)
मुख्य कार्यालय-साकेत भवन, आई.टी.आई. चौक, कोरबा (छ.ग.)

फा.क्र./18/निर्माण (कोरबा जोन)/2026 कोरबा, दिनांक 22.05.2026

निविदा आमंत्रण की सूचना

लोक निर्माण विभाग से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग, रायपुर द्वारा (भवन) कार्य हेतु दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील दर अनुसूची पर (निविदा खुलने के दिनांक तक समस्त संशोधनों के साथ) शेड्युल अनुसार प्रतिषत दरों पर निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैन्युअल निविदा वेबसाईट से डाउनलोड कर त्रि-लिफाफा पद्धति माध्यम से आमंत्रित की जाती है :-

1. निर्धारित प्रारूप में निविदा प्रपत्र प्राप्त होने अंतिम तिथि-15.06.2026 सायंकाल 3:00 बजे तक
2. निविदा खुलने की अंतिम तिथि-15.06.2026 सायंकाल 4:30 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि में	धरोहर राशि रु में
1	वार्ड क्र. 13 अंतर्गत अटल आवास शारदा विहार में आर.सी.सी. नाली निर्माण, कलवर्ट एवं पेवर ब्लॉक बिछाने का कार्य। (पार्षद निधि 2025-26)	7,00,000/-	5300/-

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राषि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट Website : www.korbamunicipal.in एवं www.uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। उक्त निविदा में किसी भी प्रकार का संषोधन किया जाता है तो विभागीय वेबसाईट पर देखा जा सकता है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

जोन कमिश्नर
नगर पालिक निगम
कोरबा (छ.ग.)

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

घेराबंदी कर पुलिस ने पकड़ा नशे के सौदागर को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मनेन्द्रगढ़

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा एवं पुलिस अधीक्षक एमसीबी श्रीमती रत्ना सिंह के निर्देशानुसार जिलेभर में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक और एसडीओपी जनकपुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जनकपुर निरीक्षक कमलेश देवांगन द्वारा विशेष टीम गठित की गई थी।

28 मई को उप निरीक्षक जेडी कुशवाहा पुलिस टीम के साथ वाहन चेकिंग और रोड पेट्रोलिंग पर देवगढ़ क्षेत्र में मौजूद रहे। इसी दौरान मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि जनकपुर निवासी सन्नी शर्मा उर्फ निखिल कुमार शर्मा अपनी बजाज सीटी 100 मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 29 ए 0966 से माडीसरई की ओर से देवगढ़ होते हुए जनकपुर जा रहा है तथा उसके पास बिक्री और खपाने के उद्देश्य से नशीला सिरप रखा हुआ है। सूचना के बाद पुलिस टीम ने देवगढ़ मेन रोड के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद संदिग्ध युवक मोटरसाइकिल से आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह वाहन छोड़कर भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन पुलिस और गवाहों की मदद से उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम सन्नी शर्मा उर्फ निखिल कुमार शर्मा पिता सुभाष शर्मा उम्र 32 वर्ष निवासी संगम चौक जनकपुर बताया। पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों की जानकारी देने के बाद आरोपी की सहमति से उसके पास मौजूद संतरे रंग के झोले की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान झोले से ओएनईआरई नामक 100 एमएल की कुल 14 सीलबंद शीशियां बरामद हुईं। इनमें कुल 1400 एमएल कोडिनयुक्त नशीला सिरप पाया गया। बरामद सिरप की कुल कीमत 2821 रूपए बताई गई है। मौके पर पहुंचे औषधि निरीक्षक विकास लकड़ा द्वारा जांच करने पर उक्त सिरप को प्रतिबंधित और कोडिनयुक्त नशीला पदार्थ बताया गया। पुलिस ने नियमानुसार सैंपल पृथक कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजने की कार्रवाई की। आरोपी से नशीले सिरप के संबंध में दस्तावेज मांग गए, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

शब्द पहेली - 6242

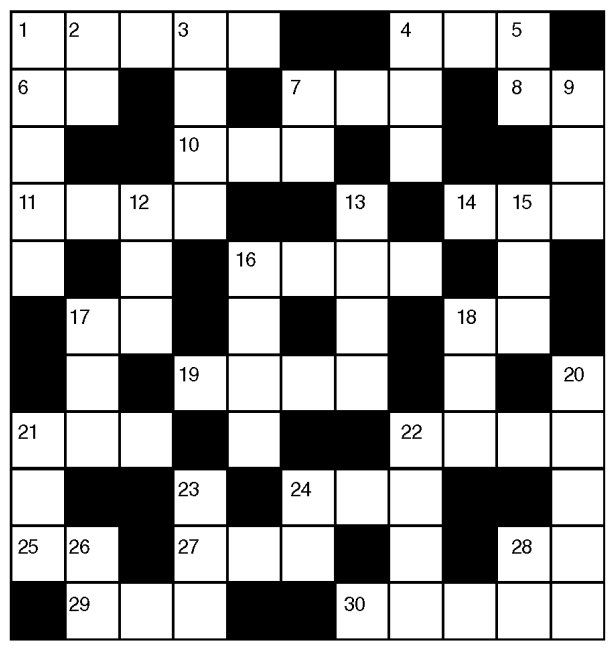

बाएँ से दाए

1. उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4. कराह, टीस, लालसा-3
6. हानि, आपत्ति-2
7. दुश्मनी, बैर-3
8. इंसाफ-2
10. साठवीं जयंती-3
11. जलाऊ लकड़ी-4
14. छोटा भाई-3
16. निरंकुश, आवारा-4
17. ठाठ-बाट-2
18. आफत, मुसीबत-2
19. शैतानी, बदमाशी-4
21. सहायता-3
22. इच्छा, लालसा-4
24. कवि, गजलकार-3
25. जरा, थोड़ा-2
27. मुलायम, नाजुक-3
28. गुफा, खोह-2
29. प्रियतम, सनम-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2. उत्साह. शक्ति-2
3. बिनाबाल वारा, गंजा-4
4. पंक्ति, लाइन-3
5. लड़की, पुत्री, बेटी -2
7. वहम, संदेह-2
9. जुड़वा-3
12. प्रतिज्ञा, कसम -3
13. गंगा का पानी -4
15. तीखा, तीक्ष्ण-3
16. आतुर, धैर्यहीन -4
17. संभवतः-3
18. मर्कट, कपि-3
20. गोविंदा, खुशबू की फिल्म-5
21. पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22. मनोकामना -4
23. साजन, प्रेमी-3
24. संध्या, सांझ-2
26. आनंद-2
28. महीना, मास-2

शब्द पहेली- 6241 का हल

■	प	रा	या	प	न	■	म	च	ल	ना
सां	ग	■	च	■	का	ली	न	■	त	ट
ब	■	त	क	रा	र	■	का	ल	■	की
ला	चा	र	■	■	दे	श	■	त	न	य
प	■	ती	■	पा	ना	■	गा	■	क	■
न	क	ब	ज	न	■	चा	ल	च	ल	न
■	हा	■	मा	■	च	र	■	ह	■	म
म	र	ना	■	द	म	■	■	क	स	क
र	■	श	क	■	क	रा	ह	ना	■	या
दू	ब	■	ल	बा	दा	■	रा	■	या	त्रा
द	या	क	र	■	र	च	ना	का	र	■

सूडोकु नवताल 6252

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6251 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

प्रथम पृष्ठ का शेष

नवतपा का असरः...

की गई है। कई मंदिरों में भगवान को चंदन का लेप भी लगाया जा रहा है।

बिलासपुरः खाटू श्याम मंदिर में हर वक्त एसी घोंघाबाबा मंदिर परिसर स्थित श्री खाटू श्याम बाबा मंदिर के गर्भगृह में भगवान श्याम को गर्मी से बचाने के लिए लगातार एसी चलाया जा रहा है। प्रभु के भोग-प्रसाद में भी बदलाव किया गया है। उन्हें दही, खीरा, तरबूज, खरबूजा और आम अर्पित किए जा रहे हैं। श्री खाटू श्याम मंदिर बलखंडी बाबा न्यास ट्रस्ट के अध्यक्ष मंगतराय अग्रवाल के नेतृत्व में एक सेवा कार्य भी शुरू किया गया है। ट्रस्टी दीपराज उपाध्याय ने बताया कि पुरुषोत्तम मास के पहले दिन से लेकर इसके समापन तक, प्रतिदिन शाम 6 से 7 बजे तक श्रद्धालुओं को ठंडे शरबत का वितरण किया जा रहा है।

बिलासपुरः वेंटकेश मंदिर में लगे खस के पर्देसदर बाजार स्थित ऐतिहासिक वेंकटेश मंदिर में भी भगवान की सेवा के लिए विशेष ग्रीष्मकालीन व्यवस्था की गई है। गर्भगृह में एसी और कूलर तो लगाए ही गए हैं, साथ ही मंदिर परिसर में प्राकृतिक शीतलता बनाए रखने के लिए खस के पर्दे भी लटकाए गए हैं। भगवान को बेहद हल्के व सूती वस्त्र पहनाए गए हैं। भोग में तरबूज, खरबूजा और अंगूर जैसे मौसमी फलों को शामिल करने के अलावा शीतल पेयजल, आम पना, सत्तू और छाछ का भोग लगाया जा रहा है। ऐसा ही नजारा तिलकनगर स्थित राम मंदिर में भी देखने को मिल रहा है, जहां भगवान का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

धमतरीः देवालयों में...

की गई है। मंदिर से जुड़े दिलीप राज सोनी ने बताया कि यहां कई वर्षों से यह सुविधा उपलब्ध है। इसी प्रकार जगन्नाथ मंदिर, राधाकृष्ण मंदिर, खाटू श्याम मंदिर तथा गोवर्धन नाथ हवेली मंदिर में भी एसी के माध्यम से शीतल वातावरण बनाए रखा गया है। श्रद्धालु नियमित रूप से इन व्यवस्थाओं के संचालन में सहयोग कर रहे हैं। गणेश मंदिर के श्रीकांत तिवारी ने बताया कि मंदिर में कूलर लगाया गया है, जिससे वातावरण ठंडा बना रहता है। वहीं शहर के प्रमुख साईं मंदिर में भी भगवान की प्रतिमा के समक्ष कूलर की व्यवस्था की गई है।

भगवान श्री राजीव...

साढ़े चार बजे खुल जाता है। मौसम के अनुरूप भोग की भी व्यवस्था रहती है। भगवान को शीतल शरबत चैत्र रामनवमीं से आषाढ़ के रथयात्रा पर्व तक दी जाती है। इसके साथ पारंपरिक अनरसा का भोग भी लगाया जाता है। रात में दूध और अनरसा रखा जाता है जिसे ड्यारी भोग कहा जाता है। भगवान श्री राजीवलोचन के श्रृंगार में भी मौसम का विशेष ध्यान रखा जाता है। पूरे बारहों माह भगवान को केवल सूती यानी काटन के वस्त्र ही धारण कराए जाते हैं, जिससे उन्हें आराम और शीतलता मिल सके।

वक्त-वक्त की...

'देखिए इन्होंने मेरे साथ क्या किया है। यह पूर्व नियोजित था। इलाके में पुलिस नहीं है। ये मुझे मारना चाहते हैं। जब तक स्थानीय पुलिस अपनी टीम नहीं भेजती और पीड़ितों के परिवारों को सुरक्षा प्रदान नहीं करती, मैं यहां से नहीं जाऊंगा।" स्थानीय महिलाएं झाड़ू और बांस के डंडे लेकर उस टीएमसी कार्यकर्ता के घर के बाहर एकत्र हो गईं, जहां बनर्जी पहुंचे थे। बनर्जी के आने का मकसद पूछते हुए उन्होंने उनके खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारी महिलाओं में से एक ने कहा, 'वह यहां क्यों आए हैं? जिसके घर वह आए हैं, वह भी चोर है। यह तो चोर का चोर से मिलने जैसा है। वहीं, एक अन्य प्रदर्शनकारी महिला ने सवाल किया, 'अभया कांड के समय वह (अभिषेक) कहां थे? वह निर्भया के माता-पिता से कितनी बार मिले थे? हमें उनसे जवाब चाहिए।

छत्तीसगढ़ में हर...

जाने वाला गुड़ाखू का चलन सबसे बड़ी चिंता का कारण बना हुआ है।

छत्तीसगढ़ में हर...

संस्थान डायरेक्टर डा. विवेक चौधरी बताते हैं कि में हर साल पहुंचने वाले छह से सात हजार मरीजों में ढाई हजार मामले तंबाकू से जुड़े होते हैं।

डा. चौधरी के मुताबिक विभिन्न तरीकों से उपयोग किया जाने वाला तंबाकू आरसीसी यानी गुर्दे को भी प्रभावित करता है। संस्थान में मुंह और गले का कैंसर की शिकायत लेकर आने वालों की समस्या सामान्य है। चिकित्सकों के मुताबिक प्रदेश में कैंसर की प्रमुख वजह तंबाकू है।

कैंसर की प्रमुख वजह तंबाकू- कैंसर की प्रमुख वजह तंबाकू है। इसका किसी भी प्रकार से सेवन गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है। संस्थान में इलाज की तमाम तरह की सुविधा मौजूद है मगर इससे बचाव के लिए खुद को संयमित करना जरूरी है। कैंसर से संबंधित चालीस फीसदी केस की वजह तंबाकू है।

डॉ. विवेक चौधरी, डायरेक्टर रीजनल कैंसर इंस्टीट्यूट एवं डीन शासकीय मेडिकल कालेज रायपुर

होता है और भी...

रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसे गंभीर दुष्प्रभाव होते हैं। इसके अलावा महिलाओं द्वारा तंबाकू का सेवन करने से उसकी प्रजनन क्षमता भी प्रभावित होती है। इसके अलावा तंबाकू के सेवन से इम्युनिटी कमजोर होती है जिससे टीबी सहित अन्य तरह की बीमारियां भी अपना प्रभाव दिखाती है।

ठेलों में धड़ल्ले...

मुख्य बाजारों की बड़ी दुकानों तक में खैनी-गुटखा धड़ल्ले से बिक रहा है। हरिभूमि की टीम ने जब स्टेशन रोड स्थित एक दुकान पर पड़ताल की और खैनी का पैकेट मांगा, तो दुकानदार ने झट से पैकेट हाथ में थमा दिया और कीमत 10 रुपए बताई। पड़ताल में पता चला कि रायपुर में नागपुर और बिहार की खैनी की डिमांड सबसे अधिक है। अकेले एक दुकान में हर महीने 50 से 70 किलो खैनी की खपत हो रही है। रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर ठेलों में तंबाकू मिलाकर पुड़िया बनाकर बेची जा रही है।

नियमों की उड़...

ठेलों और दुकानों से यह बोर्ड पूरी तरह गायब है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को तंबाकू उत्पाद बेचना सख्त मना है, इसके बावजूद नाबालिग और युवा आसानी से इसे खरीद रहे हैं और नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं।

आंधी-बारिश से...

मौत पेड़ के नीचे दबने से हो गई। इस घटना की जानकारी ग्रामीणों के द्वारा राजस्व विभाग को दी गई है। बताया जाता है कि सपलवा ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले आश्रित गांव टोडगाडांड में तीन बच्चे तेज आंधी बारिश के दौरान बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़े हुए थे। इसी दौरान उक्त पेड़ तेज आंधी की वजह से धराशायी हो गया, जिसमें दो बच्चों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। वहीं एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे ग्रामीणों के द्वारा उपचार के लिए पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। जिसकी गंभीर अवस्था को देखते हुए बिलासपुर रेफर कर दिया गया। जिसकी रास्ते में ही मौत होने की जानकारी सामने आई है। इस घटना की सूचना पुलिस को दिए जाने के साथ ही राजस्व विभाग को भी दी गई है। एसडीएम रोहित सिंह ने बताया कि वह घटना की जानकारी ले रहे हैं।

आक्रामक आरसीबी का...

मौजूदा चैंपियन आरसीबी को 2022 की विजेता टाइटंस के खिलाफ मजबूत दावेदार माना जा रहा है, क्योंकि इस पूरे टूर्नामेंट में उनका बेखौफ और जोखिम भरा खेल बेहद प्रभावशाली रहा है। यह आक्रामक रणनीति कभी-कभी टीम को मुश्किल में भी डालती रही है, लेकिन विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, टिम डेविड, कप्तान रजत पाटीदार, उपलब्ध रहने पर फिल साल्ट और वेंकटेश अय्यर ने लगातार आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की है। पहले क्वालीफायर में आरसीबी ने इसी बेखौफ अंदाज से टाइटंस को शिकस्त दी थी। पिच की स्थिति या विरोधी गेंदबाजी रणनीति का भी उनके इस आक्रामक रवैये पर बहुत कम असर पड़ा है, और इस सत्र में कोई अन्य टीम उतनी बार 200 से अधिक रन नहीं बना सकी है जितनी बार आरसीबी ने बनाए हैं। कप्तान रजत पाटीदार की शांत और संतुलित नेतृत्व शैली ने भी पिछले दो सत्रों में टीम को स्थिरता दी है। वह पूर्व कप्तानों विराट कोहली या फाफ डु प्लेसिस जितने भावनात्मक रूप से मुखर नहीं हैं, लेकिन उनके फैसलों में आत्मविश्वास झलकता है, जिससे टीम के अनुभवी और युवा खिलाड़ी दोनों सहज महसूस करते हैं। आरसीबी की गेंदबाजी इकाई भी इस बार किफायती और प्रभावी रही है, जिसने पावरप्ले में ही विरोधी बल्लेबाजों पर दबाव बनाया है।

खाद का भंडारण...

पंजीकृत रकबे के अनुसार ही वितरण के नए नियम ने इसकी कालाबाजारी बढ़ा दी है। हालांकि सरकार का सख्त रवैया है। विभाग द्वारा गठित टीम ने खाद के अवैध भंडारण और अन्य नियमों के उल्लंघन को लेकर आधा सैकड़ा से अधिक कार्रवाई भी की है। रबी फसल की कटाई पूरी होने के साथ ही जिले में खरीफ फसल की तैयारी को लेकर किसान जुट गए हैं इसके साथ ही खाद की ब्लैक मार्केटिंग का धंधा भी शुरू हो गया है। दरअसल जिले में अभी तक खाद की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पाई है। बताया जाता है कि यहां 39 हजार 200 मैट्रिक टन खाद बांटने का टारगेट मिला है, जिसके तहत अब तक 45 फ्रीसदी खाद का भंडारण समितियां में हो पाया है वही अभी 55 फ्रीसदी का भंडारण किया जाना बाकी है। इस संबंध में जिला सहकारी बैंक जांजगीर चांपा के नोडल अफसर अमित साहू का कहना है कि सेवा सरकारी समितियां में 45 फ्रीसदी खाद का भंडारण पूरा कर लिया गया है,वही अभी 55 फ्रीसदी भंडारण बाकी है, जिसका भंडारण समय रहते हो जाएगा।

बारिश के बाद खाद के लिए मचेगी हाहाकार-

रायगढ़ जिले में इस बार खाद के लिए मारामारी मचने वाली है। कारण मानसून नजदीक है लेकिन खाद का भंडारण अब तक केवल 47 फीसदी ही हो सका है। ऐसे में यदि दो चार दिन में बारिश हुई तो किसानों को खाद के लिए परेशानी हो सकती है। जिले में इस साल यूरिया, डीएपी समेत अन्य खाद का टारगेट 32हजार 400 एमटी है। अब तक भंडारण 15 हजार 349 एमटी हुआ है। इसमें 4 हजार 46 एमटी की बिक्री जहां हो चुकी है। वहीं 11 हजार 303 एमटी समितियों में खाद उपलब्ध है। ऐसे में यदि आंकड़ों पर गौर करें तो अभी 53 फीसदी खाद भंडारण की जरूरत है। यह सहकारी समितियों की स्थिति है। दूसरी ओर निजी खाद का टारगेट 18 हजार 100 एमटी है। इसमें 7 हजार 532 एमटी भंडारण हुआ है। वहीं 4 हजार 897 एमटी बिक्री और 2 हजार 635 एमटी निजी दुकानों में स्टॉक है।

उर्वरक विक्रय केंद्रों...

पाया गया, जो संस्था के लाइसेंस में दर्ज अधिकृत गोदामों में शामिल नहीं था। संस्था द्वारा बिना वैधानिक अनुमति के अतिरिक्त किराये के स्थल पर उर्वरक का भंडारण किया जाना पाया गया। अधिकारियों द्वारा मौके पर दस्तावेजों एवं लाइसेंस संबंधी अभिलेखों की जांच की गई उर्वरक को अवैध भंडारण मानते हुए जब्त कर सीलबंद कर दिया गया। जब्त उर्वरक को संबंधित संस्था की अभिरक्षा में सुपुर्द किया गया है।

संभाग में लक्ष्य...

अनुरूप भंडारण अभी कम हुआ है और वितरण बहुत ज्यादा नहीं हो पाया है। बिलासपुर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित अंतर्गत बिलासपुर समेत 6 जिले आते हैं। इसमें बिलासपुर जिले में 44 हजार मिट्रिक टन खाद की आवश्यकता है, जिसमें से 27 हजार 105 मिट्रिक टन का भंडारण और 8 हजार 382 मिट्रिक टन का वितरण तथा 18723 मिट्रिक टन शेष है। पेण्ड्रा जिला में 4 हजार 8 सौ मिट्रिक टन की आवश्यकता के विरूद्ध 3 हजार 598 मिट्रिक टन भंडारण व 240 मिट्रिक टन वितरण हो चुका है। इसी प्रकार मुंगेली जिला में 33 हजार 330 मिट्रिक टन खाद की आवश्यकता के विरूद्ध 16 हजार 326 मिट्रिक टन भंडारण एवं 4 हजार 719 मिट्रिक टन वितरण हुआ है। जांजगीर जिले की बात करें तो यहां 39 हजार 200 मिट्रिक टन की आवश्यकता है जबकि भंडारण 16 हजार 182 मिट्रिक टन तथा सक्ती में 28 हजार 750 मिट्रिक टन आवश्यकता के विरूद्ध 22 हजार 129 मिट्रिक टन खाद का भंडारण और 2 हजार 124 मिट्रिक टन खाद वितरण हुआ है। कोरबा जिला में 12 हजार 700 मिट्रिक टन खाद की आवश्यकता है जिसमें से 7 हजार 84 मिट्रिक टन खाद भंडारण और 19 हजार 77 मिट्रिक टन खाद वितरण हो चुका है।

प्रशासन की सख्ती...

विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इनमें 41 निजी और 12 सहकारी केंद्र शामिल हैं। जांच के दौरान विभिन्न प्रकार की अनियमितताएं सामने आने पर उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश 1985 के नियमों के तहत कार्रवाई की गई।निरीक्षण में नियमों का पालन नहीं करने वाले कुल 30 उर्वरक विक्रय केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इनमें 21 निजी और 9 सहकारी केंद्र शामिल हैं। वहीं गंभीर अनियमितता पाए जाने पर 9 निजी उर्वरक दुकानों की बिक्री 7 से 21 दिनों के लिए प्रतिबंधित कर दी गई है। इसके अलावा 3 निजी उर्वरक दुकानों में जब्ती की कार्रवाई भी की गई है। इसी क्रम में गुरुवार को सहकारी समिति सिसरिंगा, धरमजयगढ़ और तरकेला सहित अन्य सहकारी एवं निजी उर्वरक केंद्रों का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने संबंधित संचालकों को निर्धारित नियमों का पालन करने तथा किसानों को निर्धारित दर पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बिल्डिंग की तीसरी...

विहार मुख्य मार्ग पर रमेश कुमार अग्रवाल चौधरी ट्रेडर्स के नाम से खाने के तेल की दुकान चलाते हैं, इसी भवन की तीसरी मंजिल में तेल का गोदाम है। गोदाम में पॉलीथिन में तेल की पैकिंग की जाती है। शनिवार की सुबह लोगों ने गोदाम में भंयकर धुंआ निकलते देखकर संचालक को सूचना दी। कुछ ही देर में श्री अग्रवाल व उनके रिश्तेदार दुकान पहुंच गए। दुकान खोलकर अंदर जाकर देखे तो तीसरे मंजिल स्थित गोदाम में भीषण आग लग गई हुई थी। सूचना पर नगर निगम आयुक्त अपनी टीम, एसडीआरफ की टीम, तारबाहर, सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंच गई। गोदाम में तेल भरा होने से देखते ही देखते आग ने भंयकर रूप ले लिया और आग की लपटें गोदाम से बाहर निकलने लगीं। भीषण आग को देखते हुए आसपास के व्यापारी अपनी दुकानों का सामान दूसरी जगहों पर शिफ्ट करने लगे। धुंए के गुबार से आसमान में अंधेरा छा गया। दुकान के सामने लोगों की भीड़ लग गई। लोग मोबाइल से वीडियो बनाने लगे। इधर दुकान के सामने दमकल की लाइन लग गई थी। कई दमकलों के पानी से 5 घण्टे बाद आग पर काबू पाया गया है। दुकान संचालक श्री अग्रवाल ने कहा गोदाम में लगभग 15 से 20 टन खाद्य तेल रखा था। दुकान में आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं हो पाई है।

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

Sai Care Hospital
श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवायें
कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार | लिवर व किडनी रोग
पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन | थाइरॉयड सर्जरी
हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) | ब्रैस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- फेब्रिकेशन कार्य हेतु अनुभवी वेल्डर एवं हेल्पर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- बी.के. स्टील इंडस्ट्री, खमतराई रोड, बिलासपुर 9300321447 **(41003)**

आवश्यकता है- बिलासपुर लॉज में मैनेजर (1पद, आयु 25वर्ष से ऊपर, वेतन 10000 से ऊपर योग्यता/ समयानुसार) अनुभवी बिजली मिस्त्री, स्वीपर/ हाउस कीपिंग हेतु पुरुष की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9406390898, 98279 40898 **(41004)**

आवश्यकता है- घरेलू सभी कार्य हेतु बाई एवं नौकर की अतिशीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार तुरन्त सम्पर्क करें- 7223890879, 9301275222 **(41001)**

आवश्यकता है- ई-बाईक शोरूम में काम करने हेतु कुशल अनुभवी मैकेनिक की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गणपति ई- व्हीकल्स आर.के. पेट्रोल पम्प के सामने चांटीडीह रोड बिलासपुर 8770332193 **(41010)**

आवश्यकता है- फील्ड ऑफिसर (अम्बिकापुर, रायगढ़, कोरबा बिलासपुर जिले में कार्य करने के लिए) एवं टेलीकॉलर, काउन्सलर, कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार फ्रैशर, अनुभवी अभ्यर्थी सम्पर्क करें- 7067125185, 9302342139 **(41011)**

आवश्यकता है-बिलासपुर जांजगीर जिलों में सुरक्षा गार्ड, सुपरवाईजर, माली, जेम टेंडर अनुभवी की आवश्यकता है। (पीएफ ईएसआई मेडिकल आवास सुविधा फ्री) सम्पर्क करें- सिद्धी विनायक सिक्यूरिटी, राजेंद्र नगर बिलासपुर 91111 75190, 9098318675 **(40952)**

आवश्यकता है
घर के काम के लिए एक लड़की की आवश्यकता है।
कार्य :- झाड़-पोछा
बर्तन साफ करना
घर की साफ-सफाई
ऊपरी/दैनिक घरेलू काम
समय: सुबह 9:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक। स्थान: घर पर। वेतन: बातचीत अनुसार। इच्छुक उम्मीदवार संपर्क करें।
मैग्नेटो मॉल के सामने, हंसा विहार कॉलोनी
मो. 7389781818

आवश्यकता है- जय हिन्द पब्लिक स्कूल लखराम रतनपुर के पास में विषय हिन्दी, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान, गणित पढ़ाने के लिए अनुभवी शिक्षक/शिक्षिकाओं की आवश्यकता है योग्यता- डी.एड, बी.एड। सम्पर्क करें- 9981766606, 70005 49454 **(40998)**

आवश्यकता है- बिजली दुकान में काम करने हेतु लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सी-21, नेताजी कॉम्पलेक्स, मन्दिर चौक, जरहाभाठा बिलासपुर 9301586381, 9827181236 **(41009)**

आवश्यकता है- होलसेल एवं दवाई दुकान में कार्य हेतु लड़के तथा ड्राईवर (जो ऑटोमैटिक Disere और Waganor चला सके) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7869797088, 87709 39973 **(41008)**

आवश्यकता है- साफ सफाई एवं अन्य काम हेतु (परिवार सहित रहकर) मेहनती पुरुष, कार चलाने हेतु ड्राईवर, स्कूल हेतु पुरुष क्लर्क चाहिए। वेतन 10000 आवास फ्री। सम्पर्क करें- राजकिशोर नगर बिलासपुर 7869513348 **(41002)**

आवश्यकता है- बिलासपुर में लोकल में छोटा हाथी गाड़ी चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है। काम का समय सुबह 9बजे से शाम 6बजे तक सम्पर्क करें- मनीष खरे तिफरा बिलासपुर 8319074737 **(41006)**

आवश्यकता है- व्यापार विहार बिलासपुर स्थित प्रतिष्ठित कम्पनी में काम करने हेतु अनुभवी अकाउंटेंट एवं कार चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 9179559717 **(41007)**

आवश्यकता है- मैन्स वीयर कपड़े की दुकान में टेलीकॉलिंग, बिलिंग कार्य करने हेतु अनुभवी स्मार्ट लड़कियां एवं सेल्समैन (लड़के) चाहिए जिसका कम्युनिकेशन एवं वॉइस अच्छी हो सम्पर्क करें- Fashnolic Luxury Mens, मन्दिर चौक के पास, सिन्धी कॉलोनी रोड, बिलासपुर 7974897809 **(40999)**

आवश्यकता है- सोलर कम्पनी में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है सैलरी काम के अनुसार (5000 से 10000 के बीच) सम्पर्क करें- 7999971990, 70005 95157 **(40989)**

आवश्यकता है- सीसीटीवी कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग हेतु युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- पारस इन्टरप्राइजेस, GF-26, अम्बे अंजनी ई-प्लाजा, सीएमडी कॉलेज चौक, लिंक रोड बिलासपुर 9425530470, 9826598526 **(40984)**

आवश्यकता है- DTDC Courier में फुल टाइम पार्ट टाइम डिलिवरी एवं ऑफिस पिकअप कार्य हेतु अनुभवी लड़के चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शनि मन्दिर के पास राजकिशोर नगर बिलासपुर 7987818137, 7509218572 **(40974)**

आवश्यकता है- हायर सेकेण्डरी जीव विज्ञान, रसायन, गणित, भौतिकी, मिडिल/ प्रायमरी अंग्रेजी माध्यम हेतु शिक्षकों की आवश्यकता है जानकारी 9827192066 में व्हाट्सएप से भेजें। पता- सरदार सन्तोष सिंह मेमोरियल स्कूल सिरगिट्टी बिलासपुर **(40994)**

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित साउंड सिस्टम शोरूम हेतु स्टोर मैनेजर चाहिए। वेतन 12000 से 15000+ आकर्षक प्रोत्साहन। अनुभवी, जिम्मेदार उम्मीदवार तुरन्त सम्पर्क करें- कपूर चंद एंड संस, सदर बाजार, बिलासपुर 9685005500 (सुनहरा अवसर) **(40986)**

Required - Required for Showroom (1) Layout designer (2D/ 3D) M/F- 02 (2) Showroom Manager- M/F- 02 (3) Assitant Manager- M/F- 02 (4) Staff M/F- 02 Address- Opposite Quality Restaurant, Vyapar Vihar Main Road, Bilaspur Mo.- 9827900065, 9763883901 (40995) **(40995)**

आवश्यकता है- छोटी फैमिली के लिए शाकाहारी खाना बनाने एवं घरेलू कार्यो झाड़ू पोछा साफ सफाई हेतु अलग अलग महिला कर्मचारी महाराणा प्रताप चौक के पास चाहिए। सम्पर्क करें- 8085681072, 8871563925 **(40997)**

आवश्यकता है- घरेलू कार्य हेतु अनुभवी कार ड्राईवर की आवश्यकता है जिसे सभी प्रकार की गाड़ी चलानी आती हो। सम्पर्क करें 8839405065 (नया या फ्रैश लाइसेंस वाले सम्पर्क ना करें) **(40996)**

आवश्यकता है- मंगला में घर निर्माण कार्य हेतु सक्षम लेबर ठेकेदार की आवश्यकता है केवल ठेकेदार जो लेबर रेट पर घर निर्माण कार्य करते है वही सम्पर्क करें- 9755042841, 9098793524 **(40975)**

आवश्यकता है- रेस्टोरेन्ट में ऑल राउण्डर कुक, टिफिन सर्विस हेतु महिला, हेल्पर, मार्केटिंग, डिलीवरी, सफाई कर्मचारियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- ईडेन कैफे एण्ड रेस्टोरेन्ट, इन्दु चौक, बिलासपुर 91717 21747 **(40992)**

आवश्यकता है- मार्बल का मन्दिर बनाने वाले अनुभवी मिस्त्री की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जयपुर मूर्ति भंडार, अशोक नगर, सरकंडा बिलासपुर 9827110908 **(41000)**

आवश्यकता है- दो मिस्त्री, दो हेल्पर, की आवश्यकता है जिन्हें ग्रील गेट, चैनल गेट, रेलिंग एवं फ्रेब्रिकेशन का सम्पूर्ण कार्य आता हो। सम्पर्क 9826662531 **(40970)**

आवश्यकता है- Advertising Agency हेतु कर्मचारियों की आवश्यकता हैं, वाहन चालक (टाटा एस)। Hoardings/ Unipole की लाईट कार्य करने हेतु इलेक्ट्रीशियन। Hoardings/ Unipole स्थापित करने हेतु Field Manager खुशबू एंटरटेनमेंट सम्पर्क- 70244 49349 **(40980)**

आवश्यकता है- टीडीएस, जीएसटी, आडिट एवं एकाउण्ट संबंधी की जानकारी वाले एकाउण्टेंट एवं सुपरवाईजर और आफिस कार्य हेतु लड़के की आवश्यकता है। पता- बिल्हा, बिलासपुर सम्पर्क करें- 7000182619, 73544 80650 **(40993)**

आवश्यकता है- गर्ल्स हॉस्टल में महिला वार्डन की आवश्यकता है रहने की सुविधा है। सम्पर्क करें- मित्र विहार कॉलोनी, स्काई जिम के बगल वाली गली में, लिंक रोड बिलासपुर 9340969592, 7828803577 **(40987)**

आवश्यकता है- घरेलू खाना बनाने हेतु (प्रातः 8 से शाम 4 तक घर में रहकर) कुक की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्याम एजेन्सी शाकुंतलम भवन मेन रोड लिंक रोड बिलासपुर **(40976)**

आवश्यकता है- डिस्ट्रीब्यूटर के यहां सेल्स, मार्केटिंग, डिलीवरी ब्वॉय, आफिस ब्वॉय आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 99811 37187 **(40934)**

आवश्यकता है- फुल टाइम एकाउंटेंट चाहिए जिसे Tally Prime में काम करना आता हो, Invoice, Eway Bill बनाना आता हो। सम्पर्क करें- अविनाश मोदी, पी-2, संजय अपार्टमेंट, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर 9179991222 **(40990)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की जो बाहर देवास इंदौर रीवा प्रयागराज मे रहकर काम कर सके सैलरी 12000+ कमीशन+ बोनस के साथ महीना 25000 कमाए रहना खाना फ्री लिमिटेड सीट सम्पर्क करें-6268044316, 9201024747 **(360)**

आवश्यकता है- दुकान में कार्य हेतु (लड़के, लड़कियों) की आवश्यकता है वेतन 8000 सम्पर्क करें- गुप्ता अम्ब्रेला (छाता दुकान) हनुमान मन्दिर खोवा मण्डी के पास, जगदीश होटल के सामने, गोल बाजार बिलासपुर **(40761)**

आवश्यकता है- डीवीआई स्मार्ट स्कूल जरहागांव में एडमिनिस्ट्रेशन एवं टीचर्स की आवश्यकता है इच्छुक उम्मीदवार बायोडाटा, शैक्षणिक योग्यता की कॉपी व्हाट्सएप करें। इंटरव्यू हेतु सूचित किया जाएगा। सम्पर्क करें- 9981679574 **(40982)**

आवश्यकता है- डेन्टल लैब में काम करने हेतु लड़के की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- करण साहू, आर.के. डिजिटल डेंटल लैबसरकंडा थाना के पास सीपत रोड बिलासपुर 99936 07979, 99079 92510 **(40978)**

आवश्यकता है- Firstcry intellitots School सरकंडा में मदर टीचर (फिमेल) की आवश्यकता है। योग्यता- स्नातक, B.Ed/ ECE/ D.Ed को प्राथमिकता सम्पर्क करें- Firstcry intellitots School बैमा नगोई रोड सरकंडा बिलासपुर 9202970812 **(40973)**

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित हॉस्पिटल में योग्य अनुभवी (1) डॉक्टर, योग्यता- MBBS (संबंधित क्षेत्र में अनुभवी उम्मीदवारों को प्राथमिकता, छ.ग. रजिस्ट्रेशन अनिवार्य) (2) नर्सिंग स्टाफ, योग्यता- GNM, B.Sc Nursing (फ्रेशर्स एवं अनुभवी दोनों आवेदन कर सकते हैं, छ.ग. रजिस्ट्रेशन अनिवार्य) वेतन योग्यता एवं अनुभव के अनुसार। आकर्षक सुविधाएं। सम्पर्क करें- कंचन हॉस्पीटल, रेस्ट हाउस के सामने महरपुर रोड लोरमी, जिला- मुंगेली Whats App- 98932 60818, Call No. 73898 08734 **(40983)**

आवश्यकता है- ऑफिस में कम्प्यूटर के लिए 2 ऑपरेटर युवतियों और चॉइस सेन्टर में टेली कॉलिंग के लिए 4 युवतियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8817395214 **(40967)**

आवश्यकता है- UTN Shop में सर्वे कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। मासिक सैलरी 10000 से 15000, पता- शॉप नम्बर FS16 प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7806007192, 7999594790 **(40991)**

आवश्यकता है- Computer Academy में कोर्स मार्केटिंग हेतु एक्सपीरियंस एवं फ्रेशर युवाओं की आवश्यकता है। कौशल आधारित वेतन। सम्पर्क करें- गाँधी चौक, दयालबन्द, बिलासपुर। बायोडाटा भेजें- 9407952166 **(40977)**

बेचना है

बेचना है- हाईकोर्ट के पास ऊर्जा विहार 1800 वर्गफुट दो प्लाट एवं रामा लाईफ सिटी मुंगेली रोड में 3200 वर्गफुट एक प्लाट, वैष्णवी विहार 5BHK मकान बेचना है सम्पर्क करें- 7389665370, 9617251281 **(40972)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

क्या आपको अपनी लाडली के लिए अच्छा वर चाहिए...
तो हमसे जुड़िए... या आपको तलाश है... एक अच्छी बहु की...
हरिभूमि वैवाहिकी

वधु चाहिए
बंगाली कायस्थ विधुर पुरुष उम्र 54 वर्ष के लिए एक तलाकशुदा, विधवा महिला की आवश्यकता है हिंदी भाषी एवं सभी वर्ग की, जाति बंधन नहीं
-: संपर्क करें :-
9300512198
7024352318

वधु चाहिए
अग्रवाल, गोत्र- गोयल उम्र- 34, हाइट 5'-10" व्यवसायी युवक खंडवा (म.प्र.) निवासी वर के लिए ग्रेजुएट एवं गृहकार्य में दक्ष वधु चाहिए। तलाकशुदा भी मान्य। सर्व वैश्य मान्य।
वधु पक्ष फोटो, बायोडाटा व्हाट्सएप करें- 9131604310, 9300328290
मैरिज ब्यूरो क्षमा करें

बेचना है-जमीन बेचना है यदुनन्दन नगर तिफरा सूर्या विहार फेस दो के पास डायवर्टेड, उत्तर मुखी प्लॉट 30×60 बेचना है। सम्पर्क करें- 9406213493, 70004 58145 (दलाल सम्पर्क ना करें) **(40959)**

किराया

किराया- व्यापार विहार रोड स्थित केनरा बैंक के पीछे नागदौने कालोनी में 3बेडरूम, हॉल, किचन, 2लेटबाथ पार्च, आँगन सर्वसुविधायुक्त मकान आफिस, गोदाम कार्यालय हेतु उपयुक्त किराए से देना है। सम्पर्क- 9630598270 **(40988)**

किराया- बिलासपुर कुदुदण्ड में माता चौरा मन्दिर के आगे, शिव मन्दिर के पास 14×20 की दुकान किराये पर देना है। सम्पर्क करें- 8224845820, 6261143083 **(40971)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

ऑरेंज कैप

वैभव सूर्यवंशी
776 रन
राजस्थान

पर्पल कैप

कगिसो रबाडा
26 विकेट
गुजरात

खबर संक्षेप

गुलवीर ने चार मिनट से कम में एक मील दौड़ पूरी की

क्लेवलैंड। भारतीय लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम करते हुए चार मिनट से कम समय में एक मील दौड़ पूरी करने वाले पहले भारतीय बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने यह उपलब्धि अमेरिका में आयोजित 24वें वार्षिक म्यूजिक सिटी ट्रैक कार्निवल में खिताब जीतते हुए हासिल की। म्यूजिक सिटी ट्रैक कार्निवल का आयोजन अमेरिका स्थित ली यूनिवर्सिटी के क्लीवलैंड परिसर में किया गया था। यह प्रतियोगिता विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर की चैलेंजर श्रेणी का हिस्सा है। गुलवीर ने पुरुषों की पेशेवर एक मील दौड़ में 3 मिनट 55.63 सेकंड का शानदार समय निकालते हुए स्वर्ण पदक जीता।

सप्तक तलवार कट में प्रवेश से चूके

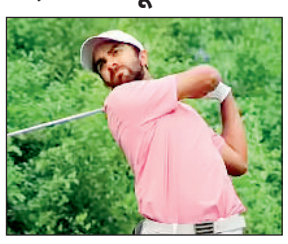

आंदालुसिया (स्पेन)। सप्तक तलवार ने चैलेंज दे एस्पाना गोल्फ में शानदार शुरूआत दी लेकिन दूसरे दौर में चार ओवर 75 के स्कोर के साथ संयुक्त 94वें स्थान पर खिसक गए। उन्होंने दूसरे दौर में तीन बर्डी लगाये लेकिन तीन बोगी और दो डबल बोगी किये। डान एरिक्सन ने सात अंडर 64 के स्कोर के साथ बढत बना ली है। जैमी रदरफोर्ड दूसरे स्थान पर हैं।

अंडर-17 एशियाई कुश्ती में भारतीय महिलाओं ने जीते 10 पदक

नई दिल्ली। भारत की महिला पहलवानों ने वियतनाम के दा नांग में हुई अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 10 पदक जीते जिनमें दो स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य पदक शामिल हैं। दीक्षा और गरिमा ने टीम की अगुवाई की। उन्होंने अपने-अपने फाइनल मुकाबलों में जबरदस्त जीत हासिल करते हुए स्वर्ण पदक जीते। भारत ने निकिता (49 किग्रा), अंतरा (65 किग्रा) और तानिया (69 किग्रा) के ज़रिए तीन रजत पदक भी अपने नाम किए। कांस्य पदक जीतने वालों में पलक (40 किग्रा), अनामिका (46 किग्रा), अक्षरा (53 किग्रा), साक्षी (57 किग्रा) और मान्या (61 किग्रा) शामिल हैं। इन सभी ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर पोडियम पर जगह बनाई। कांस्य पदक मुकाबलों में पलक ने अरुके नुरबेकोवना नुरबेकोवा को, अनामिका ने इंझू बक्कोझा को, अक्षरा ने एमा अराकावा को, साक्षी ने शियिंग वांग को और मान्या ने आइगेरिम पोलातबे को हराया।

अवनि शीर्ष-10 में पहुंची, दीक्षा संयुक्त रूप से छठे स्थान पर

एवियन ले बेंस। भारतीय महिला गोल्फर अवनि प्रशांत ने यहां जबरा लेडीज ओपन डि फ्रांस धीमी शुरुआत के बाद दूसरे दौर में तीन-अंडर 68 का कार्ड खेलकर शीर्ष 10 में जगह बना ली। अब अवनि दो-अंडर पार के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर हैं। दीक्षा डागर एक-ओवर 72 का स्कोर बनाने के बावजूद भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर हैं। दीक्षा कुल मिलाकर तीन-अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से छठे स्थान पर हैं। वह अवनि से एक शॉट आगे है।

वैभव शतक से चूके, लेकिन ध्वस्त किए कई दिग्गजों के कीर्तिमान

एजेंसी ▶▶| मुंबई

राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में पावरप्ले के नए बादशाह बनकर उभरे हैं। सिर्फ 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में ऐसे महारिकॉर्ड बना दिए हैं, जिसने क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है। आईपीएल 2026 के क्वालीफायर-2 में वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 96 रनों की शानदार पारी खेली। इस पारी के दौरान सूर्यवंशी ने कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। इतना ही नहीं, वह सबसे कम पारियों में यह मुकाम हासिल करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। सूर्यवंशी ने सिर्फ 23 पारियों में एक हजार रनों का आंकड़ा पार किया।

पावर प्ले में सबसे ज्यादा रन

वैभव सूर्यवंशी इस मैच में पावरप्ले यानी 1-6 ओवरों में 17 गेंदों पर 31 रन बनाए। इसी के साथ वह आईपीएल इतिहास में किसी एक सीजन में पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी सिर्फ पावरप्ले में ही 521 रन बना चुके हैं।

डेविड वॉर्नर का रिकॉर्ड तोड़ा

वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व कप्तान डेविड वॉर्नर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वॉर्नर ने साल 2016 के पावरप्ले में 467 रन बनाए थे। सिर्फ इतना ही नहीं, वैभव सूर्यवंशी किसी भी टी20 टूर्नामेंट में सिर्फ पावरप्ले में 500 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए है।

कोहली-बटलर को भी छोड़ा पीछे

मात्र 15 साल के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और जोस बटलर का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वैभव आईपीएल 2026 में 700 से ज्यादा रन बना चुके हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 72 छक्के और 63 चौके आए हैं। कुल मिलाकर उन्होंने इस सीजन में 135 बाउंड्री लगाई है, जो एक सीजन में किसी भी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा है। इस मामले में सूर्यवंशी ने जोस बटलर और विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है।

वैभव 135, जोस 128 और कोहली की 121 बाउंड्री

वैभव ने 135 बाउंड्री लगाई हैं। वहीं जोस बटलर ने 2022 में कुल 863 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले कुल 128 बाउंड्री (83 चौके और 45 छक्के) आई थी। वहीं, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने साल 2016 में 121 बाउंड्री लगाई थीं, जबकि डेविड वॉर्नर के नाम 119 बाउंड्री दर्ज हैं. अब वैभव सूर्यवंशी इन सभी दिग्गजों से आगे निकल गए हैं।

सूर्यवंशी का 440 गेंदों में 1000 रन का महारिकॉर्ड

वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में सबसे तेज एक 1,000 रन बनाने का महारिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। उन्होंने आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर अपने एक हजार रन पूरे किए हैं। इसके लिए सूर्यवंशी ने सिर्फ 440 गेंदों का सामना किया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल के नाम 545 गेंदों का था। इतना ही नहीं, वह सबसे कम पारियों में यह मुकाम हासिल करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं. सूर्यवंशी ने सिर्फ 23 पारियों में एक हजार रनों का आंकड़ा पार किया।

मुकाबला आज अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से

रॉयल चैलेंजर्स जीतना चाहेगी ट्रॉफी दूसरी बार मजबूत गुजरात टाइटंस खिताब छीनने बेकरार

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के सपने को पूरा करने के लिए रविवार को मैदान में उतरेगी तो उसके सामने गुजरात टाइटंस की कड़ी चुनौती होगी जो किसी भी हालत में खिताब अपनी झोली में डालना चाहेगी। आरसीबी ने अपने आक्रामक और बेखौफ अंदाज से टूर्नामेंट में दबदबा कायम किया है, तो वहीं टाइटंस ने धैर्य और संयमित खेल से प्रभावित करते हुए पांच वर्षों में तीसरी बार फाइनल का टिकट पक्का किया है। कागजों पर मौजूदा चैंपियन आरसीबी को 2022 की विजेता टाइटंस के खिलाफ मजबूत दावेदार माना जा रहा है, क्योंकि इस पूरे टूर्नामेंट में उनका बेखौफ और जोखिम भरा खेल बेहद प्रभावशाली रहा है।

प्रतियोगिता जीतने मजबूत गेंदबाजी की जरूरत : रजत

कप्तान रजत पाटीदार को भरोसा है कि भुवनेश्वर कुमार की अगुवाई वाला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मजबूत गेंदबाजी आक्रमण टीम को लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाएगा।

आरसीबी रविवार को यहां आईपीएल 2026 के फाइनल में गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी। पाटीदार ने खिताबी मुकाबले से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि किसी भी बड़ी प्रतियोगिता को जीतने के लिए मजबूत गेंदबाजी इकाई का होना बेहद जरूरी है।

बड़े स्कोर का बचाव अधिक मुश्किल काम

उन्होंने कहा, /"अगर आपको टूर्नामेंट जीतना है तो आपके पास मजबूत गेंदबाजी आक्रमण होना चाहिए। इस विकेट पर 200-220 रन बनाना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन इतने बड़े स्कोर का बचाव करना कहीं अधिक मुश्किल होता है। इसलिए बेहतर गेंदबाजी इकाई सफलता की कुंजी है।/"

गेंदबाजी की रीढ़ हैं भुवनेश्वर कुमार

पाटीदार ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की जमकर सराहना की। उन्होंने 15 मैचों में 26 विकेट लेने वाले भुवनेश्वर को आरसीबी के गेंदबाजी आक्रमण की रीढ़ बताया।

अपेक्षाओं का बोझ महसूस नहीं करता कोशिश है ट्रॉफी जीतने की : गिल

जीटी के कप्तान के तौर पर अपने पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब की दहलीज पर खड़े शुभमन गिल ने कहा कि उन्हें अपेक्षाओं का बोझ महसूस नहीं होता लेकिन उन्हें उम्मीद है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ फाइनल में गुजरात टाइटन्स को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा। गुजरात टाइटन्स और गत चैंपियन आरसीबी दोनों ही टीम रविवार को यहां के विशाल नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में अपना दूसरा आईपीएल खिताब जीतने की कोशिश करेंगी।

घरेलू मैदान में खेलने का मिलेगा फायदा

फाइनल की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में गिल ने कहा, ''सच कहूं तो मुझे उम्मीदों का बोझ महसूस नहीं होता। यहां खेलने के कुछ फायदे हैं, यहां का माहौल जाना-पहचाना लगता है क्योंकि हम यहां की पिच और मैदान को जानते हैं। इसलिए हमें पता है कि यहां जीतने के लिए हमें किस तरह का क्रिकेट खेलना होगा। इस लिहाज से मैं घरेलू मैदान पर खेलने को एक फायदे के तौर पर देखता हूं क्योंकि यहां की पिच को हम थोड़ा बहुत जानते-पहचानते हैं। अगर आप जीतते हैं, तो यह एक शानदार सत्र होगा। अगर आप नहीं जीतते हैं तो भी यह एक अच्छा सत्र ही रहेगा, लेकिन अगर आप जीतते हैं तो यह और भी बेहतर होगा।

मानसिक तौर पर तैयार टीम जीतेगी मैच

लगातार सफर के बाद थकान को लेकर गिल ने कहा कि यह सब मानसिकता की बात है। उन्होंने कहा कि फाइनल पूरी तरह से मानसिक खेल होता है इसलिए जो टीम मानसिक तौर पर इस चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार होगी, वही टीम जीतेगी। गिल ने अपनी टीम के खेलने के इस तरीके को सही ठहराया। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि असली बात तो काम को पूरा करना है।

सिंगापुर ओपन

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| सिंगापुर

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी ने शनिवार को यहां सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में कोरिया के किम वोन हो और सियो सेउंग जे की शीर्ष वरीयता प्राप्त और दुनिया की नंबर एक जोड़ी को सीधे गेम में हराकर उलटफेर करते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

भारत की चौथी वरीय जोड़ी ने 52 मिनट चले सेमीफाइनल में मौजूदा विश्व चैंपियन जोड़ी हो और जे को 21-19, 21-18 से मात दी।

आज फाइनल मुकाबले में इनसे भिड़ंत

अब रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी का सामना इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिक्री की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी तथा चीन के लियांग वेई कांग और चांग वांग की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

मिश्रित युगल का सफर सेफा में समाप्त

मिश्रित युगल स्पर्धा में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी का सफर सेमीफाइनल में खत्म हो गया उन्हें जापान के युइची शिमोगामी और सायाका होबारा की जोड़ी के हाथों 16-21, 21-17, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।

पिछड़ने के बाद भारत ने नहीं खोया धैर्य

भारत और कोरिया की जोड़ियों के बीच खेला गया पुरुष युगल सेमीफाइनल बेहद कड़ा रहा। पहले गेम के ब्रेक तक कोरियाई खिलाड़ी 13-11 से मामूली बढ़त बनाए हुए थे लेकिन सात्विक और चिराग ने शानदार वापसी की और पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी सात्विक और चिराग 11-14 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए कोरियाई जोड़ी को हराकर उलटफेर कर दिया।

फ्रेंच ओपन

उलटफेर का शिकार हुए जोकोविच नया पुरुष चैंपियन बनना तय

एजेंसी ▶▶| पेरिस

विश्व नंबर-एक यानीक सिनर के बाहर होने के बाद अब दिग्गज नोवाक जोकोविच के भी उलटफेर का शिकार हो जाने से फ्रेंच ओपन में पुरुष एकल खिताब की दौड़ पूरी तरह खुल गई है और यह तय हो गया है कि रोलां गैरो को नया चैंपियन मिलेगा। ब्राजील के 19 वर्षीय खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका ने तीसरे दौर में जोकोविच को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। यह मुकाबला दो घंटे से अधिक समय तक चला और अंत तक बेहद संघर्षपूर्ण रहा।

जोकोविच को झटका दिग्गज टूर्नामेंट से बाहर

जोकोविच के लिए यह हार उनके 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब के सपने पर बड़ा झटका साबित हुई। यह केवल दूसरी बार है जब वह दो सेटों की बढ़त गंवाकर कोई मैच हारे हैं। इससे पहले ऐसा 2010 में पेरिस में हुआ था। जोकोविच, डेनियल मेदवेदेव, मारिन चिलिच और स्टान वावरिंका जैसे सभी ग्रैंड स्लैम विजेता इस बार टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं, जिससे यह तय हो गया है कि सात जून को पुरुष एकल में नया चैंपियन ट्रॉफी उठाएगा।

अंडर-18 महिला एशिया कप

नौशीन के दो गोल से भारत ने मलेशिया को हराया

काकामिगहारा (जापान)। पंद्रह साल की नौशीन नाज की दो गोल की मदद से भारत ने शनिवार को यहां अंडर-18 महिला एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप के पूल ए के एक मैच में मलेशिया को 2-1 से हराकर विजयी शुरुआत की। मैच के पहले क्वार्टर में कोई गोल नहीं हुआ, लेकिन नौशीन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर 19वें मिनट में भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। नौशीन ने इसके बाद 28वें मिनट में एक और शानदार गोल दागा। उन्होंने मलेशिया की गोलकीपर को चकमा देते हुए सटीक शॉट लगाया और भारत की बढ़त को 2-0 कर दिया जिससे मध्यांतर तक भारत मजबूत स्थिति में रहा।

तीसरे क्वार्टर में मलेशिया ने किया गोल

तीसरे क्वार्टर में मलेशिया ने वापसी की कोशिश की और 41वें मिनट में नूर अजली ने गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। इस गोल से मुकाबला रोचक होने के बाद भारतीय रक्षापंक्ति ने चौथे क्वार्टर में मजबूती दिखाते हुए विपक्षी टीम को कोई और सफलता नहीं लेने दी और बढ़त को बरकरार रखा। पूरे मैच के दौरान भारत ने कई आक्रामक मौके बनाए और कुल 16 पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन टीम केवल दो को ही गोल में बदल सकी। दो गोल करने वाली नौशीन नाज़ को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

भारतीय महिला हॉकी टीम आस्ट्रेलिया से हारी, चार मैचों की श्रृंखला 2-2 बराबर

एजेंसी ▶▶| पर्थ

भारतीय महिला हॉकी टीम चार मैचों की दोस्ताना श्रृंखला के आखिरी मैच में आस्ट्रेलिया से 2-3 से हार गई जिससे श्रृंखला 2-2 से बराबरी पर खत्म हो गई। भारत ने दूसरे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर नवनीत कौर के गोल के दम पर बढत बना ली थी। दूसरे क्वार्टर में दीपिका सोरेंग ने 23वें मिनट में गोल करके भारत की बढत दुगुनी कर दी।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे क्वार्टर में की वापसी

आस्ट्रेलिया ने तीसरे क्वार्टर में एबी विल्सन (42वां) और ओलिविया डोनेस (44वां) के गोल के दम पर वापसी की। कर्टनी शोनेल ने 58वें मिनट में गोल करके आस्ट्रेलिया को 3-2 से जीत दिलाई। इस हार के बावजूद यह दौरा भारत के लिये अच्छा रहा। पहला मैच हारने के बाद भारत ने दो मैच जीतकर वापसी की। न्यूजीलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएच नेशंस कप से पहले भारतीय टीम ने जबर्दस्त दृढता, अनुशासन और जुझारूपन दिखाते हुए अपनी तैयारी पुख्ता की।

ऐसा रहा पूरी सीरीज का खेल

पहले मैच में आस्ट्रेलिया ने 2-1 से जीत दर्ज की थी लेकिन भारत ने दूसरा मैच शूटआउट में 4-2 से जीता। तीसरे मैच में भारतीय टीम ने 2-1 से जीत दर्ज की। इस दौरे पर भारत ने हर विभाग में प्रभावित किया और डिफेंस तथा मिडफील्ड में प्रदर्शन में काफी सुधार देखने को मिला। नेशंस कप के जरिये भारत के पास 2026-27 सत्र के लिये एफआईएच प्रो लीग में वापसी का भी मौका है जो लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का क्वालीफायर भी है।

भारत के खिलाफ सीरीज की शुरुआत 6 जून से

वनडे सीरीज और टेस्ट के लिए अफगानिस्तान टीम का ऐलान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अफगानिस्तान ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच और वनडे सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तानी हश्मतुल्लाह शहीदी करेंगे। टेस्ट टीम में सेदिकुल्लाह अटल और रहमत शाह की वापसी हुई है।

स्टार ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई को भी टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, अनुभवी स्पिनर राशिद खान टेस्ट प्रारूप से अब भी बाहर हैं और वह इस मुकाबले में हिस्सा नहीं लेंगे।

ऐसा है सीरीज का पूरा कार्यक्रम

एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून को शुरू होगा। ये मुकाबला न्यू चंडीगढ़ स्टेडियम में सुबह 9:30 बजे से खेला जाएगा। वहीं, पहला वनडे मुकाबला धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में 14 जून को दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा। दूसरा वनडे लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में 17 जून को होगा। ये मैच भी दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा। सीरीज का आखिरी वनडे मुकाबला चेन्नई में 20 जून को खेला जाएगा। ये मुकाबला भी डे-नाइट (1:30 बजे) का होगा।

टीम इस प्रकार हैं

वनडे टीम: हश्मतुल्लाह शहीदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, रहमत शाह, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), मोहम्मद नबी, अजमतुल्लाह उमरजई, राशिद खान, नंगेयालिया खारोटे, अल्लाह गजनफर, जिया उर रहमान, फरीद मलिक और बिलाल सामी। रिजर्व खिलाड़ी: कैस अहमद, सलीम साफी और बशीर अहमद।

टेस्ट टीम: हश्मतुल्लाह शहीदी (कप्तान), अब्दुल मलिक, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, रहमानुल्लाह गुरबाज, रहमानुल्लाह जादरान, अफसर जजई (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), अजमतुल्लाह उमरजई, शरफुद्दीन अशरफ, नंगेयालिया खारोटाई, कैस अहमद, बिलाल सामी, जिया शरीफी और सलीम साफी। रिजर्व खिलाड़ी: बशीर अहमद, बशीर शाह और इस्मत आलम।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन लंबे समय से खुद को एक मजबूत और फिट नेता के तौर पर पेश करते रहे हैं। कभी घुड़सवारी, कभी आइस हॉकी और कभी शर्टलेस तस्वीरों के जरिए उन्होंने अपनी ताकतवर छवि बनाई। लेकिन अब सामने आई एक रिपोर्ट बताती है कि पुतिन सिर्फ फिट रहने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उम्र को मात देने और इंसानी जीवन को लंबा करने की वैज्ञानिक कोशिशों में भी गहरी दिलचस्पी रखते हैं।

जवान रहने के लिए पुतिन ने बनाया खास प्लान, रूसी साइंटिस्ट संग बेटी भी कर रही मदद

मास्को। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने 2024 में 'न्यू हेल्थ प्रिजर्वेशन टेक्नोलॉजीज' नाम से करीब 26 अरब डॉलर का राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू किया है। इसका मकसद ऐसी तकनीकें विकसित करना है जो इंसानों की उम्र बढ़ा सकें और शरीर के खराब हो चुके अंगों को बदलने में मदद करें। पिछले साल चीन में एक सैन्य परेड के दौरान पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बातचीत ने इस दिशा में उनकी सोच की झलक भी दिखाई थी। पुतिन ने कहा था, 'मानव अंगों का लगातार ट्रांसप्लांटेशन किया जा सकता है, जिससे लोग जवान हो सकते हैं और शायद अमर भी.' इस पर शी जिनपिंग ने जवाब दिया था कि सदी के अंत तक इंसानों की उम्र 150 साल तक पहुंच सकती है।

सदी के अंत तक इंसानों की उम्र 150 साल तक पहुंच सकती है

जीन थेरेपी पर भी काम शुरू

रूसी सरकार का लक्ष्य 2030 तक मानव अंगों के ट्रांसप्लांटेशन को व्यावहारिक रूप देना है। हाल ही में रूस ने एक नई जीन थेरेपी पर भी काम शुरू किया है, जिसका मकसद कोशिकाओं की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करना है।

क्या रिसर्च कर रहे रूस के साइंटिस्ट?

रूस के इस प्रोजेक्ट में दो प्रमुख तकनीकों पर सबसे ज्यादा काम हो रहा है। पहली है बायोप्रिंटिंग, यानी 3डी प्रिंटर की मदद से जीवित ऊतकों और अंगों का निर्माण. वैज्ञानिकों का दावा है कि वे मानव कार्टिलेज और चूहे की थायरॉयड ग्रंथि जैसी संरचनाएं तैयार कर चुके हैं। दूसरी तकनीक है जीन संशोधित मिनी-पिग्स के अंदर मानव अंग विकसित करना, ताकि भविष्य में जरूरत पड़ने पर इन्हें ट्रांसप्लांट किया जा सके.

रिसर्च प्रोग्राम की देखरेख कर रहीं पुतिन की बेटी

इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का नेतृत्व दो ऐसे लोग कर रहे हैं जो पुतिन के बेहद करीबी माने जाते हैं। इनमें उनकी बेटी मारिया वोरोंतसोवा शामिल हैं, जो एंडीक्रोनोलॉजिस्ट एंड मेडिकल रिसर्च से जुड़े सरकारी कार्यक्रमों की निगरानी कर रही हैं। दूसरे प्रमुख चेहरे हैं मिखाइल कोवाल्चुक, जिन्हें रूस की दीर्घायु रणनीति का प्रमुख वास्तुकार माना जाता है। हालांकि इस पूरे प्रोजेक्ट को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। रूस छोड़ चुके वैज्ञानिक एलेक्जेंडर ओस्त्रोवस्की का कहना है कि अगर इन दावों से जुड़ी वैज्ञानिक रिसर्च और प्रकाशित नतीजे सामने नहीं आते, तो इन्हें उपलब्धि के बजाय सिर्फ महत्वाकांक्षी सपने ही माना जाएगा।

रोचक खबरें

गुलाबी आंखें और रंग सफेद काजीरंगा में दिखा दुर्लभ हिरण

गुवाहटी। सोशल मीडिया पर एक बेहद हैरान करने वाला वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो काजीरंगा के हरे भरे घास के मैदानों का है। यहां पर दूधिया सफेद रंग का हिरण घूमते हुए दिखाई दिया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने खुद इस वीडियो को शेयर किया है और अपनी खुशी जाहिर की है। वीडियो न सिर्फ दुर्लभ है, बल्कि असम के समृद्ध वन्यजीवों की एक बड़ी मिसाल भी है।

दुर्लभ हिरण : काजीरंगा के घने जंगलों में आमतौर पर भूरे रंग के हिरण ही दिखाई देते हैं, लेकिन यह हिरण बिल्कुल अलग है। काजीरंगा में दिखा बेहद दुर्लभ हिरण किसी किसी चमकते सितारे की तरह लग रहा है। एल्बिनो होने की वजह से यह पूरी तरह सफेद है। एल्बिनो हॉग डियर एक बेहद दुर्लभ सफेद रंग का हिरण है, जो आनुवंशिक स्थिति (एल्बिनिजम) की वजह से पैदा होता है। एल्बिनो हॉग डियर यह एक आनुवंशिक दोष है जिसमें जानवर के शरीर में मेलेनिन (रंग पैदा करने वाला पिगमेंट) नहीं होता। इसकी वजह से उनका पूरा शरीर सफेद और आंखें गुलाबी हो जाती हैं। अनोखे हिरण को देखकर वन विभाग के लोग हैरान रह गए। एल्बिनो हॉग एक लाख में से एक हिरण ऐसा पैदा होता है।

सांपों को पकड़ कर रहे थे अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री, हाथों को कई बार काट लिए

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। एक शख्स जिंदा सांपों को पकड़ता नजर आ रहा है। यह वीडियो अमेरिका का है और सांपों को पकड़ने वाला शख्स कोई आम आदमी नहीं है, बल्कि अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर हैं। बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो फ्लोरिडा में डॉ मेहमत ओज के बीच हाउस का है, जहां रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर सांपों को पकड़ते दिखे। नेशनल पार्क सर्विस के मुताबिक, ये ब्लैक रेसर प्रजाति के सांप हैं, जो जहरीले नहीं होते और आमतौर पर इंसानों के लिए नुकसानदेह नहीं माने जाते हैं। अब सोशल मीडिया पर अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री का सांपों के पकड़ने का वीडियो वायरल हो रहा है। दरअसल, सांपों का जोड़ा घर के एक कोने में घूम रहा था। तभी पैंट-शर्ट और टाइ पहने स्वास्थ्य मंत्री वहां पहुंच गए और उन्हें पकड़ने लगे। पीछे से उनकी पत्नी वीडियो बना रही थीं और चिल्ला रही थीं। गुस्साए सांप ने मंत्री जी की उंगली पर कांट लिए, लेकिन उनके चेहरे की कोई शिकन तक नहीं आई। अमेरिकी अभिनेत्री और कैनेडी की पत्नी शेरिल हाइन्स कहती हैं ओह माय गॉड, तुम तो पूरी तरह से पागल हो। उन्होंने बेहद कूल अंदाज में कहा कि हां, काट रहे हैं। यह सुनकर उनकी पत्नी डर गईं और चिल्लाने लगीं कि उन्हें छोड़ दो। लेकिन काटने के बाद भी वह नहीं माने। अब उनका सांपों को पकड़ने का वीडियो वायरल हो रहा है।

दीदार

अचानक बदला शेड्यूल

ट्रंप की बेटी टिफनी ने किया ताज का दीदार, एयरपोर्ट से पहुंच गई सीधे

आगरा। दुनिया के सात अजूबों में शुमार मोहब्बत की निशानी 'ताजमहल' का दीदार करने के लिए शनिवार को एक बेहद खास मेहमान आगरा पहुंचीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप ने अपने पति माइकल बॉऊलोस के साथ ताज का दीदार किया। पहले से तय कार्यक्रम में अचानक बदलाव करते हुए टिफनी का काफिला सीधे ताजमहल परिसर पहुंचा, जिसे देखकर वहां मौजूद लोग भी हैरान रह गए। टिफनी ट्रंप और उनके पति माइकल का चार्टर्ड विमान सुबह ठीक 11:30 बजे आगरा के खेरिया एयरपोर्ट पर लैंड हुआ. सुरक्षा कारणों और पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उन्हें पहले होटल जाना था, लेकिन ताज को करीब से देखने की उत्सुकता के चलते उनका काफिला सीधे ताजमहल के लिए रवाना हो गया।

होटल से भी देखा ताज का नजारा

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ताज का दीदार करने के बाद टिफनी और माइकल का काफिला मशहूर लग्जरी होटल 'अमर विलास पैलेस' पहुंचा. टिफनी को होटल के उसी खास कमरे में ठहराया गया है, जहां की खिड़की से ताजमहल का भव्य नजारा बिल्कुल साफ दिखाई देता है। होटल में शाही लंच करने और कुछ देर आराम करने के बाद, यह जोड़ा अपने निजी चार्टर्ड प्लेन से राजस्थान के जैसलमेर के लिए रवाना हो जाएगा। रॉयल गेट से मुख्य गुंबद तक सवालों की झड़ीः टिफनी ट्रंप ताज की खूबसूरती देखकर इस कदर उत्साहित थीं कि उन्होंने रॉयल गेट से लेकर मुख्य गुंबद तक पहुंचने के दौरान गाइड से लगातार ताजमहल से जुड़े कई सवाल पूछे.कैमरे में कैद कीं यादेंः टिफनी ने केवल डायना बेंच ही नहीं, बल्कि ताजमहल के साये में अलग-अलग जगहों पर एक शानदार फोटो शूट भी कराया और ताज की यादों को कैमरे में कैद किया।

पूछा- 'कहां से आया है यह खूबसूरत संगमरमर?

ताज की बेमिसाल वास्तुकला को देखकर टिफनी खुद को रोक नहीं पाईं और गाइड रमेश दीवान (धवन) से इसके इतिहास को लेकर कई सवाल किए। टिफनी ने गाइड से पूछा कि इसमें इस्तेमाल किया गया संगमरमर कहाँ से लाया गया था और इतनी बारीक नक्काशी कैसे की गई? इस पर गाइड ने उन्हें बताया कि यह बेशकीमती सफेद संगमरमर पूरी तरह भारतीय है, जबकि नक्काशी में इस्तेमाल हुए रंग-बिरंगे स्टोन भारत के अलावा अफ्रीका और यमन जैसे देशों से मंगवाए गए थे।

डायना बेंच पर थामी एक-दूसरे की बांहें

ताजमहल के दौरे पर आने वाले हर सैलानी की तरह टिफनी और माइकल भी मशहूर 'डायना बेंच' पर पहुंचे। दोनों ने एक-दूसरे का हाथ थामकर बेहद रोमांटिक अंदाज में तस्वीरें खिंचवाईं। अलग-अलग पोज में फोटो क्लिक कराने के बाद उन्होंने अपनी सुरक्षा और स्टाफ टीम के साथ एक ग्रुप फोटो भी ली. पूरे दौरे के दौरान टिफनी के चेहरे पर ताज की खूबसूरती को लेकर एक अलग ही चमक और खुशी साफ देखी जा सकती थी।

78 साल बाद मिले बंटवारे में बिछड़े दोस्त, देखते ही लगा लिया गले

नईदिल्ली। भारत-पाकिस्तान बंटवारे की कहानियां सिर्फ इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आज भी लोगों की यादों और भावनाओं में जिंदा हैं। साल 1947 का वह दौर, जब सरहदें खींची गईं, सिर्फ जमीन का बंटवारा नहीं था, यह लाखों दिलों के टूटने की कहानी भी था। किसी ने अपना घर खोया, तो किसी ने अपने अपनों को। कई रिश्ते ऐसे थे, जो वक्त की धूल में दब गए, लेकिन दिलों से कभी मिटे नहीं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो सामने आया, जिसने इन अधूरी कहानियों को फिर से जीवंत कर दिया। इस वीडियो में दो दोस्त पूरे 78 साल बाद एक-दूसरे से मिलते नजर आते हैं। इंस्टाग्राम यूजर @lovely_singh9213 द्वारा साझा किए गए इस वीडियो ने लोगों के दिलों को गहराई से छू लिया। कैप्शन में लिखा था, '78 साल बाद मिले दो दोस्त।'वीडियो में दिख रहा है कि दो बुजुर्ग आमने-सामने खड़े हैं। शुरुआत में दोनों के बीच कुछ पल की खामोशी है, जैसे वक्त ठहर गया हो और वे अपने अतीत के पन्नों को पलटने की कोशिश कर रहे हों।

सच्ची दोस्ती की मिसाल

सोशल मीडिया पर इस वीडियो ने भावनाओं की लहर दौड़ा दी। किसी की आंखें नम हो गईं, तो किसी ने सच्ची दोस्ती की मिसाल बताया। एक यूजर ने लिखा, 'ऐसी दोस्ती वक्त से भी बड़ी होती है।' वहीं, कई लोगों ने कहा कि यह पल इंतजार और उम्मीद की सबसे खूबसूरत मिसाल है। कुछ यूजर्स ने इसे जिंदगी का एक बड़ा सबक बताया, कि समय अनिश्चित है और रिश्ते अनमोल। अगर दिल से जुड़ाव सच्चा हो, तो वर्षों की दूरी भी उसे खत्म नहीं कर सकती।

लाखों की नौकरी छोड़ आईटी मैनेजर चला रही ऑटो, वजह जान लोग कर रहे तारीफ

आज के समय में ज्यादातर लोग अच्छी सैलरी, बड़ा पद और आरामदायक नौकरी पाने का सपना देखते हैं। खासकर आईटी सेक्टर में नौकरी को एक सुरक्षित और प्रतिष्ठित करियर माना जाता है। लेकिन एक महिला ने अपनी जिंदगी में ऐसा फैसला लिया, जिसने हजारों लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। इस महिला ने आईटी मैनेजर की नौकरी छोड़कर ऑटो चलाना शुरू कर दिया।

यह कहानी तब चर्चा में आई जब एक बिजनेसमैन और कंपनी के सीईओ ओ नेजरिन मिधलाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि एक दिन उनकी मुलाकात एक महिला ऑटो चालक से हुई। पहली नजर में महिला आत्मविश्वासी, खुशमिजाज और अपने काम से संतुष्ट दिखाई दी. जब उन्होंने महिला से उसके काम और जीवन के बारे में पूछा, तो जो जवाब मिला उसने उन्हें हैरान कर दिया।

9 साल तक आईटी इंडस्ट्री में

अब खुद तय करती है काम का समय

आज महिला अपना ऑटो खुद चलाती है और हर महीने लगभग 60 हजार रुपये की कमाई कर लेती है। सबसे बड़ी बात यह है कि अब उसे किसी बॉस के निर्देशों पर काम नहीं करना पड़ता. वह अपने काम का समय खुद तय करती है और अपनी सुविधा के अनुसार काम करती है। महिला का कहना है कि अब वह पहले की तुलना में कहीं ज्यादा खुश, स्वतंत्र और संतुष्ट महसूस करती है। महिला की कहानी सुनकर बिजनेसमैन ओ नेजरिन मिधलाज भी काफी प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि आज ज्यादातर लोग बड़ी सैलरी, ऊंचे पद और सामाजिक प्रतिष्ठा के पीछे भागते रहते हैं।

9 साल तक आईटी इंडस्ट्री में किया काम

बातचीत के दौरान महिला ने बताया कि वह पहले करीब 9 साल तक आईटी इंडस्ट्री में मैनेजर के पद पर काम कर चुकी है। उसके पास अच्छी नौकरी, सम्मानजनक पद और बेहतर करियर था। बाहर से देखने पर उसकी जिंदगी सफल नजर आती थी, लेकिन हकीकत कुछ और थी। नौकरी के साथ लगातार तनाव, दबाव और चिंता भी जुड़ी हुई थी। लंबे समय तक ऑफिस का काम, लगातार मीटिंग, टारगेट पूरे करने का दबाव और मानसिक तनाव उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन चुके थे। धीरे-धीरे उसे महसूस होने लगा कि वह नौकरी तो कर रही है, लेकिन अपनी जिंदगी का आनंद नहीं ले पा रही है।

मंगल ग्रह पर नासा को दिखा अदृश्य साया

वॉशिंगटन। रहस्यों से भरे ब्रह्मांड से एक ऐसी खबर आई है जिसने विज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। हमेशा से शांत और पथरीला दिखने वाला लाल ग्रह यानी मंगल इस समय एक बेहद अजीब दौर से गुजर रहा है। नासा के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि एक भयंकर सौर तूफान के बाद मंगल ग्रह का वायुमंडल रहस्यमयी तरीके से अंदर से सिकुड़ने लगा है।

स्वामीनाथन होंगे अगले नौसेना प्रमुख, 31 को संभालेंगे कार्यभार

नई दिल्ली। भारतीय सेना में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। भारतीय नौसेना में प्रमुख बदलने वाले हैं। वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को नौसेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। वे वर्तमान में मुंबई में पश्चिमी नौसेना कमांडर हैं और 31 मई को कार्यभार ग्रहण करेंगे। उनका कार्यकाल 31 दिसंबर, 2028 तक रहेगा। वाइस एडमिरल स्वामीनाथन 1 जुलाई, 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन प्राप्त हुए थे और संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला; संयुक्त सेवा कमान एवं स्टाफ कॉलेज, श्रीवेनहैम, यूनाइटेड किंगडम; कॉलेज ऑफ नेवल वॉरफेयर, करंजा; और संयुक्त राज्य नौसेना युद्ध कॉलेज, न्यूपोर्ट, रोड आइलैंड, यूएसए से शिक्षा प्राप्त की है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com